दैनिक नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — राजीव गांधी के सिद्धांतों पर चलकर ही देश...
4 अभिव्यक्ति — जैव विविधता की समृद्धि से ही है धरती...
9 मनोरंजन/खेल — लॉकडाउन में किसानों की मदद के लिये आगे...
11 व्यापार — भारत, चीन और इंडोनिशिया पर कम...

www.navpradesh.com
रायपुर, शुक्रवार 22 मई 2020, ज्येष्ठ अमावस्या , विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-101 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

इसे कहते है करेला ऊपर से नीम चढ़ा। देश पहले से ही कोरोना के कहर से जूझ रहा है, ऊपर से अम्फान नामक तूफान ने बंगाल और उड़ीसा में तबाही मचा दी। मौसम का मिजाज भी बदला हुआ है। लगता है कि प्रकृति भी हमारी परीक्षा लेने पर उतारू है। बहरहाल चक्रवाती तूफान ने उतना नुकसान नहीं किया जितनी क्षति देश को राजनीतिक तूफान पहुंचा रहे है। कोरोना काल में पीड़ितों की मदद् के नाम पर जो राजनीतिक नौटंकी हो रही है और बात का बतंगड़ बनाकर व्यर्थ का बवाल खड़ा किया जा रहा है उससे राजनीतिक शुचिता के परखच्चे उड़ रहे है।

छत्तीसगढ़ में हुआ राजीव गांधी किसान न्याय योजना का ऑनलाइन आगाज

किसानों के खाते में 1500 करोड़ ट्रांसफर

- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की इस योजना के सोनिया-राहुल बनें गवाह
- मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित हुआ कार्यक्रम
- चार किश्तों में किसानों को मिलने हैं 5700 करोड़ रुपए

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के शहादत दिवस 21 मई गुरुवार के दिन छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद राहुल गांधी ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम में राज्य मंत्रिमंडल के मंत्रिगण भी शामिल हुए। राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ कार्यक्रम मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित किया गया, जहां मुख्यमंत्री बघेल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत तथा मंत्रिमंडल के सदस्य उपस्थित रहे। योजना के तहत मुख्यमंत्री ने गुरुवार को पहली किश्त के रूप में प्रदेश के किसानों के खाते में 1500 करोड़ की राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजन के तहत भूमिहीन किसानों को भी फायदा होगा। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पूर्व पीएम राजीव गांधी को अर्पित किए श्रद्धा सुमन

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्य तिथि के अवसर पर गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने निवास कार्यालय में विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत और मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ पूर्व पीएम स्वर्गीय राजीव गांधी के तैलचित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी ने आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ भी ली। *पेज 3 भी पढ़ें*

किसानों के जीवन में खुशहाली का नया दौर: सीएम भूपेश

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा किसानों की जीवन में खुशहाली का नया दौर शुरु हुआ है। छत्तीसगढ़ सरकार और कांग्रेस का मुख्य उद्देश्य किसानों, गरीबों, मजदूरों की जिंदगी में खुशहाली लाना है। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। आज हम पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी का पुण्य स्मरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के आधुनिक भारत निर्माण के स्वप्न दृष्टा राजीव जी यह दृष्टिकोण था कि- 'भारत में गरीबी उन्मूलन तथा आत्मनिर्भर भारत' निर्माण के लक्ष्य की प्राप्ति किसानों की आर्थिक दशा में सुधार के बिना संभव नहीं है। राहुल गांधी की न्याय की वृहद अवधारणा के क्रियान्वयन की दिशा में और उनक मार्गदर्शन में प्रथम कदम है- 'राजीव गांधी किसान न्याय योजना'। बघेल ने कहा कि सोनिया जी और राहुल जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ देश के प्रथम राज्यों में से है जो कि स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट के पालन करने में दृढ़ संकल्पित है।

योजना से भूपेश सरकार को मिली तारीफ

योजना लोगों के जीवन में लाएगी बदलाव : सोनिया

छत्तीसगढ़ सरकार की किसान न्याय योजना को कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की खूब सराहना मिली है। योजना की शुरुआत व एक क्लिक में ही किसानों को पहली किश्त की राशि प्रदान करते हुए सोनिया गांधी ने भूपेश सरकार की तारीफ करते हुए कहा राजीव गांधी किसान न्याय योजना लोगों के जीवन में बदलाव लाएगी। उन्होंने कहा-राजीव जी की भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार ने गरीब आदिवासी किसानों की मदद के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस योजना के दूसरे चरण में ग्रामीण भूमिहीन मजदूरों को शामिल करने का निर्णय अपने आप में अनोखा है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ ने देश को दिखाया है रास्ता : राहुल गांधी

लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने योजना की ऑनलाइन शुरुआत के मौके पर कहा छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार ने गरीबों और किसानों को संकट के समय में सीधी मदद पहुंचाने का ऐसा कार्य करके देश को नया रास्ता दिखाया है। उन्होंने कहा कि कोरोना संकट की स्थिति को देखते हुए मैंने प्रधानमंत्री जी से आग्रह किया था कि गरीबों को इस वक्त कर्ज की नहीं बल्कि नगद राशि की जरूरत है। इसका बढ़िया रास्ता छत्तीसगढ़ सरकार ने निकाला है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है, जिसने किसानों को मदद पहुंचाने के लिए उनके खाते में सीधे राशि दी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार संकट के समय ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पहली किश्त में 18 लाख 34 हजार 834 कृषकों को लाभ

इस योजना में धान फसल के लिए 18 लाख 34 हजार 834 किसानों को प्रथम किश्त के रूप में 1500 करोड़ रूपए की राशि प्रदान की गई। योजना से प्रदेश के 9 लाख 53 हजार 706 सीमांत कृषक, 5 लाख 60 हजार 284 लघु कृषक और 3 लाख 20 हजार 844 बड़े किसान लाभान्वित होंगें। इसी तरह गन्ना फसल के लिए पेराई वर्ष 2019-20 में सहकारी कारखाना द्वारा क्रय किए गए गन्ना की मात्रा के आधार पर एफआरपी राशि 261 रूपए प्रति क्विंटल और प्रोत्साहन एवं आदान सहायता राशि 93.75 रूपए प्रति क्विंटल अर्थात अधिकतम 355 रूपए प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा। इसके तहत प्रदेश के 34 हजार 637 किसानों को 73 करोड़ 55 लाख रूपए चार किश्तों में मिलेगा। जिसमें प्रथम किश्त 18.43 करोड़ है।

इधर किसानों से सीएम बात कर रहे थे और उधर 2 मिनट में खाते में जमा हुआ पैसा

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने धमधा के किसानों के साथ विशेष रूप से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की। मुख्यमंत्री से चर्चा में किसान संतोष राणा ने बताया- 'अभी आपसे बात करने के थोड़े देर पहले ही मेरे मोबाइल में मैसेज आया कि मेरे खाते में 34 हजार रुपए आए हैं। ऐसे समय में जब देश भर में सभी लोग कोरोना संकट से परेशान है। मुख्यमंत्री की इस पहल से किसानों को खेती किसानी में बड़ी मदद मिलेगी।' राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने किसान हितैषी इस योजना को आरंभ कर किसानों के हितों को बढ़ावा देने का बड़ा कार्य किया है।

अच्छी खबर

छग-मप्र को जोड़ने वाली पंडरिया-बजाग सड़क का काम शुरू

रायपुर (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश राज्य को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क पंडरिया-बजाग मार्ग का निर्माण काम तेजी के साथ शुरू हो गया है। कबीरधाम जिले के पंडरिया से मध्यप्रदेश के डिडौरी जिले के बाजाग वनग्राम तक कुल 35 किलोमीटर तक टू-लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्य के लिए 128 करोड़ रूपए की स्वीकृति मिली है। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के कारण सड़क का निर्माण कार्य बंद किया गया था। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग के साथ काम करने के निर्देश ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	1,15,374	3,502
अमेरिका	1,597,130	95,118
ब्रिटेन	250,908	36,042
इटली	227,364	32,330
स्पेन	279,524	27,888
फ्रांस	181,575	28,132
ब्राजील	294,152	19,038
बेल्जियम	56,235	9,186
जर्मनी	178,671	8,271
ईरान	129,341	7,249
मैक्सिको	56,594	6,090
कनाडा	80,142	6,031
नीदरलैंड	44,700	5,775
टर्की	152,587	4,222
स्वीडन	32,172	3,871
रूस	317,554	3,099

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 30932.90
निफ्टी- 9106.25
गोल्ड- 46297 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 47226 (1 कि ग्रा.)

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी बोलीं

अम्फान से 72 की मौत, पीएम आकर देखें तबाही का मंजर

कोलकाता/ए.। चक्रवाती तूफान अम्फान ने पश्चिम बंगाल में भयंकर तबाही मचाई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बताया है कि पश्चिम बंगाल में अभी तक 72 लोगों की मौत हो चुकी है। ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने ऐसी भयानक तबाही कभी नहीं देखी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वह पश्चिम बंगाल आएं और तबाही का मंजर अपनी आंखों से देखें। अम्फान तूफान के चलते राज्य में हजारों घरों को नुकसान पहुंचा है। लगभग छह लाख लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित बचाया ■ शेष पृष्ठ 8 पर

एयरपोर्ट पर दिखा नदी सा नजारा

अम्फान से कोलकाता में कई जगहें डूब गईं। इससे यहां का एयरपोर्ट भी अछूता नहीं रहा। तेज हवाओं से एयरपोर्ट का कुछ हिस्सा प्रभावित हुआ है। रनवे का नजारा किसी विशाल नदी जैसा नजर आ रहा है। हैंगर्स एरिया में भी पानी भरा नजर आया।कोलकाता एयरपोर्ट पर लोगों ने ऐसा पहली बार देखा। अम्फान तूफान की रफ्तार के आगे 40-40 टन के जहाज भी थरथरा रहे थे। उनके पहियों के लिए चोक्स (अवरोधक) लगाए गए थे जिससे वे हवा में इधर-उधर हिलकर एक दूसरे को नुकसान न पहुंचा दें।

पीएम मोदी आज करेंगे एरियल सर्वे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को पश्चिम बंगाल का एरियल सर्वे करेंगे। इससे पहले उन्होंने ट्वीट करके बताया, 'अम्फान के कारण पश्चिम बंगाल में हुई तबाही के विजुअल्स देख रहा हूं। यह काफी कठिन समय है, पूरा देश इस समय पश्चिम बंगाल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। राज्य के लोगों की बेहतरी के लिए हम कामना करते हैं। हालात सामान्य करने के प्रयास जारी हैं।'

दंतेवाड़ा : डीआरजी जवानों मार गिराए 2 इनामी नक्सली

दंतेवाड़ा/नवप्रदेश। दंतेवाड़ा पुलिस ने गुरुवार को बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए दो इनामी नक्सलियों को मार गिराया। एसपी अभिषेक पल्लव के नेतृत्व में डीआरजी जवानों ने तुमनार और बांगापाल के जंगलों में हुई मुठभेड़ में यह सफलता हासिल की। बताया जा रहा है कि मृत नक्सलियों में से एक पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। एक का नाम रिशु इस्तम बताया जा रहा है जो नक्सलियों के प्लाटून 16 का कमांडर था। वहीं दूसरे नक्सली की शिनाख्त माटा पीडियाकोट जनमिलिशिया कमांडर के रूप में हुई है। जवानों ने नक्सलियों के हथियार भी जब्त किये हैं। दोनों के पास से भरमार बंदूक भी बरामद हुई है। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों इसी इलाके में जवानों की एक टुकड़ी का सामना नक्सलियों से हुआ था। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

श्रमिकों की बस की बेमेतरा में डम्पर से टक्कर, तीन मृत

- झारखंड जा रहे था प्रवासी मजदूर, 23 घायल

बेमेतरा/नवप्रदेश। बेमेतरा जिले में गुरुवार को प्रवासी श्रमिकों को पुणे से झारखंड ले जा रही बस हादसे का शिकार हो गई। बस की एक डम्पर से हुई टक्कर में तीन लोगो की मौत हो गई और 23 घायल हो गए। हादसे को लेकर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुणे से झारखंड जा रहे प्रवासी श्रमिकों की बस की बेमेतरा में राष्ट्रीय राज मार्ग पर टेमरी के पास डम्पर से आमने सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में तीन लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 23 लोग घायल हो गए। घायलों में पांच की स्थिति गंभीर बताई गई है। वहीं पांच प्रवासी श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

धमतरी : ट्रेलर-कार भिड़े, 2 की मौत

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में आज सुबह ट्रेलर और कार के बीच हुई टक्कर में कार में सवार एक पुरुष व एक महिला की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार नेशनल हाईवे में अर्जुनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत गागरा पुल के पास अज्ञात ट्रेलर ने रायपुर से जगदलपुर की ओर जा रही कार को ठोकर मार दी। इस घटना ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना के और 17 नए पॉजिटिव मिले

- छत्तीसगढ़ में अब एक्टिव पॉजिटिव की संख्या 73

रायपुर/नवप्रदेश। कोरोना के मामले प्रदेश में और बढ़ गए हैं। गुरुवार को 17 नए कोरोना पॉजिटिव मिले। पहले राजनांदगांव से 4, जांजगीर से 3, रायपुर से 1, बालोद से 1, सरगुजा से 1 तथा कांकेर से 1 मरीज मिला। इसके बाद बिलासपुर जिले से 4 और मुंगेली जिले से 2 मरीज मिले। इसके साथ ही राज्य में कोरोना के एक्टिव पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 73 हो गई है। रायपुर में कोरोना की रिएंट्री हो गई है। वहीं कांकेर, जहां अब तक एक भी मरीज नहीं था वह भी कोरोना संक्रमित मरीजों वाले जिलों की सूची में शामिल हो गया है। बता दें कि रायपुर में इसके पहले ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भारत-चीन के सैनिकों के बीच फिर तनाव!

- भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा- चीनी सैनिकों ने भारतीय पेट्रोलिंग टीम की ड्यूटी में डाला खलल

नई दिल्ली/ए.। लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच संघर्ष का मुद्दा पूरी तरह शांत हुआ नहीं जान पड़ता है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा है कि चीनी सैनिकों ने भारत की पेट्रोलिंग टीम की ड्यूटी में खलल डालने की कोशिश की। विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में यह भी कहा कि भारतीय सैनिकों की तरफ से किसी तरह की अतिरिक्त गतिविधि को अंजाम नहीं दिया गया है और भारतीय सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा की सच्चाइयों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आपके काम की दो खबरें

नई दिल्ली/ नवप्रदेश। लॉकडाउन 4 के बीच देश में 25 मई से घरेलू विमान सेवा शुरू होने जा रही है। इसको लेकर केंद्रीय नागरी विमानन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को विस्तृत गाइडलाइन जारी कर दी गई। वहीं 1 जून से रेलवे की ओर से और 200 ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसको लेकर टिकट हासिल करना शुक्रवार से और आसान हो जाएगा।

हवाई यात्रा करनी है तो 2 घंटे पहले पहुंचना होगा एयरपोर्ट

घरेलू यात्री उड़ानें 25 मई से कई नये दिशा-निर्देशों के साथ दुबारा शुरू हो रही हैं। इसके तहत यात्रा के लिए हवाई अड्डे पर कम से कम दो घंटे पहले पहुंचना होगा और आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल जरूरी होगा। सूत्रों ने बताया कि हवाई अड्डों के लिए मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) में यात्रियों का हवाई अड्डे पर कम से कम दो घंटे पहले पहुंचना अनिवार्य किया गया है। वहीं नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने कहा कि विमान में बीच की सीट खाली नहीं रहेगी। यदि ऐसा किया गया तो इसका बोझ यात्रियों पर पड़ेगा। सिर्फ उन्हीं यात्रियों को टर्मिनल बिल्डिंग में प्रवेश करने दिया जायेगा जिनकी उड़ान अगले चार घंटे में है। टर्मिनल में प्रवेश से पहले ही यात्रियों की थर्मल स्क्रीनिंग की जायेगी और बिना लक्षण वाले यात्रियों को ही प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

मोबाइल में आरोग्य सेतु ऐप जरूरी

यात्रियों के लिए उनके मोबाइल में आरोग्य सेतु ऐप होना अनिवार्य किया गया है। ऐप पर हरा संकेत नहीं दिखने पर प्रवेश नहीं दिया जायेगा हालांकि 14 साल से कम उम्र के बच्चों को आरोग्य सेतु ऐप की अनिवार्यता से छूट दी गयी है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

रेल टिकटों की सीएससी पर ऑफलाइन बुकिंग आज से

भारतीय रेलवे जल्द ही टिकटों की ऑफलाइन बुकिंग भी शुरू करने जा रहा है। 22 मई (शुक्रवार) से यह सुविधा देश के लगभग 1.7 लाख कॉमन सर्विस सेंटर्स (सीएससी) पर उपलब्ध होगी। वहां जाकर लोग ट्रेन का टिकट कटा सकेंगे। फिलहाल रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर्स पर टिकट नहीं मिलेंगे। उसके लिए अगले दो-तीन में व्यवस्था की जाएगी। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस बारे में प्रोटोकॉल तैयार किया जा रहा है। गोयल ने यह भी कहा कि वक्त आ गया है कि भारत को सामान्य हालात की तरफ ले जाया जाए। रेलवे जल्द ही और ट्रेनें भी शुरू करने जा रहा है।

ये ट्रेनें चलेंगी 1 जून से

रेलवे ने 1 जून से चलने वाली 100 जोड़ी ट्रेन की लिस्ट जारी की है जो ऑपरेशनल होंगी। इनमें दूरंतो, संपर्क क्रांति, जन शताब्दी और पूर्वा एक्सप्रेस जैसी मशहूर ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों में एसी और नॉन-एसी, दोनों तरह के कोच होंगे। कोई भी कोच अनरिजर्व्ड नहीं होगा। इन ट्रेनों का किराया सामान्य होगा। गुरुवार सुबह 10 बजे से इन ट्रेनों की बुकिंग भी आईआरसीटीसी पर स्टार्ट हो गई।

दो घंटे के भीतर डेढ़ लाख टिकटें बिकीं

अम्फान ने थाम दी जिंदगी, मलबों से गृहस्थी समेटते नजर आए परिवार

प. बंगाल ए.। कोलकाता समेत पश्चिम बंगाल के कई हिस्सों में तबाही मचाने वाले अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान अम्फान के कारण 12 लोगों की मौत हो गई है। हजारों मकान नष्ट हो गए और निचले इलाकों में पानी भर गया। कई घर तबाह हो गए हैं। तूफान थमने के बाद गरीब परिवार के लोग मलबों से अपनी गृहस्थी समेटते नजर आए। भारी बारिश और 190 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं के साथ अम्फान बुधवार दोपहर ढाई बजे पश्चिम बंगाल के दीघा तट पर पहुंचा। इसके बाद राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश और तूफान आया। अम्फान से क्षतिग्रस्त हुए अपने घर के मलबे से गृहस्थी का सामान निकालने के बाद एक शख्स ने शुक्रवार को फिर से घर बनाने के काम शुरू किया। पश्चिम बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलो में चक्रवात के कारण भारी बारिश और तूफान आने से खपरैल वाले मकानों के ऊपरी हिस्से तेज हवाओं में उड़ गए, पेड़ एवं बिजली के खम्भे उखड़ गए और निचले शहरों एवं गावों में पानी भर गया। कोलकाता में 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली हवाओं ने कारों को पलट दिया। सुंदरवन डेल्टा के तटबंध इस चक्रवात के कारण टूट गए। दीघा और सुंदरवन में ज्वारभाटा की ऊंची लहरें उठती नजर आईं। राज्य सरकार ने पांच लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

पत्नी का आरोप- कोरोना पीड़ित पति लापता है, अस्पताल का जवाब- कोरोना से मौत, दाह संस्कार भी हो चुका

हैदराबाद ए.। हैदराबाद में एक बड़ा ही अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक कोरोना मरीज महिला को उसकी दो बेटियों को ठीक होने के बाद 16 मई को अस्पताल से डिस्चार्ज कर किया गया। इसके बाद महिला का कहना है कि उसका 42 वर्षीय पति भी कोरोना से संक्रमित थे, जो अब लापता हैं। दूसरी तरफ गांधी अस्पताल के अधिकारियों ने कहा है कि उस शख्स कि एक मई को ही मृत्यु हो गई थी और अगले दिन ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के अधिकारियों द्वारा उसके परिवार के सदस्यों को सूचित करने के बाद उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया था। यह सब कुछ हैदराबाद की वनस्थलीपुरम कॉलोनी में रहने वाली आलमपल्ली माधवी के ट्वीट के साथ शुरू हुआ। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा कि उनके पति ए मधुसूदन (42) जो एक राइस मिल में काम करते थे अस्पताल से 16 मई को छुट्टी मिलने के बाद उनके साथ घर नहीं आए। उन्होंने इस ट्वीट को तेलंगाना सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री केटी रामाराव को भी टैग किया।।उन्होंने मंत्री से शिकायत की कि उनके पति को 27 अप्रैल को किंग कोठी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके बाद 30 अप्रैल को गांधी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों का कहना है कि उनके पति का एक मई को देहांत हो गया था और 2 मई को उनके दाह संस्कार की प्रक्रिया पूरी की गई थी। माधवी ने आरोप लगाया कि अस्पताल के अधिकारियों ने प्रक्रिया पूरी करने के लिए उनकी अनुमति नहीं ली थी और ना ही उनके पति के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कराए। इतना ही नहीं अस्पताल ने उनके श्मशान में अंतिम संस्कार का कोई वीडियो, फोटो या उनके किसी सामान को कोई सबूत नहीं दिखाया। उन्होंने कहा कि जब 16 मई को जब अस्पताल से हमें छुट्टी मिली तो हमने अस्पताल के अधिकारियों से मेरे पति के बारे में फिर से पूछताछ की तो उन्होंने कोई सही जवाब नहीं दिया।

राहत की खबर: स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों से हुआ स्पष्ट

भारत में कोरोना मरीजों का रिकवरी रेट 40% के पार

नई दिल्ली ए.। भारत में कोरोना मरीजों के स्वस्थ होने का दर पहली बार 40 प्रतिशत के पार गया है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं। आपको बता दें कि इससे पहले मंगलवार को रिकवरी रेट 38.73 था, जो कि गुरुवार को बढ़कर 40.32 प्रतिशत हो गया। बीते 48 घंटे में कुल 1.59 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया गया। मंगलवार से बुधवार के बीच भारत में कोरोना वायरस के 5609 नए केस सामने आए साथ ही देश में कुल आंकड़ा 1,12,359 हो गया। इनमें से 63624 एक्टिव केस हैं। अभी तक 45299 मरीज ठीक हो चुके हैं। इस महामारी ने कुल 3435 लोगों की जान ले ली है। कोरोना संक्रमण केस के मामले में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, दिल्ली और राजस्थान अग्रणी राज्य हैं। अकेले महाराष्ट्र में 40 हजार कोरोना के मामले अभी तक सामने आ चुके हैं। वहीं, केंद्र सरकार का कहना है कि भारत भले ही दुनिया के 15 प्रभावित देशों में शामिल है, लेकिन यहां रिकवरी रेट काफी अच्छा है। डेथ रेट भी कम है।

मजदूरों का पैदल चलना थम नहीं रहा

10 राज्यों में क्या है कोरोना वायरस की स्थिति:

महाराष्ट्र: महाराष्ट्र में कोरोना वायरस की बड़ी तबाही देखने को मिल रही है। महाराष्ट्र में कोविड-19 के कुल 39297 पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। इनमें से 10318 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं या उन्हें छुट्टी दे दी गई है। इस राज्य में अब तक सबसे अधिक 1390 लोगों की जान जा चुकी है।

दिल्ली: दिल्ली में कोरोना वायरस के संक्रमण की रफ्तार बढ़ते ही जा रही है। राजधानी में कोरोना वायरस के अब तक 11088 मामले आ चुके हैं। कोविड-19 महामारी से जहां 176 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं 5192 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं।

गुजरात: महाराष्ट्र के बाद कोविड-19 ने सबसे ज्यादा गुजरात में तबाही मचाई है। गुजरात में कोरोना के 12 हजार मामले पार कर चुके हैं। यहां 12537 मामले अब तक आए हैं, जिनमें 749 लोगों की मौत हो चुकी है और 5219 लोग या तो स्वस्थ हो चुके हैं या फिर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

मध्य प्रदेश: मध्य प्रदेश भी कोरोना वायरस का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां कोरोना के मामलों की संख्या बढ़कर 5735 हो गई है, जिनमें से 267 लोगों की मौत भी हो चुकी है। इसके अलावा, 2733 लोग ठीक हो चुके हैं।

तमिलनाडु: तमिलनाडु में भी कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या 13 हजार पार कर चुकी है। इस राज्य में अब तक 13191 कोरोना के मामले आ चुके हैं। यहां इस महामारी से 87 की मौत भी हो चुकी है और 5882 पूरी तरह से ठीक भी हो चुके हैं।

आंध्र प्रदेश: आंध्र प्रदेश में कोरोना वायरस के अब तक 2602 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 1640 लोगों का इलाज हो गया है और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। यहां 53 की मौत भी हुई है।

बिहार: कोरोना वायरस के बिहार में अब तक 1674 मामले दर्ज किए गए हैं। हालांकि, बिहार में कोरोना वायरस से 10 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं 571 लोग ठीक हो चुके हैं।

उत्तर प्रदेश: यूपी में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। अब तक यहां 5175 केस आ चुके हैं। हालांकि, इनमें से 3066 लोग पूरी तरह से स्वस्थ हो चुके हैं और 127 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजस्थान: राजस्थान में भी कोरोना के मामलो में काफी तेजी देखी जा रही है। यहां कोरोना वायरस के अब तक 6015 मामले सामने आ चुके हैं। 147 लोगों की मौत का मामला सामने आया है, वहीं 3404 लोग ठीक हो चुके हैं।

पश्चिम बंगाल: बंगाल में भी कोरोना कहर बरपा रहा है। यहां कोरोना वायरस के अब तक 3103 संक्रमित मामले सामने आए हैं, जिनमें से 1136 की मौत हो चुकी है। इनमें से 253 लोग ठीक भी हो चुके हैं।

उप्र शिक्षामित्रों पर चंद मिनटों के भीतर सुको का आदेश संशोधित

69000 शिक्षक भर्ती: राज्य को नोटिस

एजेंसी,नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक भर्ती मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ शिक्षामित्रों की अपील की सुनवाई के दौरान पहले तो उच्चतम न्यायालय ने याचिका खारिज करने का मौखिक आदेश सुना दिया, लेकिन चंद मिनटों बाद ही फिर से सुनवाई करते हुए संशोधित आदेश के साथ राज्य सरकार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति एम एम शांतनगौदर और न्यायमूर्ति विनीत सरन की पीठ ने याचिका कर्ता 'उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र एसोसिएशन' की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी की दलीलें सुनने के बाद याचिका खारिज करने का मौखिक आदेश सुना दिया, लेकिन कुछ न्यायिक पहलुओं पर ध्यान दिलाए जाने के बाद सुनवाई फिर शुरू हुई।

वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे और ए. सुंदरम वीडिया कांफ्रेंसिंग स्क्रीन पर मौखिक आदेश जारी होने के बाद दिखाई दिए और उन्होंने अपनी दलीलें शुरू की। इसके बाद न्यायालय ने याचिका खारिज करने के अपने मौखिक आदेश में संशोधन की मंशा जताई। सुनवाई फिर से कुछ देर चली और सॉलिसिटर जनरल एवं अन्य वकीलों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने राज्य सरकार एवं अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया और इसके जवाब के लिए 14 जुलाई तक का समय दिया। न्यायालय ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह छह जुलाई तक रिक्तियों का चार्ट न्यायालय को सौंप दे। कुछ शिक्षा मित्रों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यम ने दलीलें देनी शुरू की। उन्होंने शिक्षा मित्रों की परिभाषा और कार्य प्रणाली बताई। उन्होंने उच्च न्यायालय की एकल पीठ और खंडपीठ के फैसलों की कानूनी बारीकियां कोर्ट को बताईं। दवे ने याचिकाकर्ता शिक्षामित्र संजीव तिवारी की ओर से दलील दी। उन्होंने अपने मुवक्किल के पिछले डेढ़ दशक से पढ़ाने का दावा किया। उन्होंने कहा कि 69 हजार शिक्षकों की भर्ती के विज्ञापन में कटऑफ का ज़िक्र नहीं था। इसके बाद कोर्ट ने मेहता से पूछा कि मेरिट के नाम पर भारांक और अन्य नियम क्यों बदले गए? उन्होंने कहा कि वह कल इसके बारे में सरकार से दिशा-निर्देश लेकर अदालत को बताएंगे।

इलाज में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के इस्तेमाल को लेकर डब्ल्यूएचओ ने दी

एजेंसी,जिनेवा। डब्ल्यूएचओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मलेरिया और अन्य बीमारियों के उपचार में इस्तेमाल किए जाने वाली दवा हाइड्रो क्सीक्लोरोक्वीन या क्लोरोक्विन को कोविड-19 संक्रमण के इलाज में प्रयोग में लाने को लेकर चेताया है। उन्होंने कहा, इन दवाओं को क्लिनिकल ट्रायल में उपयोग के लिए रिजर्व किए जाने की आवश्यकता है। कई देशों में कोरोनावायरस महामारी से संक्रमित हुए मरीजों के उपचार में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन या क्लोरोक्विन के इस्तेमाल को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में डब्ल्यूएचओ हेल्थ इमरजेंसी प्रोग्राम के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. माइकल रयान ने कहा, दोनों दवाओं को पहले से ही कई बीमारियों के लिए लाइसेंस प्राप्त है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने बुधवार को हुई इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनके दिए बयान के हवाले से कहा, अभी तक कोविड-19 संक्रमण के उपचार में इसके कारगर होने पर संशय है और इस बात का पता लगाया जाना बाकी है। माइकल ने जोर देकर कहा, वास्तव में कोविड-19 संक्रमण के उपचार में दवा के संभावित दुष्प्रभावों के बारे में कई अधिकारियों द्वारा इसके विपरीत चेतावनी जारी की गई है।

पेरू में गिरफ्तारी से बचने के लिए मेयर ने किया कोरोना से मरने का नाटक, ताबूत में लेटे

लीमा ए.। कोरोना वायरस महासंकट से जूझ रहे लैटिन अमेरिकी देश पेरू के एक छोट से कस्बे के पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए कोरोना वायरस से मरने का नाटक किया और ताबूत के अंदर लेट गए। बताया जा रहा है कि मेयर जेमिए रोलांडो कोरोना लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करके दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी रहे थे। पुलिस जब उन्हें अरेस्ट करने आई तब उन्होंने यह ड्रामा किया।

सोमवार रात को जब पुलिस अधिकारी दक्षिणी पेरू के तंतारा कस्बे के मेयर रोलांडो को पकड़ने के लिए पहुंचे तो उन्हें एक खुले हुए ताबूत में पाया। मेयर ने मास्क पहन रखा था। पुलिसकर्मियों ने उनकी एक तस्वीर खींच ली। पुलिस ने बताया कि रोलांडो दोस्तों के साथ बैठकर शराब पी रहे थे जो नियमों का उल्लंघन है। जब मेयर को अरेस्ट किया गया तब वह शराब के नशे में थे।

रोलांडो पर कोरोना वायरस को हल्के में लेने और कस्बे के अंदर सुरक्षा मानकों का ख्याल नहीं रखने का पहले आरोप लग चुका है। पेरू में 66 दिन पहले लॉकडाउन घोषित किया गया था। डेली मेल की खबर के मुताबिक स्थानीय लोग रोलांडो को लेकर गुस्से में हैं और उनका कहना है कि मेयर लॉकडाउन शुरू होने के 66 दिनों में केवल 8 दिन ही शहर में रहे हैं। स्थानीय लोगों ने कहा कि रोलांडो ने कस्बे में सुरक्षा के लिहाज से जरूरी कदम नहीं उठाए। इस बीच पेरू में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मामले एक लाख को पार कर 104,020 पर पहुंच गए हैं और मृतकों की संख्या 3,024 है। इस बीच दुनियाभर में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 50 लाख को पार कर गया है, जबकि 3 लाख 29 हजार 762 लोगों की मौत हो चुकी है। दुनिया में कोरोना के मामलों पर निगाह रखने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार, कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की कुल संख्या 50,091,503 हो गई है। जबकि 20 लाख से ज्यादा संक्रमित ठीक भी हो चुके हैं।

वुहान: लोमड़ी, मगरमच्छ, भेड़िये, सांप, चूहे, मोर समेत कई जंगली जानवरों को खाने पर 5 साल का बैन

एजेंसी,वुहान। चीन के सीन के शहर वुहान में जंगली जानवरों को खाने पर पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया गया है। ऐसा माना जाता है कि कोरोनो वायरस का प्रसार सीफूड बाजार से ही हुआ था। वुहान सरकार द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, नई नीति 13 मई 2020 को लागू हुई और अगले पांच साल तक लागू रहेगी।

गौरतलब है कि चीनी विशेषज्ञों ने जनवरी में कहा था कि कोरोना वायरस वुहान शहर के सीफूड बाजार में बेचे जाने वाले जंगली जानवरों से मनुष्यों में आया था। इसको लेकर सरकार ने इस बाजार में जंगली जानवरों को बेचने और खाने पर अस्थायी रोक लगा दी थी, लेकिन अब इस प्रतिबंध को अगले पांच वर्ष के लिए लागू कर दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस बाजार में समुद्री भोजन के अलावा लोमड़ी, मगरमच्छ, भेड़िये, सांप, चूहे, मोर, साही जैसे जंगली जानवर और उनका मांस बेचा जाता है।

चीन में पिछले 24 घंटों के दौरान वैश्विक महाकारी कोरोना वायरस के पांच नए मामले सामने आए हैं और 16 मामले ऐसे हैं जो बिना लक्षण वाले हैं। एक दिन पहले इस वायरस से संक्रमित छह मामले पाए गए थे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बुधवार को जानकारी देते हुए कहा कि नए पांच मामलों में से चार स्थानीय लोगों से संक्रमित हुए हैं। ये सभी उत्तर-पूर्वी जिलिन प्रांत के हैं और एक अन्य संक्रमित बाहर से आया है जो मंगोलिया के उत्तरी स्वायत्त क्षेत्र से है।

आयोग ने बताया कि तीन नए मामलों के ठीक होने की पुष्टि हुई है और पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना के संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई है। चीन में कोरोना के पुष्ट मामलों की कुल संख्या अब 82965 पर पहुंच गई है। जिसमें से 78244 मरीज ठीक हो चुके हैं। इस वायरस के संक्रमण से 4634 मरीजों की मौत हो गई है।

भारतीय सीमा पर चीन की हरकतों पर बोला अमेरिका- देख रहे हैं उकसाने और परेशान करने वाला रवैया

वॉशिंगटन ए.। लद्दाख में भारत चीन सीमा पर तनाव बढ़ गया है। इस बीच बुधवार को अमेरिका ने भारत का साथ देते हुए चीन के रवैये की आलोचना की है। अमेरिका की वरिष्ठ कूटनीतिज्ञ ने चीन के व्यवहार को उकसाने और परेशान करने वाला बताया है।

भारतीय और चीनी सेनाओं ने तीखी झड़प के करीब दो सप्ताह बाद आक्रामक रूख अपनाते हुए लद्दाख में गलवान घाटी और पांगोंग त्सो झील के आसपास के क्षेत्रों में अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती कर दी है। सैन्य सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारत के शीर्ष सैन्य अधिकारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। वहीं अमेरिका ने कहा कि चीनी सैनिकों का आक्रामक व्यवहार चीन द्वारा पेश खतरे की याद दिलाता है।

अमेरिकी विदेश विभाग में दक्षिण और मध्य एशिया ब्यूरो की निवर्तमान प्रमुख एलिस वेल्स ने कहा कि उन्हें लगता है कि सीमा पर तनाव एक चेतावनी है कि चीनी आक्रामकता हमेशा केवल बयानबाजी ही नहीं होती है। चाहे दक्षिण चीन सागर हो या भारत के साथ लगी सीमा हो, हम चीन द्वारा उकसावे और परेशान करने वाला व्यवहार देख रहे हैं। यह दिखाता है कि चीन अपनी बढ़ती ताकत का किस तरह इस्तेमाल करना चाहता है।

वेल्स ने दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रमता की भी चर्चा की। पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करने वाले चीन का वियतनाम, मलेशिया, फिलिपींस, ब्रूनेई और ताइवान के साथ विवाद है। उसने दक्षिण चीन सागर में कई द्विपों पर सैन्य ठिकाने बना लिए हैं। यह इलाका खनिज का धनी है और वैश्विक व्यापार के लिए भी अहम रूट है।

वेल्स ने कहा, इसलिए आप देख रहे हैं कि एक समान विचार वाले देश एकत्रति हो रहे हैं। चाहे वह आशियान के जरिए या या दूसरे कूटनीतिक समूहों के जरिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका, जापान, भारत, ऑस्ट्रेलिया और दूनिया के दूसरे देश द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने आर्थिक सिद्धातों को लागू करने का प्रयास कर रहे हैं, जो सबके लिए मुक्त और खुले व्यापार की बात करता है।

उन्होंने कहा, हम एक ऐसा वैश्विक तंत्र चाहते हैं जिसमें सभी का फायदा हो ना कि ऐसा कोई सिस्टम जिसमें चीन का आधिपत्य हो। मुझे लगता है कि सीमा विवाद का यह उदाहरण चीन द्वारा उत्पन्न खतरे की याद दिलाता है।

सूत्रों ने कहा कि चीनी सैनिकों ने पांगोंग झील के आसपास के क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति काफी बढ़ा दी और यहां तक कि झील में अतिरिक्त नाव भी ले आए हैं। सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों ने डेमचौक और दौलत बेग ओल्डी जैसे स्थानों पर अधिक सैनिक तैनात किए हैं।

गलवान के आसपास का क्षेत्र पिछले छह दशकों से दोनों पक्षों के बीच विवाद का बिंदु रहा है। सूत्रों ने कहा कि चीनी पक्ष ने गलवान घाटी क्षेत्र में बड़ी संख्या में टेंट लगा दिए हैं। इसके बाद भारत ने भी इलाके में चौकसी बरतने के लिए अतिरिक्त सैनिक भेजे हैं। सूत्रों ने कहा कि चीनी पक्ष ने भारत द्वारा गलवान नदी के आसपास एक महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण पर आपत्ति जताई है। 5 मई को लगभग 250 भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच लोहे की छड़ों और डंडों के साथ झड़प हुयी। इसमें दोनों तरफ के कई सैनिक घायल हो गए।

दोनों सेनाओं के बीच बढ़ते तनाव पर न तो सेना और न ही विदेश मंत्रालय ने कोई टिप्पणी की है। समझा जाता है कि विवादित सीमा की रक्षा में आक्रामक रूख के बीच उत्तरी सिक्किम के कई इलाकों में भी अतिरिक्त सैनिकों को भेजा गया है।

■ न्यूज गैलरी

सैप्टिक टैंक में दो बच्चे गिरे, एक की मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के कबीर नगर इलाके में निर्माणाधीन सैप्टिक टैंक में खेलते-खेलते दो बच्चे गिर गये, जिससे एक बच्चे की मौत हो गई, वहीं दूसरे की जान लोगों ने समय पर बाहर निकालकर बचा लिये। मिली जानकारी के मुताबिक घटना बुधवार शाम 5 बजे की है। बताया जा रहा है कि कबीरनगर क्षेत्र के अटल आवास कालोनी में खेलते-खेलते दो बच्चे वहां निर्माणाधीन सैप्टिक टैंक में गिर गये थे। इनमें एक बच्चा जिसका नाम शुभम नारंग बताया जा रहा है कि मौत हो गई, वहीं दूसरे बच्चे को लोगों ने समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे उसकी जान बच गई।

नौकरी लगाने के नाम पर 25 हजार की धोखाधड़ी

रायपुर। निजी रिप्लेसमेंट एजेंसियों द्वारा शिक्षित बेरोजगारों को झांसा देकर ठगने की घटनाएं आए दिन होती रहती है। खरोरा थाने से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी वीरेंद्र सेन आयु 25 वर्ष पिता दिलीप कुमार को आरोपी मोबाइल धारक व्यक्ति ने फोन कर नौकरी लगाने के नाम पर रेस्टहाउस के पास खरोरा में रहता हूं कहकर पैसा उसके खाते में जमा करने की मांग की। जिस पर प्रार्थी सेन ने बचत खाता का नंबर दिया। उक्त नंबर के आधार पर आरोपी ने पांच बार में 25 हजार खाते से आहरण कर प्रार्थी से धोखाधड़ी की।

पैसे के लेनदेन पर जान से मारने की धमकी

रायपुर। आपसी संबंधों पैसे के लेनदेन को लेकर वाद विवाद होता है। लेते समय जरूरतमंदों द्वारा उधारी लेने में कोई दिक्कत नहीं होती किंतु जब लेनदार पैसे के लिए बार बार मांग करता है तो आपसी संबंधों में विवाद होता है। खमतराई थाने से मिली जानकारी के अनुसार जगन्नाथ सोनी आयु 22 वर्ष पिता आनंद सोनी निवासी जागृति नगर खमतराई द्वारा हुरदा नायक से पैसा उधारी लिया था। प्रार्थी द्वारा उधारी वापस नहीं करने पर हुरदानायक एवं अन्य ने प्रार्थी सोनी से न केवल मारपीट की अपितु उसे जान से मारने की धमकी दिये।

युवती को मिली जान से मारने की धमकी

रायपुर। अभनपुर थाने से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया कुमारी प्रीति पटेल पिता रामानंद पटेल निवासी नकटा तालाब अभनपुर से वहीं के रहने वाले युवक ललित पठारी द्वारा जबरिया बातचीत की कोशिश बार बार की जाती थी प्रार्थिया द्वारा बातचीत करने से मना किया गया जिस पर क्रोधित होकर आरोपी ने युवती से मुझसे बात क्यों नहीं कहती हो कहकर उसके साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी एवं उसकी पिटाई की। अभनपुर थाने ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 294 के तहत मामला कायम किया गया है।

राजीव गांधी के सिद्धांतों पर चलकर ही देश विकास एवं तरक्की के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है : विस अध्यक्ष

■ विधान सभा के सेन्ट्रल हॉल में राजीव गांधी के तैल चित्र पर अर्पित की पुष्पांजलि

■ आतंकवाद विरोध दिवस पर विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों को शपथ भी दिलाई

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर गुरूवार को विधान सभा सचिवालय स्थित सेन्ट्रल हॉल में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के तैल चित्र पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हे अपने श्रध्दासुमन अर्पित की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने 'आतंकवाद विरोध दिवस' पर वहां सभी उपस्थित जनों को शपथ भी दिलाई।

इस अवसर पर अपने संदेश में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. महंत ने कहा कि राजीव गांधी भारत में सूचना क्रांति के जनक माने जाते हैं। पंचायती राज का विस्तार एवं मतदान की उम्र 18 वर्ष कर युवाओं को मतदान का अधिकार राजीव गांधी की देन रही है। उन्होंने इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा था। देश में संचार एवं कम्प्यूटर क्रांति लाने में उन्होंने विशेष योगदान दिया। वे देश के युवा प्रधानमंत्री थे। डा. महंत ने कहा कि राजीव गांधी की उदार सोच, स्वप्नदर्शी एवं व्यापक दृष्टि ने भारत वर्ष को एक नई ऊर्जा और शक्ति प्रदान की। वे भारत को अक्षय ऊर्जा का श्रोत बनाना चाहते थे। राजीव गांधी ने नई शिक्षा नीति में शिक्षा को व्यावसायिकता के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि उनके बताये सिद्वांतो पर चलकर ही देश विकास एवं तरक्की के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है।

गृहमंत्री ने दिलायी आतंकवाद और हिंसा के विरुद्ध शपथ

पूर्व पीएम स्व. राजीव गांधी की पुण्य तिथि पर गृह मंत्री साहू ने किया उन्हें नमन

देश के पूर्व प्रधान मंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्य तिथि 21 मई को आज आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया गया। प्रदेश के गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने आज सवेरे 11 बजे अपने रायपुर निवास कार्यालय में स्व. राजीव गांधी के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें नमन किया और अपने निवास कार्यालय के अधिकारियो-कर्मचारियों को आतंकवाद एवं हिंसा के विरूद्ध शपथ दिलायी। उन्होंने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखने, सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने, मानव जाति के सभी वर्गो के बीच शान्ति, सामाजिक सदभाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलायी।

ग्रामीण-पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव ने केंद्र को लिखा मांग पत्र

बोले-हर परिवार को मिले 100 नहीं बल्कि 150 दिन रोजी

■ कोरोना काल में आजीविका के लिए ग्रामीणों के लिए जताई चिंता

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना की वजह से रोजगार के विकल्प कम होने पर चिंता जाहिर करते हुए छत्तीसगढ़ के ग्रामीण-पंचायत मंत्री टीएस सिंहदेव ने केंद्र को मांग पत्र लिखा है। उनका कहना है कि महामारी की वजह से मजदूर घर लौट आए हैं। उनकी आजिविका के साधन सीमित हैं इसलिए केंद्र की रोजगार गारंटी के अब 100 दिन पर्याप्त नहीं है। हर परिवार को केंद्र सरकार 150 दिनों तक रोजगार गारंटी के तहत काम दे। कोरोना काल में रोजगार के विकल्प कम होने एवं मजदूरों की घर वापसी के कारण प्रदेश में आजीविका के लिए ग्रामीणों की अधिक निर्भरता मनरेगा पर हो गई है। ग्रामीणों की आजीविका के प्रति चिंता जताते हुए छत्तीसगढ़ के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री व स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखा है। टीएस सिंहदेव ने पत्र में वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए हर परिवारों को 100 दिन की बजाय 150 दिनों तक रोजगार देने की मांग की है। पत्र में सिंहदेव ने बताया है कि योजना के तहत 22 से 25 लाख तक ग्रामीणों को रोजगार मिला है।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए राज्य के लिए 13.50 करोड़ मानव दिवस के लेबर बजट की स्वीकृति दी गई है और 18 मई 2020 की स्थिति में 2.96 करोड़ मानव दिवस सृजित हो गया है जबकि लगभग 1.5 करोड़ मानव दिवस की प्रविष्टि शेष है।

युवाओं को आतंकवाद व हिंसा से दूर रखने करें काम : मरकाम

■ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने शपथ दिलाई

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। उपस्थित लोगों के बीच फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय राजीव भवन में सभी उपस्थित वरिष्ठ कांग्रेसजनों को सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने तथा मानवजाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलाई।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने सबको जनता को हो रहे कष्टों तथा आतंकवाद एवं हिंसा से राष्ट्रीय हितों पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव से आम लोगों विशेष रूप से युवाओं को आतंकवाद और हिंसा के मार्ग से दूर रखने के लिये काम करने को कहा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेंद्र तिवारी प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल उपाध्यक्ष गिरीश देवांगन संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी विधायक विनय जायसवाल विधायक चंद्र देव राय कांग्रेस संचार विभाग के सदस्य सुशील आनंद शुक्ला पूर्व महापौर किरणमयी नायक अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष महेंद्र छाबड़ा वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलाम रिजवी प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष गुरमुख सिंह होरा चुन्नीलाल साहू प्रेमचंद जायसी महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला कन्हैया अग्रवाल थानेश्वर पाटिला जितेंद्र साहू अरुण सिसोदिया गोपाल सवाई सीमा वर्मा कार्यकारिणी सदस्य शकुन डेहरिया सेवादल के प्रदेश मुख्य संगठक अरुण ताम्रकार युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पूर्णचंद्र पाढी एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा विचार विभाग के प्रदेश अध्यक्ष हसन खान अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष इम्तियाज हैदर मछुआ विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एमआर निषाद कांग्रेस नेता मदन तालेड़ा सतीश जैन किरण सिन्हा साक्षी सिरमोर कमल नारायण पटेल विनोद नायक आमोद सिन्हा शंकर चिंतल सुंदरलाल जोगी अमर परचानी उपस्थित थे।

फिलहाल बाहरी राज्यों से टूटा रहेगा छत्तीसगढ़ की बस सेवा का संपर्क

■ अंतरराज्यीय बस सेवा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए अंतरराज्यीय बस सेवा संचालन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। परिवाहन आयुक्त द्वारा उक्त संबंध में आदेश जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि कई राज्यों में प्रवासी श्रमिकों के लिए आने और जाने के बाद कोरोना संक्रमण काफी तेजी से बढ़ा है इसे भी एक कारण माना जा रहा है, बस सेवाएं स्थगित रखने के लिए। हालांकि राज्य सरकारें विशेष बस और ट्रेनों से इन्हें गृह राज्य तक लाने का कारण जारी रखे हुए है।

छत्तीसगढ़ में अंतरराज्यीय बस सेवा अभी नहीं चलेगी। लॉकडाउन में आपसी समझौते से अंतर्राज्यीय बस संचालन की अनुमति मिलने के बावजूद भी राज्य में दूसरे राज्यों से आने वाली बसों को प्रवेश की इजाजत नहीं होगी।

परिवहन विभाग की तरफ से कमलप्रीत सिंह ने पड़ोसी राज्यों के परिवहन आयुक्त को इस बाबत पत्र जारी कर दिया है।राज्य सरकार ने अपने पत्र में कहा है कि कोरोना के फैलाव को रोकने की दृष्टि से छत्तीसगढ़ राज्य आगामी आदेश तक अंतर्राज्यीय यात्री वाहन के परिचालन को स्थगित रखा गया है।

सुविधा | स्पेशल ट्रेन से देर रात तक जारी रहा मजदूरों के आने का क्रम

रैपुडा, अमृतसर, दिल्ली और पूना स्पेशल श्रमिक ट्रेन से पहुंचे 661 श्रमिक यात्री

प्लेटफार्म पर थर्मल स्केन, चिकित्सा परीक्षण के बाद बसों से क्वारंटीन सेंटर भेजे गए श्रमिक

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों और अन्य लोगों को लाने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में रैपुडा से चली श्रमिक स्पेशल ट्रेन से रायपुर स्टेशन पर 500,पूना से 84,अमृतसर से 05और देर रात दिल्ली से 72 श्रमिक उतरे।इस तरह कुल 661 श्रमिक आज रायपुर स्टेशन पर उतरे।

रैपुडा से रायपुर जिले के 13, कांकेर जिले के 40, कवर्धा के 09, जगदलपुर के 268, गरियाबंद के 58, महासमुन्द के 25, कोण्डागांव के 22, बलौदाबाजार के 40, बीजापुर के 16, दंतेवाड़ा के 01, सुकमा के 08 श्रमिक उतरे। पूना से रायपुर जिले के 60 बलौदाबाजार के 01, महासमुन्द के 12, दुर्ग के 03, धमतरी के 04 और उड़ीसा के 04 श्रमिक उतरे।अमृतसर से चली ट्रैन से रायपुर जिले के 05 श्रमिक उतरे।इसी तरह देर रात दिल्ली से चली ट्रेन से रायपुर जिले के 47,दुर्ग के 02,महासमुन्द के 14,बेमेतरा के 01,दंतेवाड़ा के 01,धमतरी के02,बालोद के 02और बलौदाबाजार के 03 श्रमिक रायपुर रेलवे स्टेशन पर उतरे।

श्रमिकों के रायपुर स्टेशन पहुचने पर फिजिकल डिस्टेसिंग का पालन करते हुए उन्हें दो-दो बोगियों से बारी-बारी से उतारा गया। यहां सभी श्रमिकों की मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच, थर्मल स्क्रीनिंग और पल्स ऑक्सीमीटर से उनके तापमान के साथ-साथ पल्स एवं ऑक्सीजन सांद्रता की भी जांच की गई। इसके बाद उन्हें विशेष बसों से उनके जिलों के क्वारेन्टाइन सेन्टर भेजा गया।

श्रमिकों ने लाइन में लगकर सोशल डिस्टेंसिंग बनाते हुए स्वास्थ्य परीक्षण के बाद ही स्टेशन से बाहर निकले। सभी श्रमिकों को हिदायत दी गई की वे 14 दिन क्वेरेंटाइन में रहें तथा कोरोना से बचाव एवं रक्षा के लिए सभी निर्देशों का पालन करें। श्रमिकों को क्वारेन्टाइन सेन्टर भेजने के बसों की भी व्यवस्था की गयी थी। उन्हें रेलवे स्टेशन में ही पैक्ड भोजन भी प्रदान किया गया। ट्रेन आगमन के पहले स्टेशन के प्लेटफार्म को सैनिटाइज भी किया गया।

भाजपा नेताओं को न्याय और अन्याय में फर्क नहीं मालूम : धनंजय

रायपुर (नव प्रदेश)। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के शहादत दिवस पर शुरू हुई राजीव गांधी किसान न्याय योजना को भाजपा नेताओं के द्वारा किसानों के साथ अन्याय बताने पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा नेताओं को न्याय और अन्याय में फर्क ही नहीं मालूम है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार किसानों से किए वादों को पूरा करने के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना जो शुरू की है ये न्याय है,किसानों का कर्ज माफ किये ये न्याय है किसानों की जमीन लौटाये ये न्याय है और 15 साल तक मुख्यमंत्री रहे रमन सिंह और बीते 6 साल से प्रधानमंत्री पद पर विराजमान नरेंद्र मोदी ने किसानों के साथ जो वादाखिलाफी किया ये अन्याय है। रमन सिंह के 15 साल के सत्ता के दौरान हुये किसानों की आत्महत्या का महापाप और किसानों से किए गए वादाखिलाफी के अपराध के बोझ तले दबे भाजपा राजनीतिक दिवालियापन के दौर से गुजर रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा छत्तीसगढ़ में सरकार बनने पर किसानों के धान की कीमत 2100 रुपया प्रति क्विंटल और 300 रुपया बोनस देने का वादा किया था।

न्याय योजना सीएम भूपेश बघेल की वायदा निभाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक- सुशील

रायपुर। भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि के दिन 21 मई को छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण योजना शुरू करने जा रही है। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों को उनके उत्पादन के हिसाब से प्रोत्साहन राशि देने जा रही है। कांग्रेस का वायदा सिर्फ धान उत्पादक किसानों से था, लेकिन इस योजना में राज्य के सभी प्रकार की फसलों को उत्पादित करने वाले किसानों को शामिल किया गया है। खरीफ में इस योजना के अंतर्गत धान मक्का सोयाबफन मूंगफली तिल अरहर मूंग उड़द कुल्थफ रामतिल कोदो कुटकी तथा रवि में गन्ना को लिया गया है। योजना में 2019 में खरफ फसलों धान और मक्का की फसल लेने वाले किसान जिन्होंने सहकारी समितियों के माध्यम से अपनी उपज को बेचा है उन्हें अधिकतम दस हजार रु प्रति एकड़ कफ सहायता दफ जाएगी। इस योजना के अंतर्गत 1834834 पंजफकृत किसानों को 5700 करोड़ रु चार किस्तों में दिया जायेगा। प्रथम चरण में लगभग 1499.94 करोड़ रु का भुगतान किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत गन्ना उत्पादक किसानों को पेराई वर्ष 18 - 19 में 24414 किसानों को 50 रु प्रति कुंटल प्रोत्साहन राशि की दर से 10.27 करोड़ रु का भुगतान होगा।

संपादकीय

चीन की कुटिल चाल

सारी दुनिया को कोरोना वायरस देने वाले चीन ने दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए कुटिल चाल चली है। कोरोना काल में वह अपनी विस्तारवादी नीति को आगे बढ़ा रहा है। उसने अपने पड़ोसी देशों के साथ दादागिरी करना शुरू कर दिया है। छोटे देशों पर उसकी ज्यादती बढ़ती जा रही है लेकिन अब वह भारत के साथ भी पंगा लेने की जुर्रत कर रहा है। चीन को मालूम होना चाहिए कि यह 1962 वाला भारत नहीं है। चीन को सबक सिखाने के लिए भारत अब हर लिहाज से सक्षम हो चुका है। दरअसल चीन की इस कुटिल चाल के पिछे कई कारण है, पहला तो यह कि वह भारत चीन सीमा पर तनाव बढ़ाकर सारी दुनिया का ध्यान अपनी ओर से हटाना चाहता है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस को पूरी दुनिया में फैलाने के कारण चीन विश्व के निशाने पर आ गया है, अमेरिका ने तो चीन को सबक सिखाने की चेतावनी दे डाली है। इससे चीन की पूरी दुनिया में छवि खराब हो रही है। यही वजह है कि वह दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए भारत के साथ तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिका और भारत के बीच मजबूत हो रहे रिश्ते भी चीन की परेशानी का सबब बन गए है। दुनिया में भारत की बढ़ती लोकप्रीयता से भी चीन ख़ार खाए बैठा है। कोरोना वायरस के जनक चीन से कई विदेशी कंपनियां अपना कारोबार समेटने लगी है, इनमें से कई विदेशी कंपनियां भारत का रूख कर सकती है यह बात भी चीन को खटक रही है। सबसे बड़ा बात यह कि भारत पाकिस्तान के कब्जे से पीओके को मुक्त कराने के लिए कटिबद्ध हो गया है। यह स्थिति भी चीन के लिए असुविधाजनक है क्यों कि वह पाकिस्तान का परम हितैषी बना हुआ है। इन सभी कारणों से ही चीन भारत के खिलाफ आक्रामक रूख दिखा रहा है। लद्दाख में गालवन घाटी के पास चीन अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है और भारत के खिलाफसाजिश कर रहा है। इसके पहले भी चीन ने दोकलाम विवाद खड़ा किया था और अब वह लद्दाख में फिर वहीं चाल चल रहा है। पेगांग झील के पास भी चीनी सैनिकों ने भारतीय सेना से उलझने की कोशिश की है। भारतीय और चीनी सेना आमने-सामने आ गई थी और दोनों के बीच झड़प हुई थी। कुल मिलाकर चीन लगातार उकसावे वाली कार्यवाही कर रहा है और सीमा पर तनाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत भी उसे उसकी औकात दिखा रहा है बेहतर होगा कि चीन अपनी इस चालबाजी से बाज आ जाए भारतीय सेना उसकी चाल को नामाम करने में सक्षम है।

विचार-

तालिबान: भारत अपनी खिड़की खोले

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अफ़ग़ानिस्तान के तालिबान संगठन ने भारत के प्रति अपने रवैए में एकदम परिवर्तन कर दिया है। पाकिस्तान के लिए तो यह एक बड़ा धक्का है लेकिन यह रवैया हमारे विदेश मंत्रालय के सामने भी बड़ी दुविधा खड़ी कर देगा। अब से पहले तालिबान जब भी जिहाद का आह्वान करते थे, वे कश्मीर का उल्लेख ऐसे करते थे, जैसे कि वह भारत का अंग ही नहीं है। वे कश्मीर को हिंसा और आतंकवाद के जरिए भारत से अलग करने की भी वकालत किया करते थे। लेकिन अब तालिबान के दोहा में स्थित केंद्रीय कार्यालय के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने बाकायदा एक बयान जारी करके कहा है कि कश्मीर भारत का आतंरिक मामला है और हमारी नीति यह है कि हम अन्य देशों के मामले में कोई दखल नहीं देते हैं। तालिबान के उप-नेता शेर मुहम्मद अब्बास स्थानकजई ने शिकायत की थी कि अफ़ग़ानिस्तान में भारत अब भी निषेधात्मक भूमिका निभा रहा है। वह तालिबान के साथ सहयोग करने की बजाय अशरफगनी और अब्दुल्ला की कठपुतली सरकार के साथ सहयोग कर रहा है। तालिबान नेताओं को आश्चर्य है कि जब अमेरिका उनसे सीधे संपर्क में है तो भारत सरकार ने उनका बहिष्कार क्यों कर रखा है ? यह सवाल अभी से नहीं, जब 20-25 साल पहले तालिबान सक्रिय हुए थे, तभी से उठ रहा था। अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्री काल में जब तालिबान काबुल में सत्तारुढ़ हुए तो उन्होंने मुझसे सीधा संपर्क करके उनकी सरकार को भारत से मान्यता दिलवाने का आग्रह किया था। तालिबान सरकार के प्रतिनिधि मुझसे न्यूयार्क, लंदन, काबुल और पेशावर में गुपचुप मिलते रहते भी थे। लेकिन उन दिनों तालिबान और पाकिस्तान के रिश्ते इतने अधिक घनिष्ट थे कि भारत द्वारा उनको मान्यता देना भारत के हित में नहीं होता। लेकिन इस समय स्थिति बदली हुई है। सबसे पहले मेरी अपनी मान्यता है कि तालिबान संगठन गिलज़ई पठानों का है। ये स्वभाव से स्वतंत्र और सार्वभौम होते हैं। पाकिस्तान तो क्या, अंग्रेज भी इन पर अपना रुतबा कायम नहीं कर सके। अब ये दोहा (कतर) से अपना दफ्तर चला रहे हैं, पेशावर से नहीं। और अमेरिका इनसे काबुल सरकार की बराबरी का व्यवहार कर रहा है। आधे अफ़ग़ानिस्तान पर उनका कब्जा है। यह ठीक है कि अफ़ग़ानिस्तान की वर्तमान सरकार से भारत के संबंध अति उत्तम हैं (राष्ट्रपति अशरफगनी और डॉ. अब्दुल्ला मेरे व्यक्तिगत मित्र भी हैं), इसके बावजूद मेरी राय है कि तालिबान के लिए अपनी खिड़की खुली रखना भारत के लिए जरुरी है। अमेरिकी वापसी के बाद काबुल में जिसकी भी सत्ता कायम होगी, उसके साथ भारत के संबंध अच्छे होने चाहिए। यह कितने दुख और आश्चर्य की बात है कि अफ़ग़ानिस्तान भारत का पड़ौसी है और उसके भविष्य के निर्णय करने का काम अमेरिका कर रहा है ? भारत की कोई राजनीतिक भूमिका ही नहीं है।

जैव विविधता दिवस (22 मई) पर विशेष

जैव विविधता की समृद्धि से ही है धरती की सुंदरता

योगेश कुमार गोयल

> पर्यावरण वैज्ञानिकों का कहना है कि चूंकि पक्षी आसमान में ज्यादा समय तक रहते हैं और ज्यादा तेज सांस लेते हैं, इसलिए इंसानों की अपेक्षा प्रदूषण का दुष्प्रभाव पक्षियों की सेहत पर ज्यादा पड़ता है। आसमान में उड़ान भरते समय वायु में घुले प्रदूषण कणों के उनके शरीर में प्रवेश करने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है। सर्दियों में तो हजारों किलोमीटर दूर से विदेशी परिंदे हर साल दिल्ली सहित भारत के कई हिस्सों का रूख करते हैं किन्तु दिल्ली तथा आसपास के इलाकों में तो सर्दियों के दौरान प्रदूषण अब इस कदर बढ़ जाता है कि परिंदों में अब इस मौसम में दिल्ली से पलायन करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। पर्यावरण वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि हजारों किलोमीटर दूर से दिल्ली के लिए चलने वाले पक्षी अब अपना रास्ता भी भूल रहे हैं, जिसके कारण अब यहां विदेशी पक्षियों की संख्या काफी कम देखने को मिलती है। दरअसल वातावरण में प्रदूषण के चलते विदेशों से आने वाले पक्षी अपने पर्यावास की सही पहचान नहीं कर पाते और इसी कारण गलत जगहों पर उतर जाते हैं। प्रदूषण के कारण अब पक्षियों के पूरे जीवन चक्र पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है।

जैव विविधता पर मंडराता खतरा

जैव विविधता की समृद्धि ही धरती को रहने तथा जीवनयापन के योग्य बनाती है किन्तु विड़म्बना है कि निरन्तर बढ़ता प्रदूषण रूपी राक्षस वातावरण पर इतना खतरनाक प्रभाव डाल रहा है कि जीव-जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियां धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं। अगर भारत में कुछ जीव-जंतुओं की प्रजातियों पर मंडराते खतरों की बात करें तो जैव विविधता पर दिसम्बर 2018 में संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (सीबीडी) में पेश की गई छठी राष्ट्रीय रिपोर्ट से पता चला था कि अंतर्राष्ट्रीय 'रेड लिस्ट' की गंभीर रूप से लुप्तप्राय: और संकटग्रस्त श्रेणियों में भारतीय जीव प्रजातियों की सूची वर्षों से बढ़ रही है। इस सूची में शामिल प्रजातियों की संख्या में वृद्धि जैव विविधता तथा वन्य आवासों पर गंभीर तनाव का संकेत है। 2009 में पेश की गई चतुर्थ राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार उस समय 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (आईयूसीएन) की विभिन्न श्रेणियों में गंभीर रूप से लुप्तप्राय: और संकटग्रस्त श्रेणियों में भारत की 413 जीव प्रजातियों के नाम थे किन्तु 2014 में पेश पांचवीं राष्ट्रीय रिपोर्ट में इन प्रजातियों की संख्या का आंकड़ा बढ़कर 646 और छठी राष्ट्रीय रिपोर्ट में 683 हो गया।

भारत में इस समय नौ सौ से भी अधिक दुर्लभ प्रजातियां खतरे में बताई जा रही हैं। यही नहीं, विश्व धरोहर को गंवाने वाले देशों की सूची में दुनियाभर में भारत का चीन के बाद सातवां स्थान है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाशित इस लेखक की पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार भारत का समुद्री पारिस्थितिकीय तंत्र करीब 20444 जीव प्रजातियों के समुदाय की मेजबानी करता है, जिनमें से 1180 प्रजातियों को संकटग्रस्त तथा तत्काल संरक्षण के लिए सूचीबद्ध किया गया है। अगर देश में प्रमुख रूप से लुप्त होती कुछेक जीव-जंतुओं की प्रजातियों की बात करें तो कश्मीर में पाए जाने वाले हांगलू की संख्या सिर्फ दो सौ के आसपास रह गई है, जिनमें से करीब 110 दाचीगाम नेशनल पार्क में हैं। इसी प्रकार आमतौर पर दलदली क्षेत्रों में पाई जाने वाली बारहसिंगा हिरण की प्रजाति अब मध्य भारत के कुछ वनों तक ही सीमित रह गई है। वर्ष 1987 के बाद से मालाबार गंधबिलाव नहीं देखा गया है। हालांकि माना जाता है कि इनकी संख्या पश्चिमी घाट में फिलहाल दो सौ के करीब बची है। दक्षिण अंडमान के माउंट हैरियट में पाया जाने वाला दुनिया का सबसे छोटा स्तनपायी सफेद दांत वाला छछूंदर लुप्त होने के कगार पर है। एशियाई शेर भी गुजरात के गिर वनों तक ही सीमित हैं।

कुछ माह पहले उत्तराखण्ड से भी चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई, जिसमें बताया गया कि उत्तराखण्ड की नदियों तथा अन्य जलस्रोतों में मिलने वाली महाशीर, रौला, स्नो ट्राउट, रेनबो ट्राउट, पत्थर चट्टा, असेला, गारा, गूंज,

बरेलियस इत्यादि मछलियों की करीब 258 प्रजातियों का अस्तित्व खतरे में हैं और इसका प्रमुख कारण नदियों के आसपास अवैध खनन के चलते पारिस्थितिकीय तंत्र का बिगड़ना है, जिसका यहां मिलने वाली मछलियों की तमाम प्रजातियों पर इस कदर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है कि जिन नदियों में प्राय: 50 से 100 किलो तक वजनी महाशीर जैसी मछलियां बहुतायत में मिलती थी, वहीं अब 5-10 किलो वजनी मछलियां ढूंढ़ना भी मुश्किल होता जा रहा है। दरअसल इन क्षेत्रों में अवैध खनन, लगातार निर्माण कार्यों, भू-स्खलन और गलत तरीकों से शिकार के कारण मछलियों के भोजन के स्रोत और उनके पलने-बढ़ने की परिस्थितियां प्रभावित हुई हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे क्षेत्रों में मछलियों के छिपने और प्रजनन की परिस्थितियां प्रतिकूल होती जा रही हैं, जिसका सीधा असर मछलियों की इन तमाम प्रजातियों के अस्तित्व पर पड़ रहा है। भू-स्खलन के कारण नदियों में गाद की मात्रा बहुत ज्यादा बढ़ गई है, जो मछलियों के छिपने और उनके खाने की जगहों को बर्बाद कर रही है। इसके अलावा नदियों में जमा होते कचरे के कारण भी मछलियों का भोजन खत्म हो रहा है। इन जलस्रोतों में शिकार के लिए करंट, ब्लीचिंग, बम, जहर इत्यादि जो तरीके अवैध रूप से अपनाए जा रहे हैं, वे भी मछलियों की विभिन्न प्रजातियों का अस्तित्व मिटने का बड़ा कारण बन रहे हैं।

देश में हर साल बड़ी संख्या में बाघ मर रहे हैं, हाथी कई बार ट्रेनों से टकराकर मौत के मुंह में समा रहे हैं, इनमें से कईयों को वन्य तस्कर मार डालते हैं। कभी गांवों या शहरों में बाघ घुस आता है तो कभी तेंदुआ और घंटों-घंटों या कई-कई दिनों तक दहशत का माहौल बन जाता है। यह सब वन क्षेत्रों के घटने और विकास परियोजनाओं के चलते वन्य जीवों के आश्रय स्थलों में बढ़ती मानवीय घुसपैठ का ही परिणाम है कि वन्य जीवों तथा मनुष्यों का टकराव लगातार बढ़ रहा है और वन्य प्राणी अभयारण्यों की सीमा पार कर बाघ, तेंदुए इत्यादि वन्य जीव अब अक्सर बेघर होकर भोजन की तलाश में शहरों का रूख करने लगे हैं, जो कभी खेतों में लहलहाती फसलों को तहस-नहस कर देते हैं तो कभी इंसानों पर जानलेवा हमले कर देते हैं। देश के जलक्षेत्र में भी 13 हजार लुप्तप्राय: प्रजातियों की गणना की गई है, जिसका एक बड़ा कारण 8 हजार किलोमीटर तटरेखा के आसपास बंदरगाह तथा बिजलीघरों जैसी विकास परियोजनाएं मानी जा रही हैं। 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (आईयूसीएन) के मुताबिक भारत में पौधों की करीब 45 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं और इनमें से भी 1336 प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। इसी प्रकार फूलों की पाई जाने वाली 15 हजार प्रजातियों में से डेढ़ हजार प्रजातियां लुप्त होने के कगार पर हैं। आजादी के बाद से देश में वन्य जीवों के संरक्षण के लिए कई परियोजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें 'कस्तूरी मृग परियोजना 1970', 'प्रोजेक्ट हुंगल 1970', 'गिर सिंह परियोजना 1972', 'बाघ परियोजना 1973', 'कछुआ संरक्षण परियोजना 1975', 'गैंडा परियोजना 1987', 'हाथी परियोजना 1992', 'गिद्ध संरक्षण परियोजना 2006', 'हिम तेंदुआ परियोजना 2009' इत्यादि शामिल हैं। इस तरह की कई परियोजनाएं शुरू किए जाने के बावजूद शेर, बाघ, हाथी, गैंडे इत्यादि अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। भारत फिलहाल जैव विविधता पर करीब दो अरब डॉलर खर्च कर रहा है और इसे वन्य जीवों के संरक्षण के लिए चलाई जा रही परियोजनाओं की सफलता ही माना जाना चाहिए कि जहां 2006 में देश में व्यस्क बाघों की संख्या 1411 थी, वह 2010 में बढ़कर 1706, 2014 में 2226 और 2018 में 2967 हो गई। हालांकि बाघों की बढ़ी संख्या का यह आंकड़ा अभी संतोषजनक नहीं है क्योंकि इसी देश में कभी बाघों की संख्या करीब 40 हजार हुआ करती थी। सरकारी योजनाओं की सफलता ही असर है कि आईयूसीन द्वारा शेर जैसी पूंछ वाले बंदरों की संख्या बढ़ने के कारण इन्हें 25 लुप्तप्राय: जानवरों की सूची से हटा दिया गया है।

क्यों विफल हो गया लॉकडाउन?

उपेन्द्र प्रसाद

> विदेशों से भारतीय भारत आ रहे हैं। उनमें भी कई कोरोना पोजिटिव पाए जा रहे हैं। इन दोनों कारणों से भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ेगी और लॉकडाउन 25 प्रतिशत टूटने के कारण भी मरीज बढ़ेंगे। यानी आने वाले दिनों में कोरोना संकट के कमजोर पड़ने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। जाहिर है, दुनिया की कोरोना तालिका में भारत अभी और ऊपर आएगा। सवाल उठता है कि आखिर हम पर कोरोना भारी क्यों पड़ा? हमारी इतनी कुर्बानियां बर्बाद क्यों हुई?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित लॉकडाउन विफल हो गया है और पूरा देश कोरोना की आग में जलने लगा है। उम्मीद की जा रही थी कि लॉकडाउन कोरोना के चेन को तोड़ देगा और सिर्फलोगों को घरों में बंद कर देने से ही इस महामारी का संकट टल जाएगा। लोग घरों में बंद भी हुए। देश की आर्थिक गतिविधियों पर लगभग विराम लग गया। करोड़ों लोग बेरोजगार हो गए। लाखों मजदूरों को खून के आंसू पीनी पड़ा। बेघर मजदूर अपने घरों की ओर पैदल जाने के क्रम में ऐसी त्रासदी का शिकार हुए, जो आजाद भारत के इतिहास में पहले बार हो रहा था। आजाद भारत क्या, देश के ज्ञात इतिहास में कभी ऐसी घटना नहीं घटी होगी कि लाखों लोग पैदल चल रहे थे और उनमें से कई अपनी जान गंवा रहे थे, तो कई पुलिस अत्याचार का सामना कर रहे थे। भारत के विभाजन के समय इस तरह की घटना देखने को मिली थी। लेकिन लॉकडाउन के बाद की यह घटना उससे भी ज्यादा त्रासद है। विभाजन के समय तो लोग सीमा पार कर रहे थे और वे कुछ सौ किलोमीटर की यात्रा पर निकले थे, लेकिन इस समय तो लोग हजारों किलोमीटर की यात्रा पर निकले थे और रास्ते में उन्हें पुलिसिया अत्याचार का सामना भी करना पड़ रहा था। अभी भी इस तरह के मामले समाप्त नहीं हुए हैं।

जाहिर है, भारत ने लॉकडाउन की बहुत बड़ी कीमत चुकाई, लेकिन इसके बावजूद भी कोरोना का संकट अनियंत्रित है। 17 मई को लॉकडाउन का तीसरा चरण पूरा हुआ, लेकिन समस्या कनमे की बजाय बढ़ती ही गई और आखिरकार, केन्द्र और राज्य सरकारों को लॉकडाउन में काफी ढील देनी पड़ी। करीब 75 फीसदी लॉकडाउन हटा दिया गया है, लेकिन कोरोना के खतरे बने हुए हैं। ढील देते समय यह भी मान लिया गया है कि इसके कारण कोरोना का संक्रमण और बढ़ सकता है। सच तो यह है कि वह बढ़ भी रहा है। लेकिन ढील देना मजबूरी थी। क्योंकि कोरोना का अंत नजदीकी आता दिख नहीं रहा और अनंतकाल तक किसी भी देश को लॉकडाउन में नहीं रखा जा सकता। लॉकडाउन के द्वारा निरीह मजदूरों के सामने जीवन मरन का सवाल तो खड़ा कर ही दिया गया और यदि उसी तीव्रता के साथ इसे आगे बढ़ाया जाता, तो देश की आबादी के अन्य हिस्से के सामने भी जीवन मरण का सवाल खड़ा हो जाता और लॉकडाउन जिंदगी बचाने के लिए किया जाना चाहिए, न कि जिंदगियां उजाड़ देने के लिए। आज भारत में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1 लाख के पार हो चुकी है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह 1 लाख 12 हजार से भी ज्यादा थी। इसके बढ़ने की रफ्तार भी बढ़ती जा रही है। एक दिन तो 6 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित देखे गए। उसके अगले दिन 56 सौ से ज्यादा लोग संक्रमण के नये शिकार पाए गए। भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया में कुल संक्रमितों की तालिका में 11वें स्थान पर पहुंच चुका है। अभी यह ईरान से पीछे है। लेकिन कुछ दिनों में ही ईरान को पीछे छोड़कर टॉप 10 में शामिल हो जाएगा। कुल एक्टिव मरीजों की संख्या के मामले में तो यह विश्व तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच चुका है। भारत के लिए सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि दुनिया के अधिकांश देशों में नये करोना मरीजों की प्रति दिन होने वाली बढ़त अब घटने लगी है। अमेरिका में भी प्रति दिन की बढ़त में गिरावट आ गई है। लेकिन भारत में बढ़त में लगातार वृद्धि हो रही है। इस मामले में यह ब्राजील और रूस के बाद दुनिया का तीसरा देश है। रूस में भी वृद्धि दर में एक दो दिनों में कमी आई है। यदि वह कमी बरकरार रहती है तो भारत और ब्राजील ही दो ऐसे देश रह जाएंगे, जहां स्थिति लगातार बद से बदतर होती दिखाई देती। हम ज्यादा से ज्यादा कामना ही कर सकते हैं कि भारत में भी वह कमी देखने को मिले। लेकिन जो जमीनी हकीकत है, उसे हम झुठला नहीं सकते। प्रवासी मजदूर अपने गृहराज्यों में पहुंच रहे हैं और उनमें से अच्छी खासी संख्या में लोग कोरोना पोजिटिव पाए जा रहे हैं।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

सारी खुशी रेत...

सारी खुशी रेत का मन्ज़र है, दुख़ की नदी , कश्ती का दिलबर है। मैं ढूंढता क्या हूं आईनों में, बाहर जो है वो कहां अंदर है। गैरों को है जीतना आसां पर, अपनों से ही हर किसी को डर है। क्यूं नींद आती नहीं मुझको जब, हक़ में मेरे बेश सीमो-ज़र है। हर शहर इस मुल्क का सुन्दर है, पर सबसे सुन्दर अपना बस्तर है ।

- डा संजय दानी

आ रहा जलजला है

आ रहा जलजला है चुप रहो, छा रहा कुछ धुँआ है चुप रहो। कुछ नरम कुछ गरम दिमाग है, घाल मेल हो रहा है चुप रहो। चाल किसकी कहाँ समझ नहीं, साथ भी लंगड़ा है चुप रहो। हो न जाना शराबी तुम कहीं, लग रहा कुछ नशा है चुप रहो।

- मधुलिका शुक्ला

ख़ास पाती

जान लगा दी सारी...

जान लगा दी सारी दिल बहलाने में। छुपा रखी है चाहत क्या तहख़ाने में। कितनी सच है बात सुनी थी लोगों से। ग़म की होती यार,, क़ज़ा मैख़ाने में।। ज़ीस्त किसी के नाम नहीं यूँ ही करते। कुछ तो बात रही होगी,,,,, दीवाने में।। वादा करना होता ,,,,,सबसे है आसाँ। मुश्किल तो बस होती उसे निभाने में। दुश्मन ही समझा होता तो क्या गम था। गम ये है के रखते हो बेगाने में।। दिल के ज़ख्मों की गहराई कहती है। पक्का है तू मेरे यार निशाने में।। रोकोगे तो दर्द ,,,बहुत बढ़ जाएगा। अच्छा ही है आँसू अनिल बहाने में। **- अनिल शर्मा**

कमाल की सरकार है

कमाल की सरकार है,फूल बरसा कर जिन्दगी को सड़को पर भगवान भरोसे लावारिस कर दिया। पारदर्शिता लुप्त....पतन निश्चित.÷...कोई शक। दर्द ही दर्द.....हर जगह झूठ परोसा जारहा है7सरकार घुमावदार बातो से नही जमीन से जुड कर काम कब करेगी7 दिखाया कुछ जारहा है,हो कुछ रहा है। जब सरकार शराबखानो के भरोसे है ...तो बहकना निश्चित। जब बाहर के मुल्को मे सरकार जनता की मदद कर रही है,और यहा सरकार जनता की जेब पर टेडी नजर किए है....दुखद है।

- मीनू वौहरा

करते विरोध सोचकर मिलता सत्ता यार

करते विरोध सोचकर ,मिलता सत्ता यार । मिलते कैसे दिल वहां ,पीयम कुर्सी सार ।। पीयम कुर्सी सार, नैन मैं सपने भारी । सबकी चाहत वाह, करें ये चुगली चारी ।। पकड़े किसका हाथ ,बने रिपु देखो लड़ते । टूटे बंधन आज ,अभी तो जुगाड़ करते।

- नवीन कुमार तिवारी

या तो लॉकडाउन खोल दो

या तो लॉकडाउन खोल दो या 15 दिन के लिए 100% कड़ाई के साथ कर्फ्यू लगा दो। यह ढील वाला लोकडाउन केवल मध्यमवर्ग की ही ऐसी की तैसी कर रहा है। अमीर अपनी बचत का खा रहा है। गरीब दान का खा रहा है, और मध्यमवर्गीय सिर्फसाबुन से हाथ धो रहा है! जिस ने भी ये कहा सत्य है। **- रीतु दुबे**

बड़े बे आबरू होकर चले आए

बड़े बे आबरू होकर चले आए हैं तेरे शहर से... सांसे रही मुकम्मल तो लौटेंगे इक जिंदगी के बाद वाकिफ नही शहर, हाल ए बाबस्तां कि जिक्र करे मेरा अंजान हर शख्स फिरता है मौका ए परस्ती के बाद .. ठोकर पे छोड़ आए बंजर सी जमीं ,कंकड़ की सड़क कशमकश में हूं कि ले ले पनाह में... किस जुबां में गुजरिश करूं कि जिसको वारिस से लावारिस बना बैठा था ग्रहस्थी के बाद। **- किरन भण्डारी**

कुछ जवाब सवालों की तासीर लिये

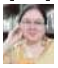

कुछ जवाब सवालों की तासीर लिये होते हैं.... कुछ सवाल जवाबों की गर्मी से पिघल जाते हैं... ग़र सवाल कौन और जवाब कौन खुल जाये.... तो राहों की धुंध भी खुद बखुद छंटती जायेगी।

- आभा चन्द्रा

विवादों से रहकर दूर कब...

विवादो से रहकर दूर कब किसका नाम हुआ है बिना वनवास के कोई कभी क्या राम हुआ है अरे गुस्ताखो गुस्ताखी बरकरार रखो तुम्हारी हरकतों से हासिल हमे यह मुकाम हुआ है।

- नरेन्द्र गुप्ता कवि

QUIZ TIME

1) जी. एम. काउटंर उपकरण का उपयोग निम्नलिखित में से किसको मापने में किया जाता है?
(क) वायु की गति (ख) द्रव्यमान संख्या
(ग) रेडियो सक्रियता (घ) संयोजकता

2) एक ग्राम पंचायत कई छोटे क्षेत्रों में बँटी हुई होती है। यह क्षेत्र क्या कहलाते हैं?
(कस्बा / वार्ड)

3) स्कलेरेंकाइमा ऊतक की कोशिकाओं की भित्तियाँ किस रासायनिक पदार्थ के कारण मोटी हो जाती है?

4) .... वह दस्तावेज है, जो लोगों तथा देश में सरकार के लिए बुनियादी नियमों तथा विनियमों का अनुसरण कराता है।

5) सूटिंग और शर्टिंग का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) रेडियो सक्रियता (2) वार्ड (3) लिग्निन (4) अधिनियमों की पुस्तक (5) फेबिना

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1498 - वास्कोडिमा कालीकट के तट पर वहां के शासक (जमोरिन) से पहली बार मिले। 1545 - पेशावर से कलकत्ता (अब कोलकाता) तक देश की सबसे लंबी सड़क का निर्माण करने वाले सूर वंश के संस्थापक शेरशाह सूरी की मौत। 1761 - अमेरिका के फिलाडेल्फिया में पहली जीवन बीमा पॉलिसी जारी की गई। 1772 - समाज सुधारक राजाराम मोहन राय का जन्म। 1871 - अमेरिकी सेना ने नेब्रास्का में केर्नी के किले का परित्याग करने का आदेश जारी किया। 1906 - राइट बंधुओं ने अपनी फ्लाइंग मशीन के लिए अमेरिका से पेटेंट पाया। 1939 - द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मनी और इटली के बीच स्टील की संधि पर हस्ताक्षर।

न्यूज गैलरी

सोशल डिस्टेंस का उल्लंघन, कार्यवाही

भिलाईनगर। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के तहत बिना मास्क के बाहर निकलने वालों पर तथा सोशल डिस्टेंस का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही की जा रही है। जोन 03 के राजस्व विभाग की टीम ने सोशल डिस्टेंस का उल्लंघन करने वाले 16 फल ठेले वालों से अर्थदंड वसूलने की कार्यवाही की। सभी जोन के राजस्व विभाग की टीम सार्वजनिक स्थान पर मास्क या अन्य कोई उपाय से मुंह को कवर किए बिना निकलने वाले तथा दुपहिया वाहनों में अधिक सवारी लेकर चलने वाले व्यक्तियों पर अर्थदंड की कार्यवाही कर रही है। निगम की टीम बाजार क्षेत्र मे दुकानों व ग्राहकों का निरंतर निरीक्षण कर रहे है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्यवाही कर रहे है।

निगम ने जब्त की प्लास्टिक डिस्पोजल

दुर्ग। प्रतिबंधित प्लास्टिक पर बैन के बाद भी दुकानदार धडल्ले से इसका उपयोग कर रहे हैं। गुरुवार को इसकी खोजबीन में प्रतिबंधित प्लास्टिक पर बैन के बाद भी दुकानदार धडल्ले से इसका उपयोग कर रहे हैं। टीम को छापेमारी के दौरान पोटिया रोड वार्ड 51 एवं 54 के 6 दुकानदार के यहां से डिस्पोजल गिलास मिली। इसे जप्त कर छै दुकानदारो से कुल 13 सौ रुपए जुर्माना वसूल किया गया। निगमायुक्त इंद्रजीत बर्मन को शहर के फुटकर व छोटे दुकानदारों के पास डिस्पोजल व पालिथीन मिलने की सूचना लगातार मिल रही थी।

अतिरिक्त निर्माण पर की कार्रवाई

नवप्रदेश संवाददाता

अनुमति से ज्यादा जगह पर बनाया मकान

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अवैध निर्माण करने वालों के विरुद्ध निगम प्रशासन सख्त कदम उठा रहा है। लॉक डाउन का फायदा उठाकर प्राप्त अनुमति से तीन गुना अधिक जमीन पर अतिक्रमण करने वाले के खिलाफ आज अतिरिक्त निर्माण को हटाने की कार्यवाही की गई। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी ने अतिक्रमण करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए है जिस पर जोन आयुक्त सुनील अग्रहरि ने कार्यवाही की है। जोन क्रमांक 02 वैशालीनगर क्षेत्र अंतर्गत घासीदास नगर में रविन्द्र वर्मा नामक व्यक्ति द्वारा अनुमति से अधिक जगह पर अतिक्रमण करते हुए निर्माण करते पाए जाने पर अतिरिक्त निर्माण के दीवार को ढहाने की कार्यवाही की गई। जोन 02 के एआरओ संजय वर्मा ने बताया कि अतिक्रमण कर्ता व्यक्ति को उसके भूखंड पर 164 स्क्वेयर फीट पर मकान बनाने अनुमति दी गई थी, लेकिन उसने तीन गुना अधिक करीब 600 स्क्वेयर फीट जमीन पर मकान बनाते हुए अतिक्रमण करना प्रारंभ कर दिया, जिसकी सूचना मिलते ही जोन 02 के उप अभियंता निकहत सबरीन, अनिल शुक्ला सहित राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और दस्तावेजों का निरीक्षण करते हुए चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल बंद कराया तथा अधिक भूखंड का निर्माण करते हुए पाए जाने पर अतिरिक्त निर्माण को हटाने की कार्यवाही की।

समिति प्रबंधक पर दर्ज एफआईआर को नस्तीबद्ध कराने सौंपा ज्ञापन

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक कर्मचारी संघ के अध्यक्ष धीरेन्द्र देवांगन अपने पदाधिकारियों के साथ समिति प्रबंधक गुरुर के विरुद्ध धान शार्टेज के लिए गलत ढंग से दर्ज कराए गए एफआईआर नस्तीबद्ध किए जाने के संबंध में कलेक्टर बालोद को ज्ञापन दिया। विकासखंड गुरुर में कार्यरत प्रभारी सहकारिता विस्तार अधिकारी भूपेन्द्र कुमार मण्डावी द्वारा जिला खाद्य अधिकारी के निर्देष पर पुलिस थाना गुरुर में 643.10 क्विंटल धान मूल्य 16.07 लाख रुपये का धान शार्टेज एवं अन्य अनावश्यक आरोप के लिए हेमन्त गुरु पर्यवेक्षक समिति प्रभारी गुरुर के विरुद्ध दर्ज कराया गया है। जबकि वास्तविक में यह होना चाहिए कि मार्कफेड द्वारा खाता मिलान के बाद समिति स्तर पर हुयी धान शार्टेज राशि की बैंक अपने स्तर जांच पष्चात कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्यवाही संस्थित की जाकर, दोषी पाए जाने पर संबंधितों से राशि वसूली जैसे कार्यवाही की जाती है। इस प्रकार बिना विभागीय जांच एवं अंतिम मिलान किये बैंक कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही अवैधानिक है। दबावपूर्वक बैंक कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही का कर्मचारी संघ पूरजोर विरोध करती है। कर्मचारी संघ द्वारा अपने ज्ञापन में मांग किया गया है कि प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए 07 दिवस के अन्दर उचित निर्णय लेकर प्रकरण नस्तीबद्ध करने हेतु सम्बन्धितों को निर्देष देवे। समयावधि में प्रकरण नस्तीबद्ध नहीं होने पर बैंक कर्मचारी संघ अपने कर्मचारियों के हितों की रक्षा हेतु अनिश्चितकालीन आन्दोलन के लिए बाध्य होगा।

लॉकडाउन में 2.5 करोड़ के कार्यो का किया भूमिपूजन

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। लॉक डाउन के बाद कोरोना संक्रमण की रोकथाम के अलावा शहर के विकास को पटरी में लाने के लिए विधायक अरुण वोरा ने मीनाक्षी नगर से पोटिया पहुंच मार्ग में 2०5 करोड़ की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन कर कार्य प्रारंभ कराया। साथ ही वार्ड 53 स्थित माता तालाब में बरसात आने के पूर्व अतिशीघ्र रिटर्निंग वॉल निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए। श्री वोरा ने बताया कि नेहरू नगर चौक से मिनीमाता चौक तक 68 करोड़ की लागत से मार्ग चौड़ीकरण व सौंदर्यीकरण के बहुप्रतीक्षित कार्य के साथ ही मिनीमाता चौक से अंजोरा तक 58 करोड़ की सिक्स लेन सड़क निर्माण की निविदा जारी की जा चुकी है व बोरसी से रूवाबंधा तक 6 करोड़ की सड़क प्रशासकीय स्वीकृति में प्रक्रियाधीन है।

अतिशीघ्र सभी कार्य प्रारंभ होंगे जिससे शहर को संभागीय मुख्यालय के रूप में एक अलग पहचान मिलेगी जो शहर के सौंदर्यीकरण में मील का पत्थर साबित होगा। हमर दुर्ग. स्मार्ट दुर्ग की दिशा में आगे बढ़ते हुए विगत कई वर्षों से इन सड़कों के निर्माण के लिए प्रयास जारी था कांग्रेस की सरकार बनने के बाद अब शहर के विकास का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

सोशल डिस्टेंसिंग के उल्लंघन पर लगाया जुर्माना

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई नगर। आकाशगंगा थोक सब्जी मार्केट मे आज प्रातः सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करने वाले तथा अधिक देर तक वाहन खड़ा कर सड़क बाधा करने वाले मोबाइल एवं सब्जी व्यवसायी से जुर्माना वसूला गया। रोजाना प्रातः कॉल से निगम के अधिकारी एवं सुरक्षा कर्मी आकाशगंगा सब्जी मार्केट में व्यवस्था बनाने के तहत उपस्थित होते है। थोक सब्जी बाजार पर निगम सतत निगरानी रख रही है। सोशल डिस्टेंस मेंटेन कराने पूरी तरह से अधिकारी, कर्मचारी मुस्तैद है आने जाने वाले क्रेता एवं विक्रेताओं पर नजर है, उपायुक्त अशोक द्विवेदी एवं जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा सहित राजस्व विभाग की टीम यहां पर सुबह से निगरानी रखने मौजूद रहते है। निरीक्षण के दौरान ऐसे व्यवसायी जो बड़े वाहनों को अधिक समय तक खड़ा कर सड़क बाधा कर रहे थे उनसे 2 हजार जुर्माना वसूला गया। टीम के निरीक्षण के दौरान रोहित मोबाइल दुकान के संचालक द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा था जिस पर 2 हजार जुर्माना वसूल किया। इसके अतिरिक्त टीम द्वारा संजय नगर, सर्कस मैदान, स्मृति नगर, राधिका नगर, नेहरु नगर सहित लक्ष्मी मार्केट सुपेला का निरीक्षण किया गया। आकाश गंगा सब्जी मंडी में खरीदारी करने आने वाले क्रेताओ के मास्क को भी देखा जा रहा है जो क्रेता मास्क नहीं पहन कर आ रहे हैं उन्हें हिदायत देकर मास्क पहनने कहा जा रहा है। निगम के अधिकारी, कर्मचारी सब्जी मंडी में आने वाले लोगों को मास्क लगाकर प्रवेश की जांच करते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करा रही है। नियम विरुद्ध कार्य कर रहे व्यापारियों से जुर्माना वसूल किया गया।

जिला न्यायालय में हुआ रैपिड टेस्ट

दुर्ग। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से जिला न्यायालय परिसर के सभागार में न्यायाधीशगणों, बार संघ के पदाधिकारियों, न्यायालीन कर्मचारियों, विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों का कोरोना वायरस संक्रमण के सम्बद्ध में रैपिड टेस्ट कराया गया। आज 20 लोगो का रैपिड टेस्ट स्वास्थ्य विभाग द्वारा किया गया। जिनकी रिपोर्ट एक सप्ताह पश्चात प्राप्त होगी। जिला न्यायालय परिसर में रैपिड टेस्ट कराने गोविन्द कुमार मिश्रा अध्यक्ष जिला न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा विशेष रूचि लिया गया।

तृतीय लिंग समुदाय ने मांगी आर्थिक मदद

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। राज्य शासन की तृतीय लिंग कल्याण बोर्ड की सदस्य कंचन सेंदरे ने जिलाधीश को ज्ञापन देकर तृतीय लिंग समुदाय के लिए सामाजिक एवं न्याय अधिकारिता मंत्रालय नई दिल्ली के द्वारा कोविड-19 संक्रमण के कारण प्रत्येक के लिए घोषित 15 सौ के आर्थिक पैकेज देने की मांग की है। बोर्ड की सदस्य का कहना है कि रायपुर, बिलासपुर, महासमुंद, धमतरी व रायगढ़ में यह राशि दी जा रही है लेकिन दुर्ग जिले के किन्नर इस आर्थिक सहायता से वंचित है।

बोर्ड की सदस्य कंचन सेंदरे ने कहा है कि कोविड 19 संक्रमण के कारण लाकडाउन की वजह से लोगों का घरों से निकलना बंद हो गया है। चूंकि किन्नर समुदाय लोगों से मांग कर ही जीवन यापन चलाता है। लाकडाउन के कारण रोजी-रोटी पर गंभीर संकट पैदा हो गया है। समाज के कुछ लोग ब्याज पर पैसा लेकर जीवन यापन कर रहे हैं लेकिन आर्थिक मदद के बिना भविष्य को लेकर एक गंभीर संकट पैदा हो गया है। जिलाधीश से इस मामले में मदद की गुहार लगाई गई है। ज्ञापन की प्रति मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री व समाज कल्याण मंत्री को भी प्रेषित की गई है।

चौक-चौराहों एवं बाजारों का सघन निरीक्षण

बगैर मास्क के शराब क्रय कर रहे लोगों से वसूला दाण्डिक शुल्क

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। वैश्विक महामारी कोविड.19 कोराना वायरस के रोकथाम के लिए प्रधानमंत्री मोदी द्वारा घोषित देशव्यापी लॉकडाउन.4 के बीच तथा देश के अन्य राज्यों से प्रवासी श्रमिकों के आवाजाही से प्रदेश में बढ़ते कोरोना पाजिटिव मरीजो की संख्या के मद्देनजर निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश एवं जोन आयुक्त रमाकांत साहू के मार्ग दर्शन में निगम की उड़न दस्ता टीम द्वारा निगम के विभिन्न वार्डो के व्यवसायिक, चौक-चौराहों एवं बाजारों का सघन निरीक्षण किया। टीम द्वारा क्षेत्र के विभिन्न वार्डो में खुली देशी एवं विदेशी शराब दुकान में उमड़ी भीड़ को नियंत्रित कर मदिरा प्रेमियों को कतारबद्ध कर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराया व बगैर मास्क के शराब क्रय कर रहें लोगों से दाण्डिक शुल्क वसूल किया। इस हेतु उड़नदस्ता टीम द्वारा शराब विक्रेता दुकानदार को शासन के गाईड लाइन का स्वयं पालन करते हुए लोगो से भी पालन कराने की चेतावनी दी गई। चौक.चौराहों में बैठे अधिकांश फुटकर सब्जी विक्रेताओं द्वारा शासन के गाईडलाईन का पालन करते नजर ओ। क्षेत्र के अनाधिकृत दुकानों को बंद कराया गया। उड़नदस्ता टीम द्वारा बगैर मास्क के घूम रहें हठधर्मी नागरिकों एवं दुकानदारो से 1400 की अर्थदण्ड वसूल किया गया। निरीक्षण के दौरान राजस्व निरीक्षक अनिल मेश्राम, विनोद शुक्ला, रामेश्वर निषाद पुनीत बंजारे, आत्मा प्रसाद भगत, मेघनाथ कुर्रे एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400089

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री शशिकांत देवांगन आ. श्री सुशील कुमार देवांगन निवासी चंडी मंदिर रोड कोष्टापारा दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 246/45 रकबा 0.021 हें/ अर्थात 2250 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 19.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400108

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती कालिन्द्री साहू पति स्व. श्री पुनाराम साहू निवासी मरोदा सेक्टर भिलाई द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 246/50 रकबा 0.028 हें/ अर्थात 3000 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400032

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती सिमरन बग्गा पति श्री देवेन्द्र सिंह धुन्ना निवासी कादम्बरी नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 290/131 रकबा 0.014 हें/ अर्थात 1550 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 18.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400039

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री आशीष सिंग आ. श्री विनोद कुमार अरोरा निवासी गुरुनानक नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 23 अ तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 192/1 रकबा 0.117 हें/ अर्थात 12590 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 18.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400099

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री राधाकिशन चाण्डक आ. श्री सत्यनारायण चाण्डक निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.न. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 29/124 रकबा 0.014 हें/ अर्थात 1500 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400091

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री एन.एस.एस शर्मा आ. स्व. श्री एन वेंकटेश्वरलू निवासी हुडको भिलाई आम नगर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 271/26 रकबा 0.022 हें/ अर्थात 2400 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 19.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400091

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री एन.एस.एस शर्मा आ. स्व. श्री एन वेंकटेश्वरलू निवासी हुडको भिलाई आम नगर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 271/26 रकबा 0.022 हें/ अर्थात 2400 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 19.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400092

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री एन.एस.एस शर्मा आ. स्व. श्री एन वेंकटेश्वरलू निवासी हुडको भिलाई आम नगर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 290/14 रकबा 0.018 हें/ अर्थात 2002.50 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 19.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग

//आम सूचना//

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री इटी वेंकट राव आ. स्व. ई.पी. नायडू एवं श्रीमती इटी सत्यवती पति स्व. इटी वेंकट राव निवासी मकान नं. 44-4-36/1 ए नरेन्द्र नगर आक्कईयापालेम विशाखापट्नम तह. व जिला विशाखापट्नम (आंध्रप्रदेश) को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, प्रक्षेत्र-दुर्ग द्वारा ट्विनसिटी तालपुरी रुआबांधा दुर्ग-भिलाई में स्थित लोट्स भवन क्रं. 67 तालपुरी रुआबांधा जिला दुर्ग में संयुक्त नाम पर आंबटित है। सह आबंटी श्री इटी वेंकट राव की मृत्यु दिनांक 21.08.2017 को हो चुकी है। मृत्यु उपरांत उनके वारिस/ वारिसानों सह आबंटी श्रीमती इटी सत्यवती पति स्व. इटी वेंकट राव ने आबंटित भवन को अपने नाम पर नामांतरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है। उक्त लोट्स भवन क्रमांक 67 तालपुरी रुआबांधा जिला दुर्ग को श्रीमती इटी सत्यवती के नाम इस शर्त पर नामांतरण करना न्याय संगत होगा यदि भविष्य में स्व. इटी वेंकट राव के वारिसानों द्वारा किसी प्रकार का कोई दावा किया जाता है तो उसके लिए मंडल कोई जवाबदार नहीं होगा।

अतः श्रीमटी इटी सत्यवती के नाम हस्तान्तरण पर यदि किसी व्यक्ति, वारिसानों, शासकीय, अर्द्धशासकीय बैंक, वृत्तिय निकायों आदि को कोई आपत्ति उजर हो तो ,इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति/दावा इस कार्यालय में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर मूल दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकते है। म्याद/ अवधि समाप्त हो जाने के बाद प्राप्त आपत्ति/ दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एंव नामान्तरण की कार्यवाही करने में मण्डल स्वतंत्र रहेगा।

मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय के मोहर के साथ आज दिनांक 19.05.2020 को जारी किया गया हैं।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र- दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर जिला दुर्ग (छ.ग.)

मामले की श्रेणी- राजस्व

मा. क्रं. 202005101000004/462

विषयः-अ-6 सन् 2019-20

कुरुद प.ह.न. 00050(1400/29(0.0100हें.)

पक्षकारों का वितरण -आवेदक पक्षकार

अनावेदक पक्षकार-

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री इन्द्रजीत तिवारी पिता कालीप्रसाद तिवारी निवासी सेक्टर-2 वार्ड 40 भिलाई द्वारा ग्राम कुरुद प.ह.नं. 19 अ रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 1438/38 रकबा 0.01 हे. अर्थात 1500 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के माध्यम से विक्रेता जगदीश सोनी पिता निरंजन सोनी निवासी सनातन नगर कोहका से क्रय किए जाने के आधार पर अपने नाम नामांतरण किए जाने बाबत् आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया।

उपरोक्त भूमि का पंजीयन के आधार पर नामांतरण किए जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को उजर या दावा हो तो वह सुनवाई तिथि दिनांक 09.06.2020 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13.05.2020 को जारी किया जाता है।

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400129

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री प्रहलाद जोशी आ. पेनदास जोशी निवासी जामुल द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम जामुल प.ह.न. 18 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1023/3 रकबा 0.007 हें/ अर्थात 689 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400152

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री भूपेन्द्र वर्मा आ. श्री माधव प्रसाद वर्मा निवासी न्यू आदर्श नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम पोटियाकला प.ह.न. 55 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 189/4 रकबा 0.014 हें/ अर्थात 1575 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400128

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती कुसुम देवी पति रामदिल महाराज निवासी जामुल द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम जामुल प.ह.न. 18 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 968/20 रकबा 0.035 हें. अर्थात 3800 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400127

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती कुसुम देवी पति रामदिल महाराज निवासी जामुल द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम जामुल प.ह.न. 18 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 966/20 रकबा 0.017 हें. अर्थात 1840.84 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 21.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./849/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनमोहन बंजारे अन्य 1 पिता स्व. बृजलाल बंजारे निवासी ग्राम नयापारा तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम तितुरडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 54/24 रकबा 0.016 हे. भूमि जो कि आवेदक/ शामिलात सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार/ वसीयतकर्ता बृजलाल बंजारे आ. पुनउराम बंजारे के द्वारा आवेदक के पक्ष में दिनांक 16.07.2014 को पंजीकृत/अपंजीकृत वसीयतनामा निष्पादित किया गया है। वसीयतकर्ता की मृत्यु हो जाने पर पंजीकृत/ अपंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदक का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29.05.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 18.03.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400104

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री अनिल गुप्ता आ. श्री बृजमोहन गुप्ता निवासी मालवीय नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम अंजोरा प.ह.न. 5/28 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 633/38 रकबा 0.01 हें/ अर्थात 1500 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

गरियाबंद के 66 हजार 710 किसानों को मिलेगी 204 करोड़ की बोनस राशि मलेगी

- प्रथम किश्त में 51 करोड़ रूपए किसानों के खाते में
- राजीव गांधी किसान न्याय योजना का मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किया शुभारंभ

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। प्रदेश के किसान हितैषी मुखिया मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वैश्विक महामारी कोरोना के संकटकालिन स्थिति में भी किसानों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर दी है। वादे के मुताबिक 2500 रूपये प्रति क्विंटल धान खरीदी के निर्णय के आधार पर शेष बोनस की राशि की आज पहली किस्त किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से डाल दी गई है। इससे गरियाबंद जिले के 66 हजार 710 किसानों को 204 करोड़ एक लाख 34 हजार 747 रूपए बोनस की कुल राशि मिलेगी। प्रथम किस्त के रूप में 51 करोड़ रूपए किसानों के खाते में जमा होगी। जिले में बीते खरीफ सीजन में 30 लाख 6 हजार 93 क्विंटल धान की खरीदी की गई थी, जिसका 2500 रूपये प्रति क्विंटल के मान से 751 करोड़ 52 लाख 33 हजार 500 रूपये में से 547 करोड़ 50 लाख 98 हजार 753 रूपये पहले ही प्राप्त हो चुका है। छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश में फसल उत्पादन को प्रोत्साहित करने और किसानों को उनकी उपज का सही

दाम दिलाने के लिए दूरगामी निर्णय लेते हुए राजीव गांधी किसान न्याय योजना की शुरूआत की है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई को वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए प्रदेश में इस योजना का विधिवत् शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्रीमती सोनिया गांधी एवं सांसद राहुल गांधी ने राज्य के किसानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना किसानों को खेती-किसानी के लिए प्रोत्साहित करने की देश में अपने तरह की एक बड़ी योजना है। योजना के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सहित प्रदेश के मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि और किसान वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए शामिल हुए। वहीं गरियाबंद जिले से राजिम विधायक श्री अमितेष शुक्ल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्मृति नीरज ठाकुर, नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फार मेमन, कलेक्टर श्याम धावड़े, पुलिस अधीक्षक बी.आर. पटेल, सीईओ श्री विनय कुमार लंगेह, एडीएम जे.आर. चौरसिया स्वॉन के वीडियों कान्फ्रेसिंग हॉल में मौजूद थे।

कलेक्टर श्याम धावड़े ने बताया कि जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के 38 सहकारी समितियों के माध्यम से कुल अंतर की राशि का प्रथम किस्त जारी की जायेगी। इसमें गरियाबंद समिति के 2897 किसानों को कुल 91988776 रूपये चार किस्तों में प्राप्त होगा। इसी तरह धवलपुर के 1286 किसानों को कुल 34324644 रूपये, परसुली के 2509 किसानों को 80903338 रूपये चार किस्तों में प्राप्त होगा।

न्यूज गैलरी

मेड़ उखाड़ने को लेकर कुल्हाड़ी से हमला

महासमुंद। ग्राम बरबसपुर में मेड़ उखाडऩे की बात को लेकर कुल्हाड़ी से वार कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 307, 323, 147, 148, 149 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार ग्राम बरबसपुर निवासी डेहरीन ढीढी की मां ने गांव के ही इंदरमन एवं उर्मिला को बिना पूछे हमारे खेत में जेसीबी क्यों चलवा दिये हो कहा। इतने में इंदरमन ने गुस्से में आकर प्रार्थी के भाई अमरदास पर टंगिया से वार कर दिया। इससे अमरदास के सिर में चोट आई है। बीच-बचाव करने गए राजेश व संतोष पर भी इंदरमन ने टंगिया वार कर दिया। इससे तीनों खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गए। वहां पर शिवकुमार राजेन्द्र सोनवानी, बसंत सोनवानी, हिरामन सोनवानी, शंकर सोनवानी ने भी डंडे व रॉड से वार कर दिया।

23 हजार पंजीकृत मजदूर सहित छात्र कर रहे वापसी का इंतजार

महासमुंद। जिलेभर में अब तक 7247 मजदूरों की वापसी अन्य राज्यों से हुई है। इसमें से 6494 मजदूर क्वारेंटाइन पर हैं। वहीं शेष ने क्वारेंटाइन अवधि पूरी कर ली है। जिला श्रम अधिकारी डीके राजपूत ने बताया कि अब भी जिले में वापस लौटने के लिए 23 हजार लोग इंतजार कर रहे हैं। ये ऐसे लोग हैं, जिनका पंजीयन हो चुका है। इसमें कुछ स्टूडेंट्स भी हैं, जो अन्य राज्यों में पढ़ाई के लिए गए हुए हैं।

फसलों को नुकसान पहुंचा रहा हाथियों का दल

महासमुंद। हाथियों का दल फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है। जिले में दो जगह हाथियों का दल घूम रहा है। एक बागबाहरा क्षेत्र में तो दूसरा सिरपुर में। बुधवार सुबह बागबाहरा क्षेत्र में हाथियों का दल ग्राम रैताल के अंतिम छोर चरौदा बांध में नहा रहा था। वहीं सिरपुर क्षेत्र में घूम रहा हाथियों का दल बिरबिरा जंगल के पास बताया जा रहा है। एसडीओ शिवशंकर नाविक ने बताया कि दोनों ही क्षेत्र में वन विभाग की टीम मुस्तैद है। लोकेशन के आधार पर ग्रामीणों को अलर्ट कर रही है। बागबाहरा के ग्राम रैताल में सुबह हाथियों का दल फसल को नुकसान पहुंचाते हुए बांध में नहाने गया था। वहां से वापस वन क्षेत्र में चला गया। ग्राम बिरबिरा मार्ग में सिरपुर क्षेत्र में हाथी घूम रहे हैं। ग्राम बांसकुड़ा, पिरदा, मालीडीह एवं गुडरुडीह के ग्रामीणों को अलर्ट कर दिया गया है। ज्ञात हो कि वन सिरपुर क्षेत्र के 23 हाथी बागबाहरा क्षेत्र में घूम रहे हैं। ये हाथी अब इस क्षेत्र को छोड़कर वापस सिरपुर नहीं जा रहे हैं। वहीं बलौदाबाजार क्षेत्र के हाथी सिरपुर में आ धमके हैं। इससे ग्रामीणों में दहशत है।

छेड़छाड़ के फरार दो आरोपी गिरफ्तार

महासमुंद। तेंदूकोना पुलिस ने आठ माह से फरार चल रहे छेड़छाड़ के दो आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के अनुसार टीम लॉकडाउन का पालन कराने के लिए क्षेत्र में घूम रही थी, तभी सूचना मिली कि आठ माह से फरार आरोपी सुईनाला तेंदूकोना निवासी अजय दुबे व माखन गोड़ (23) घूम रहे हैं। सूचना पर टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके खिलाफ थाने में धारा 454, 354, 294, 505, 323 एवं 08 लैंगिक अपराध से बालकों के संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा के तहत अपराध दर्ज था।

आंगन से बाइक चोरी

महासमुंद। घर के आंगन से अज्ञात ने बाइक पार कर दी। सरायपाली निवासी भोला मिरी ने पुलिस को बताया कि उन्होने घर के आंगन में बाइक क्रमांक सीजी 06 जीजी 964 खड़ी की थी। जिसे अज्ञात ने पार कर दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफधारा 379 के तहत अपराध दर्ज किया है।

दो युवकों से शराब बरामद

महासमुंद। पुलिस ने पुलिस को तुमगांव बंगलापारा में अवैध रूप से शराब रखने की सूचना पर तलाशी के दौरान संजू पिता रामजी टोंडरे (20) के कब्जे से 3.600 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की। इसी तरह खट्टीडीह मे निवासी अजय पिता काशीराम दीवान के कब्जे से 3.600 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

70 पौवा गोवा शराब बरामद

महासमुंद। शहर के देवार मोहल्ला में शराब बेच रहे एक युवक को पुलिस ने मंगलवार देर शाम पकड़ा। पुलिस ने बताया कि सूचना पर ईदगाह भाठा निवासी रमेश्वर पिता सुखराम देवार (42) के कब्जे से 80 पौवा गोवा शराब जब्त की गई। जिस पर आबकारी एक्ट 34(2) के तहत कार्रवाई की गई।

5 किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

महासमुंद। पतेरापाली रेलवे बांधा के पास ओड़िशा के एक युवक से पुलिस ने पांच किलो गांजा बरामद की। पुलिस ने बताया कि युवक गांजा लेकर महासमुंद की ओर आ रहा था। आरोपी युवक ने अपना नाम खरियार रोड ओड़िशा निवासी विष्णु कुमार पिता तुलाराम दीप (26) बताया।

महासमुंद में अब तक लौटे सात हजार मजदूर

महासमुंद। रोजगार की तलाश में जिले से पलायन कर गए मजदूर कोरोना की वजह से हुए लॉकडाउन के बाद अब वापस अपने घरों की ओर लौट रहे हैं। मजदूरों के लिए शासन-प्रशासन की ओर से रायपुर जिले की सीमा घोड़ारी और ओड़िशा राज्य की सीमा सरायपाली में परिवहन के लिए बसों की व्यवस्था की गई है। अब तक करीब 7 हजार मजदूर जिले में वापस लौट चुके हैं। इन मजदूरों को स्कूल, छात्रावासों में क्वारंटाइन कर रखा जा रहा है। जिले से पलायन करने वाले मजदूरों की सही जानकारी श्रम विभाग के पास भी नहीं है। इस संबंध में जिला श्रम अधिकारी श्री राजपूत ने बताया कि अब तक कुल 6839 मजदूर जिले में वापस लौटे चुके हैं। ज्ञात हो कि लॉकडाउन के तीसरा चरण समाप्त होने के करीब तीन दिन पूर्व ही देश के विभिन्न प्रदेशों में पलायन करने वाले मजदूर वापस लौट रहे हैं।

मजदूरों के लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था

महासमुंद। शहर की समाजसेवी संस्था मुक्तिधाम सेवा समिति के सदस्यों ने नदी चौक घोड़ारी में प्रवासी श्रमिकों के लिए बिस्किट पैकेट और पेयजल की व्यवस्था की। कोरोना वायरस कोविड 19 संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन के समय में प्रदेश से बाहर गए श्रमिकों का वापस अपने गृह जिले में लौटना जारी है, जिनके लिए सूखा नाश्ता, बिस्किट पैकेट और पेयजल की व्यवस्था की गई। इस दौरान समिति के सदस्य अशोक साहू, डॉ एनज नकवी, डॉ जे शुक्ला, गोपाल वर्मा, राजू चंद्राकर, ओमप्रकाश औसर, अशोक सोनी, फगवा पटेल, मोहन बावनकर, मनोज पटेल, विजय ठाकुर, गुमांनचन्द जैन आदि मौजूद थे।

प्रवासी मजदूरों को कराया जा रहा नि:शुल्क भोजन

नेशनल हाईवे में तुमगांव के ज्ञानी ढाबा के पास प्रवासी मजदूरों को नि:शुल्क भोजन कराया जा रहा है। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर की पहल पर युवाओं की टीम व्यवस्था में जुटी है। पिछले दिनों विधायक ने युवाओं को सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए प्रवासी मजदूरों के लिए व्यवस्था करने की बात कही थी। सोमवार से यहां प्रवासी मजदूरों को भोजन कराया जा रहा है। प्रतिदिन एक हजार पैकेट के साथ पानी पाउच वितरित की जा रही है। व्यवस्था में राजेश चंद्राकर, विधायक प्रतिनिधि मानिक साहू, जनपद सदस्य कुणाल चंद्राकर, नवदीप चंद्राकर, मुकेश रात्रे, देवेंद्र चंद्राकर उपसरपंच, विक्की पटेल, लक्की चंद्राकर, कमल नारायण, राजा सेन, विक्की चंद्राकर आदि जुटे हुए हैं।

गौठान में पशु चारा की कमी जनपद अध्यक्ष ने किया पैरादान

महासमुंद। रबी मौसम की धान कटाई व मिंजाई इस समय पूरे महासमुंद में चल रहा है, लेकिन किसानों की बड़ी समस्या पैरा एकत्र करने की होती है। परन्तु बेलर मशीन ने पैरा एकत्र करने के कार्य को आसान बना दिया है। इस सुविधा को प्रदान करने का श्रेय कृषि एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग को जाता है। हार्वेस्टर से फसल कटाई के बाद पैरा एकत्रित करने में अधिक मजदूरी लगने के कारण खेतों में ही किसान पैरा जला देते हैं, जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है। पैरा जलाने पर सरकार ने पूरी तरह प्रतिबंध लगाई है। इसके विकल्प के रूप में बेलर मशीन से पैरा एकत्रित करने का दोहरा लाभ है एक तो प्रदूषण से मुक्ति और सरकार की महत्वपूर्ण योजना नरवा, गरूआ, घुरूवा एवं बाड़ी के तहत गौठान ग्राम के लिए आसानी से पैरा भी उपलब्ध हो जा रहा है।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बेलर मशीन पैरा को इकट्ठा कर बंडल बना देता है। पहले मजदूरों से पैरा उठवाने की स्थिति में समय एवं पैसा दोनों की खपत होती थी। परन्तु आज कृषि यांत्रिकीकरण से राउंड बेलर मशीन द्वारा पैरा इकट्ठा करना आसान हो गया है। महासमुंद जनपद पंचायत के अध्यक्ष भागीरथी चन्द्राकर जो कि ग्राम मुड़मार के कृषक भी हैं। उनके द्वारा राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना एनजीजीबी के प्रचार-प्रसार के लिए कृषि विभाग की प्रेरणा से पशुचारा के लिए 10 एकड़ के रबी फसल का पैरा दान किया जा रहा है। जिसमें उनके खेतों में बेलर मशीन द्वारा पैरा एकत्रित कर स्वयं के ट्रैक्टर ट्राली से पतेरापाली गौठान में इकट्ठा किया जा रहा है। इससे अन्य कृषकों को भी प्रेरणा मिले ऐसा प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसी तरह अन्य किसान भी पैरादान कर रहे हैं।

कलेक्टर, एसपी और सीईओ ने क्वारेंटाइन सेंटरों का लिया जायजा

गरियाबंद। कलेक्टर श्याम धावड़े, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल और जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार लंगेह ने संयुक्त रूप से जिले के देवभोग विकासखण्ड के ग्राम सुपेबेड़ा और खोकसरा तथा मैनपुर विकासखण्ड के ग्राम अमलीपदर और इंदागांव के क्वारेंटाइन सेंटरों का जायजा लिया। कलेक्टर ने क्वारेंटाइन सेंटरों में ड्यूटी कर रहे कर्मचारियों को अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिये। उन्होंने क्वारेंटाइन सेंटर में तैनात कर्मचारियों से कहा कि फिजीकल डिस्टेंस और कोविड-19 की सुरक्षा के संबंध में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से पालन करे। सेंटर में ठहरे श्रमिकों को भोजन एवं

अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करायें। कलेक्टर ने मौके पर पंचायत प्रतिनिधियों को भी सेंटर में आवश्यक सुविधाओं हेतु व्यवस्था करने और ठहरे हुए व्यक्तियों पर विशेष निगरानी रखने कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को सेंटर से बाहर जाने नहीं दिया जाए और किसी बाहरी व्यक्ति को सेंटर में प्रवेश करने भी न दिया जाये। कलेक्टर ने पंचायत प्रतिनिधियों को सेंटर में सभी सुरक्षात्मक उपाय और स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने ग्राम सुपेबेड़ा में महेन्द्र कुमार और त्रिलोचन सोनवानी से विशेष रूप से किडनी रोग से प्रभावितों के संबंध में जानकारी ली।

अस्थायी स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्र का निरीक्षण

क्वारेंटाइन सेंटर निरीक्षण के पूर्व कलेक्टर श्याम धावड़े, पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल और जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार लंगेह ने देवभोग में शासकीय महाविद्यालय परिसर में अस्थायी स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्र का भी जायजा लिया। कलेक्टर श्री धावड़े ने बीएमओ डॉ. सुनील भारती को अस्थायी स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्र में कोविड-19 की सुरक्षा के संबंध में जारी दिशा निर्देशों और प्रोटोकाल का अक्षरशः पालन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि मुम्बई, पुणे और तेलंगाना से पहुंचे श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण अलग-अलग किया जाए।

अधिकारी-कर्मचारियों ने आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ ली

गरियाबंद। कलेक्टर श्याम धावड़े ने आज आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर सुबह 11 बजे जिला कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों को आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ दिलाई गई। अधिकारी-कर्मचारियों ने अपने देश की अंहिसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखने तथा सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने, मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ ली। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ विनय लंगेह, एडीएम जे.आर. चौरसिया, डिप्टी कलेक्टर ऋृषा ठाकुर व अनुपम आशीष टोप्पो एवं वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बच्चों की आनलाइन पढ़ाई लगातार जारी

- बच्चे पढ़ेंगे अब घर बैठे
- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हुई बातचीत

गंडई पंडरिया। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा बच्चों की नियमित पढ़ाई के लिए प्रयास किया जा रहा है । इसके तहत ÷पढ़ाई तोहार द्वार÷ के द्वारा घर बैठे बच्चों की पढ़ाई हेतु शासन द्वारा प्रयास किया जा रहा है ।इसमें विकास खंड शिक्षा अधिकारी एसडी कोसरे, एबीईओ सुधाकर , वंदना शुक्ला, बीआरसी सुजीत चौहान द्वारा दिए गए निर्देशानुसार कार्य किया जा रहा है । गंडई संकुल में संकुल विद्यालय के 95 शिक्षकों का वर्चुअल मीटिंग लिया गया जिसमें 3 हायर सेकेंडरी 7 माध्यमिक शाला एवं 14 प्राथमिक शाला के शिक्षकों ने भाग लिया ।

बैठक में संकुल के नोडल अधिकारी कौशल राजपूत द्वारा शिक्षकों को कैसे बच्चों का वर्चुअल क्लास लेना है ? कैसे पढ़ाई तूहर द्वार के माध्यम से बच्चों को होमवर्क देना है ? और उस होमवर्क को कैसे जांच करना है ? इन विषयों पर 1 घंटे की ऑनलाइन बैठक रखी गई ।

ऑनलाइन बैठक में लच्छू मेरावी, संतोष कुमार रजक , लक्ष्मण सिंह किरेंद्र, नेहा गुप्ता के द्वारा पूर्व मे ही वर्चुअल कक्षा संचालन किया जाना बताया गया । संस्था प्रमुखों द्वारा भी जल्द ही वर्चुअल क्लास लेने की बात कही गई । वर्क वर्चुअल कक्षा लेने वाले शिक्षकों ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि क्लास लेना कोई कठिन कार्य नहीं है यह अलग अनुभव है तथा बच्ची भी उत्साह के साथ भाग लेते हैं । बैठक में सभी संस्था प्रमुखों एवं शिक्षकों को अपने विद्यालय के विद्यार्थियों एवं उनके पालकों से संपर्क कर वर्चुअल कक्षा में जुड़ने हेतु पेरित करने का निर्देश दिया गया ।

बाजार परिसर में कचरा मिला तो विक्रेता को देना होगा अर्थदंड

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत मिशन को गति देते हुए नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने बिन्नी बाई मार्केट के थोक एवं चिल्हर सब्जी व्यवसायियों को डस्टबिन वितरण किया है। वहीं बाजार में स्वच्छता बनाए रखने की कड़ी चेतावनी भी दी है। अब परिसर में कचरा मिलने पर संबंधित विक्रेता को अर्थदण्ड भी देना होगा। मिशन क्लीन सिटी के तहत शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चन्द्राकर ने मंगलवार को बिन्नीबाई सब्जी मंडी के थोक एवं चिल्हर विक्रेताओं को नीला और हरा डस्टबिन वितरण किया।

पूर्व विधायक को प्रवासी ग्रामीणों ने बताई समस्या

महासमुंद। पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता डा विमल चोपड़ा से बेलसोंडा के 10-15 ग्रामीणों ने मुलाकात कर अपनी समस्या बताई। ग्रामीणों ने बताया कि वे लोग झाड़ू बेचने का काम करते हैं और लाकडाउन के पहले वे महाराष्ट्र के भंडारा गए थे। जहां लाकडाउन के कारण महाराष्ट्र सरकार ने घूमकर झाड़ू बेचने से मना कर दिया। तैयार झाड़ू पानी में खराब हो गए। जिससे आर्थिक संकट उत्पन्न हो गई है। छत्तीसगढ़ आने के बाद 14 दिन क्वारंटाइन में रहे। उन्होनें बताया कि इससे करीब 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। उन्हें क्षतिपूर्ति दिलाई जाए। डॉ चोपड़ा ने आश्वस्त किया कि इसके लिए कलेक्टर और शासन से मांग करेंगे। डॉ चोपड़ा ने कहा कि अब तक छत्तीसगढ़ सरकार ने एक रुपए की आर्थिक मदद गरीबों के लिए नही की है इस पर सरकार तत्काल मदद करें।

सतर्कता संक्रमण से बचाव के लिए युद्धस्तर पर हो रहा काम, कलेक्टर ने दिए कन्टेन्मेंट जोन के लिए तैयार रहने के निर्देश

कोविड का केस आते ही एक्टीवेट होगी कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग टीम: कलेक्टर

महासमुंद। जिले में जैसे से अन्य प्रांतों से आ रहे प्रवासी मजदूरों के आगमन सहित बाहरी गंतव्य की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफा हो रहा है, वैसे-वैसे कोरोना वायरस के संक्रमण फैलाव में बढ़ोत्तरी के आसार भी तेज हो रहे हैं। संकटापन्न स्थिति में जिलेवासियों को कोरोना के कहर से बचाने के लिए कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने आकस्मिक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय की पहली मंजिल पर चल रही कोरोना कंट्रोल यूनिट टीम के प्रशिक्षण में पहुंच कर प्रशिक्षणार्थियों के लिए विशेष कक्षा आयोजित करा दी। इस दौरान कलेक्टर ने पंडित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के कुछ वीडियो दिखवाए और प्रवासी मजदूरों के आगमन से संक्रमण फैलाव की बढ़ती आशंका के प्रति कोरोना वारियर्स को पहले ही सतर्क कर दिया। उन्होंने जिले के कन्टेंन्मेंट जोन में आने के पहले की तैयारियों सहित अन्य परिस्थितियों से जूझने से उबरने के उपाए बताए। जिले का प्रवेश कन्टेनमेंट जोन में ना हो इसके लिए प्रत्येक प्रवासी

मजदूर के आने से लेकर क्वारंटीन अवधि पूरी करने तक विशेष ध्यान रखकर की जाने वाली आवश्यक कार्रवाई और चिकित्सकीय सेवाओं के संबंध में विस्तार से समझाते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले भर से आए खंड चिकित्सा अधिकारियों और विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधकों सहित संबंधित क्षेत्रों का चिकित्सकीय दल मौजूद था। उन्हें इस बार कन्टेन्मेंट जोन यानी जब कोविड 19 से पीड़ित का प्रकरण मिल जाए तब क्या करना है और कैसे निपटना है, इसकी जानकारी दी गई। इस दौरान चिकित्सकों ने प्रशिक्षणार्थियों को बतलाया कि इस स्थिति में संबंधितों को तीन भागों में बांट कर कार्रवाई की जानी है। जिसमें प्रायमरी कांटेक्ट, हाई रिस्क, प्रायमरी कांटेक्ट लो रिस्क एवं सैकंड्री कान्टेक्ट मतलब अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क में आने के प्रकरणों में पुराने एवं नए दोनों किस्म के बारीकी से अध्ययन कर संलग्न प्रकरणों को भी संज्ञान में लेते हुए सतर्कतापूर्ण निगरानी शामिल होगी। कोरोना वायरस नियंत्रण एवं रोकथाम दल के नोडल अधिकारी ने भी जानकरी प्रदान करते हुए बताया कि यदि किसी संदिग्ध व्यक्ति को नियमावली के अनुरूप अच्छे से क्वारंटीन किया गया है और उसने भली प्रकार से अनुक्रमणिका का पालन किया है।

क्वॉरंटाइन में रह रहे मजदूरों के खान-पान की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने उन्हें शिफ्ट किया दूसरे स्कूल में बने केंद्र में

नवप्रदेश संवाददाता

देवभोग। साहब जहां थे वहां तो कुछ हद तक सुबह नाश्ता और समय पर खाना मिल जाता रहा लेकिन स्थानीय क्वॉरेंटाइन सेंटर में तो पूछने वाला तक कोई नहीं है। नाश्ता तो दूर की बात है। चाय तक खुद को लकड़ी चूल्हा से बनानी पड़ रही है यह दरलीपारा पंचायत के बाहर से आकर क्वॉरेंटाइन में रहने वाले मजदूरों का कहना है, जिन्हें कांडपारा की स्कूलों में रखा गया था। और अब बेहतर सुविधा के लिए अन्यत्र शिफ्ट किया गया है। इनमें बच्चे से लेकर 40 वर्ष के व्यक्ति भी शामिल है। लेकिन अफसोस की बात है कि इतने क्वॉरेंटाइन मैं रखे मजदूरों की व्यवस्था के लिए पंचायत सहित जिम्मेदार अधिकारी भी असक्षम नजर आ रहे हैं। मजदूरों के प्रति लापरवाही इतनी बरती जा रही थी की क्वॉरेंटाइन में रहे लोग सरपंच के साथ तीखी बहस करने और मजबूर होते होम क्वॉरेंटाइन मैं रखने की की बात करना पड़ा अपना पंचायत की लापरवाही व्यवस्था से मजदूरों में काफी आक्रोश देखने को भी मिला हालांकि मजदूरों की आक्रोश को देखते हुए सरपंच ने करीब 5 बजे लोगों को नांगलदेही प्राथमिक शाला मे व्यवस्था कर दिया। जानकारी अनुसार बीते बुधवार को आंध्रप्रदेश तेलंगाना से 41 बच्चे एवं महिला पुरुष को लाकर कांडपारा स्कूल में क्वॉरेंटाइन क्या गया जिन्हें गुरुवार 11 बजे तक ना नाश्ता मिला और ना चाय की व्यवस्था हुई। भूख प्यास से बौखलाए मजदूरों ने जोरदार हंगामा मचाया तब कहीं जाकर लकड़ी देकर क्वॉरेंटाइन सेंटर के बाहर चाय बनाने की बात कही जिसके बाद मजदूर अपना आपा पूरी तरह खो दिया और सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधि पर जमकर बरस अपने और अपने अपने घर में रखने की मांग लगातार करते रहे जिसे देख सरपंच सचिव के हाथ पांव फूलते नजर आए। और देर शाम नांगलदेही प्राथमिक शाला स्कूल के क्वॉरेंटाइन में शिफ्ट कर दिया गया। लोगों को अब थोड़ी राहत की उम्मीद जगी है।

> कांडपारा के स्कूल में क्वॉरेंटाइन में रह रहे मजदूरों की पूरी व्यवस्था नहीं हो पाने से उन्हें नांगलदेही स्कूल में शिफ्ट किया गया।
>
> **जलधर नागेश,** सरपंच दरलीपारा

■ न्यूज गैलरी

पूर्व पार्षद ने भारत रत्न राजीव गांधी को अपने निवास में श्रधाजंलि दिए

लवन। नगर के वरिष्ठ कांग्रेसी पूर्व पार्षद अजय ताम्रकार ने कोरोना के चलते आधुनिक भारत के निर्माता पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न राजीव गांधी को अपने निवास में परिवार सहित श्रद्धासुमन अर्पित किये। अजय ताम्रकार ने आपने परिवार सहित राजीव गांधी के छाया चित्र में माल्यार्पण कर पूजा किये व दो मिनट मौन रख कर श्रधांजलि दिए। इस मौके पर लोगो को घर मे रहने की व कोरोना से बचाव का संदेश दिए इस अवसर पर उसके परिवार में उसके पिता धनीराम ताम्रकार, माता श्रीमति शकुंतला ताम्रकार, भाई प्रकाश ताम्रकार, शक्ति ताम्रकार, पत्नी श्रीमति भारती ताम्रकार, बच्चे आर्यन ताम्रकार, स्वर्णी ताम्रकार, मान्या ताम्रकार, जैवी ताम्रकार, अक्षांश ताम्रकार व यशी ताम्रकार उपस्थित थे।

विधायक आशीष छाबड़ा ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें अर्पित किए श्रद्धा सुमन

बेमेतरा/साजा। बेमेतरा में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा मे विधायक आशीष छाबड़ा सम्मिलित हुए। इस दौरान विधायक आशीष छाबड़ा ने सभा को संबोधित करते हुए राजीव गांधी को आधुनिक भारत का निर्माता बताया। जिनके अथक प्रयोसो से ही भारत मे संचार क्रांति आ सकी। आज जो हम कंप्यूटर और मोबाइलो का उपयोग कर रहे है व राजीव गांधी जी के पुण्य प्रताप का फल है। पूर्व प्रधानमंत्री किसानों के सच्चे हितैषी थे। जिन्होंने किसानों के हितों के लिए अनेको योजनाएं चलाई। जिसे ध्यान में रखकर परदेश के यशश्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बंशी पटेल अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, शकुन्तला मंगत साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा, मनोज शर्मा पार्षद, राम ठाकुर पार्षद, रानी सेन पार्षद, अवनीश राघव पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, लुकेश वर्मा अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, मंगत साहू जी पूर्व उपाध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा, टी.आर. जनार्दन, देवदत्त वर्मा, अविनाश तिवारी, नवीन ताम्रकार वरिष्ठ कांग्रेसी, प्रणीश चौबे, दिनेश पटेल, शिशिर शर्मा, भावसिंह राज पूर्व सरपंच, मनीष सिन्हा आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया नारायणपुर कवारंटाइन सेंटर का मुआयना

बेमेतरा/साजा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिव अनंत तायल ने मंगलवार को नारायणपुर हाई स्कूल स्थित कवारेंटाइन सेंटर पहुंच कर जायजा लिया, तथा मजदूरों से बात-चीत कर वस्तुस्थिति से अवगत हुये। उन्होनें क्वारेंटाइन सेंटर मे सभी आवश्यक जरुरी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखे जाने का निर्देश दिए। इस दौरान पर एसडीएम नवागढ़ डी आर डाहिरे, तहसीलदार कु. रेणुका रात्रे, नायब तहसीलदार रोशन साहू, सीएमओ नगर पंचायत मारो कोमल ठाकुर, सुशील कुमार साहू, माधो सिह ठाकुर, नारायणपुर सरपंच बिसाहू साहू, उपसरपंच चोला वर्मा, पूर्व उपसरपंच सुरेश साहू, सचिव संतोष कुम्भकार एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

बेमेतरा जिले के 1 लाख 10 हजार 935 किसानों को मिलेगा योजनांतर्गत फायदा

बेमेतरा/साजा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. श्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज गुरुवार को प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना की शुरूआत की गई। नई दिल्ली से श्रीमती सोनिया गांधी अध्यक्ष और राहूल गांधी ने विडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए इस योजना के शुभारंग कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मंत्रीमण्डल के सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री (निवास) कार्यालय रायपुर से दोपहर को योजना की शुरूआत कर गई। योजना के तहत किसानों को दी जाने वाली 5700 करोड़ रूपए की राशि में से प्रथम किश्त के रूप में 1500 करोड़ रूपए किसानों के खातों में ऑनलाईन जमा की जाएगी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों के धान, गन्ना और मक्का उत्पादक किसानों से सीधे बात-चीत कर उनका हालचाल जाना। योजना के तहत बेमेतरा जिले के धान उत्पादक किसान 110935 किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में डाली जायेगी। योजना का शुभारंभ होते ही धान उत्पादक किसानों को प्रथम किस्त में 94.60 लाख रूपये डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में पहुंच गयी। कलेक्टर शिव अनंत तायल ने कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए जिले में इस योजना का बेहतर और प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की शाखाओं मे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा।

कांग्रेस की न्याय नहीं अन्नाय यात्रा : महाबल दास

नवप्रदेश संवाददाता

भाटापारा। प्रदेश कांग्रेस की सरकार के द्वारा शुरू की गई न्याय योजना को अनन्या योजना बताते पूर्व किसान मोर्चा के अध्यक्ष महाबल दास बघेल ने हुए कहा कि राज्य सरकार के मुखिया श्री भूपेश बघेल ने अपने चुनावी वायदे में एक साथ किसानों को 2500 रूपये में धान खरीदने की बात कही थी और पहले अट्ठारह सौ और उसके बाद बाकी राशि को तीन किस्तों में देने की बात कह रहे हैं जबकि प्रदेश में राजस्व की कोई कमी नहीं थी उसके बाद भी किसानो को पूरा मूल्य नही दिया गया। कांग्रेस सरकार की कथनी और करनी में कितना अंतर है।श्री महाबलदास ने कहा कि वास्तव में कांग्रेस के नेताओं को का मकसद प्रदेशमे किसी भी तरह की सत्ता वापसी का रहा है 15 साल तक सत्ता का वनवास काट रहे इन को किसी तरह से सत्ता हथियाना था।प्रदेश की जनता इनके वायदों को पूरा होने का इंतजार कर रही है। प्रदेश में शराबबंदी की घोषणा हो बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देने की बात हो इन सबका नाम लेना भी मुनासिब नहीं समझ रहे हैं वह तो भला हो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिन्होंने कोरोना जैसी महामारी में प्रदेश सरकार को भरपूर मदद दी जिसकी वजह से प्रदेश की जनता को काफी राहत मिली है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी को किया नमन

देवभोग। सोशल डिस्टेंस का पालन करते ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी का पुण्यतिथि मनाया इसके साथ बाहर से आए मजदूरों को क्वॉरेंटाइन में रखें लोगों के लिए समुचित भोजन व्यवस्था भी कराया गया।ज इस बीच राजीव गांधी के विचारों और योगदान को याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया अधिकांश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता लॉकडाउन और धारा 144 लागू होने के चलते अपने अपने निवास पर ही राजीव गांधी की पुण्यतिथि मैं श्रद्धांजलि अर्पित किया। आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुखचंद बेसरा के निवास पर राजीव गांधी का 29 वां पुण्यतिथि मनाया गया कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ता राजीव गांधी के छायाचित्र में पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि कांग्रेस की सिद्धांत विचारधारा और कार्यक्रम वर्तमान में भी राजीव गांधी के मनसा अनुरूप देश को मजबूत बनाने के लिए है। भारत की एकता अखंडता पर कोई अपना हाथ नहीं लगाया जा सकता जिस तरह राजीव गांधी ने भारत को संचार क्रांति और त्रिस्तरीय पंचायत राज जैसे अन्य योगदान देश के लिए दिया है। आज उससे और भी ज्यादा देश को मजबूती मिल रहा है।शायद यही वजह है। कि भारत के अलावा अन्य देशों में भी राजीव गांधी की पुण्यतिथि भावपूर्ण तरीके से मनाया जाता है मतलब राजीव गांधी के योगदान को कभी भुला नहीं जा सकता। इसी संदेश के साथ बेसरा सहित अन्य कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों पुण्यतिथि मनाया और दरलीपारा, कैंटपदर, गिरसुल के करीब 150 क्वॉरेंटाइन में रखे गए लोगों के लिए भोजन व्यवस्था कराया गया इसके अलावा क्वॉरेंटाइन में रखे गए लोगों को पूरा भरोसा दिलाया कि हर वक्त राज्य की भूपेश सरकार मजदूरों के साथ खड़ी है। और उनके लिए हर संभव समुचित व्यवस्था कर रही है। राजीव गांधी की पुण्यतिथि मनाने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, दुर्गाचरण अवस्थी, अरुण मिश्रा ,सीनापाली सरपंच सुधीर अग्रवाल, युवा प्रदेश सह सचिव उमेश डोंगरी, भविष्य प्रधान, धनसिंह मरकाम अरुण सोनवानी, बिलभद्र यादव, नवीन सेन, महेश्वर बघेल, तरुण नागेश, अन्य पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे ?

रेलवे चलाएगा 200 ट्रेन सूची कर दी जारी

भाटापारा। रेलवे ने अपने लिए गए निर्णय के अनुरूप 1 जून से पुरे भारत में 200 ट्रेने चलाने जा रही है जिसकी सूची रेलवे ने जारी कर दी है जिसके मुताबिक इस रेल खंड पर 3 ट्रेनों को मंजूरी मिल गई है। फ़िलहाल ये सभी ट्रेने स्पेशल ट्रैन के रूप में चलेगी।

कोरोना वायरस के चलते रेल के थमे पहिये को रेलवे सिलसिलेवार और चरण बद्ध तरीके से चलाने जा रहा है। वर्तमान में चल रही श्रमिक ट्रेनों और राजधानी ट्रेनों के अलावा रेलवे ने फ़िलहाल आगामी 1 जून से 200 ट्रैन चलाने का ऐलान करते हुए चलने वाली ट्रेनों की सूचि भी जारी कर दी है। जिसकी टिकट बुकिंग का काम भी गुरुवार से चालू हो गया है। फ़िलहाल रेलवे ने यात्रियो को ऑन लाइन टिकट बुक करने को कहा है, जिससे साफ है की रेलवे फ़िलहाल रेलवे आरक्षण कार्यालय खोलने नही जा रही है।रेल सूत्रो ने बताया की 1 जून से चलने वाली ट्रेनों की सभी सीटे पूरी तरह आरक्षित होगी। सम्भावना जताई जा रही है ट्रेनों में ए सी के अलावा नान ए सी कोच भी रह सकते है।इसके अतिरिक्त जनरल डिब्बे में भी आरक्षण प्रणाली लागु रहेगी याने जनरल डिब्बे के यात्री भी आरक्षित सीट पर बैठकर ही यात्रा कर सकेंगे। रेलवे ने 1 जून से चलने वाली ट्रेनों की जो सूचि जारी की है उसमे रायपुर बिलासपुर रेल खण्ड से मात्र 3 ट्रैन ही चलने की जानकारी है। बताया जाता है की जो 3 ट्रेन चलेगी उसमे हावड़ा मुम्बई मेल,हावड़ा अहमदाबाद एक्सप्रेस तथा रायगढ़ गोंदिया जनशताब्दी एक्सप्रेस है और ये सभी ट्रेनों के लिए गुरुवार से ऑन लाइन बुकिंग चालू हो गई है। रेल से जुड़े लोगो के मुताबिक ये सभी ट्रेने अपने नियमित ट्रैन वाले स्टापेज पर रुकेगी फ़िलहाल सभी ट्रेन को स्पेशल ट्रैन के रूप में चलाने का निर्णय लिया गया है।

अंतर राशि चार किश्तों में देने का फैसला किसानों के साथ मजाक : भाजपा

बालोद। भारतीय जनता पार्टी जिला किसान मोर्चा के जिला अध्यछ, किशोरीसाहू ने कहा है कि किसान न्याय योजना के नाम पर प्रदेश सरकार एक बार फिर प्रदेश के किसानों के साथ अन्याय करके उनकी आँखों में धूल झोंकने का शर्मनाक कृत्य करने जा रही है। पिछले खरीफ सत्र के धान मूल्य की अंतर राशि का अब 04 किश्तों में भुगतान करने का प्रदेश सरकार का फैसला कोरोना संकट के इस काल में किसानों के साथ भद्दा मजाक है।

जिला भाजपा किसान मोर्चा के महामंत्री तोमन साहू ने कहा कि एक तरफ प्रदेश कोरोना संकट से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ किसानों के साथ प्रदेश सरकार फिर छलावा कर रही है। यह प्रदेश सरकार की किसान न्याय योजना नहीं, किसान अन्याय योजना है। प्रदेश सरकार ने पहले पूरे धान मूल्य (25सौ रु. प्रति क्विंटल)का एकमुश्त भुगतान कर देने की शेखी बघारी और बाद में समर्थन मूल्य की राशि देकर शेष अंतर राशि के भुगतान के लिए दी गई मियाद बढ़ाती गई। अब तो प्रदेश सरकार ने उस अंतर राशि के 04 किश्तों में भुगतान की बात करके हद ही कर दी है। डॉ. सिंह ने कहा कि एक तरफ कोरोना संकट में केंद्र सरकार सबकी चिंता कर रही है, तब प्रदेश सरकार किसानों के नाम पर घड़ियाली आँसू बहाकर अपने राजनीतिक पाखंड की पराकाष्ठा कर रही है। धान मूल्य की अंतर राशि के 04 किश्तों में भुगतान का फैसला किसानों की आँखों में धूल झोंकना है।

भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्य्छ रमेश सोनवानी ने कहा कि कोरोना संकट को देखते हुए प्रदेश सरकार को किसानों की चिंता कर उनकी हरसंभव सहायता करना था; लेकिन प्रदेश सरकार तो धान मूल्य की अंतर राशि का भुगतान भी एकमुश्त नहीं कर रही है, जिसका उसने वादा किया था। डॉ. सिंह ने कहा कि दो साल के बकाया बोनस भुगतान के अपने वादे से अब साफ मुकर रही कांग्रेस और प्रदेश सरकार धान मूल्य की अंतर राशि में कटौती कर कम राशि का भुगतान कर किसानों की आँखों में धूल झोंकने पर आमादा है। इसके लिए किसान इस सरकार को कभी माफ नहीं करेंगे।

भाजपा किसान मोर्चा के मंत्री मनोहर सिन्हा ने कहा की प्रदेश सरकार 150 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से चार किश्तों में 600 रुपए का भुगतान करने जा रही है जबकि अंतर राशि का भुगतान 685 रुपए (मोटा धान) और 665 रुपए (पतला धान) प्रति क्विंटल के हिसाब से होना है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि एक तो प्रदेश सरकार कोरोना संकट में किसानों को सहायता के नाम पर एक धेला नहीं दे रही है, उल्टे अंतर राशि में कटौती करके वह भी 04 किश्तों में देकर किसानों के साथ खुला अन्याय कर रही है। जिससे की जिला भाजपा किसान मोर्चा ने घोर निन्दा करते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है निन्दा करने वाले में प्रदेश मंत्री अश्वनी यादव प्रदेश कार्यसमिति कार्यसमिति सदस्य इंद्रपालपाल चंद्रकार , हुलेश देशमुख ,शीतल नायक ,जिला उपध्य्छ दुर्जन साहू ,लेख तिवारी, प्रकाश आर्य ,महामंत्री दीननाथ सिन्हा ,मंत्री मिथलेश साहू , बहुर ठाकुर कोषाध्यछ कोषाध्यछ पुरन साहू ,छगन देशमुख, छगन साहू दुस्यंत साहू ,लीला राम राजन साहू ,शशि कांत नितेश मरकाम , जितेंद्र ठाकुर ,मनोज यादव छत्रापाल कुंजाम , प्यारे लाल सिन्हा ,कल्याण साहू ,हेमंत साहू ,बीरेंद्र ,मुकेश यादव आदि प्रमुख है।

झूलेलाल मंदिर में 27 मार्च से लगातार गरीब परिवार व मजदूरों की सेवा अनवरत जारी

भाटापारा। देश में जब से कोरोना संक्रमण हुआ है तब से ही शहर में राजनैतिक सामाजिक संस्थाओं ने गरीबो को अपनी क्षमता के अनुसार मदद कर रहे है परन्तु भाटापारा शहर में महासती वार्ड में स्थित झूलेलाल मंदिर में 27 मार्च से लगातार गरीब परिवार व मजदूरो की सेवा अनवरत जारी है। पूज्य बिरादरी पंचायत और वहां की युवा बिग्रेड ने मिलकर प्रारंभ से मोर्चा संभाला हुआ है।

आज वट सावित्री व्रत रखेंगी सुहागिन महिलाएं

भाटापारा। हिन्दू पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने की अमावस्या के दिन वट सावित्री व्रत मनाया जाता है। इस साल 22 मई को याने की आज वट सावित्री व्रत है, जिसके लेकर महिलायें ने अपनी तैयारीयां पूर्ण कर ली है व पूजा के आवश्यक सामाग्री बाजार बंद होने के पहले खरीदी कर ली गयी है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400094

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती मंजू कुम्भकार पति श्री लक्ष्मीनारायण कुम्भकार निवासी लुचकीपारा दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 246/83 रकबा 0.012 हें/ अर्थात 1382 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

पंजी. 202005100400105

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती जयश्री साहू पति श्री नेमदास साहू निवासी सेक्टर 7 भिलाई द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 246/66 रकबा 0.026 हें/ अर्थात 2812.50 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 20.05.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

GOVERNMENT OF CHATTISGARH, WATER RESOURCES DEPARTMENT
OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER
MAHANADI GODAWARI BASIN, RAIPUR (C.G)
CORRIGENDUM NO. IV

System Tender No. 61824 NIT No.22/SAC/2029-20

Following Corrigendum is issud NIT No. 22/SAC/2019-20 date 06.03.2020

Description	Previous Published	Read as
1- Bid Due & time (The last date & time for submission of response, after which no bids can be submitted)	Date 13.05.2020 (Time 17.30)	Date 28.05.2020 (Time 17.30)
2- Bid open, start date & time (The date of opening of Envelope A&B (online)	Date 14.05.2020 (Time 11.30)	Date 29.05.2020 (Time 11.30)

All other Terms and condition of NIT will remain unchanged

G-80915/5

Executive Engineer
Water Resource Division, Rajnandgaon
For, Chief Engineer,
Mahanadi Godavari Basin, Raipur (C.G.)

कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डॉ. भीमराव अम्बेडर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/डॉ.भी.अ.चिकि./रख./20/8046 रायपुर, दिनांक 19/05/2020

तृतीय खुली निविदा सूचना

डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय में स्थापित फायर डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर में स्थापित फायर फायटिंग सिस्टम एवं एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट (A.C.I.) में स्थापित फायर फायटिंग सिस्टम तथा G+2 कैन्सर बिल्डिंग में स्थापित फायर फायटिंग सिस्टम का वार्षिक रखरखाव (एएमसी) किया जाना है। इस प्रयोजन से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु निविदा प्रपत्र संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर के कार्यालय से कार्यालयीन दिवस में शुल्क रुपए 1000.00 (रुपए एक हजार मात्र) जमा कर रखरखाव शाखा से प्राप्त किया जा सकता है जो वापसी योग्य नहींम है। निविदा के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के नाम से बना हुआ रुपए 1,00,000.00 (रुपए एक लाख मात्र) की धरोहर राशि के रूप में किसी राष्ट्रीयकृत /अधिसूचित बैंक का बना हुआ एफ.डी.आर. संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा।

मुहरबंद निविदाएं संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक, डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर के नाम से **अंतिम तिथि 04.06.2020 तक शाम 5.00 बजे तक पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट/ पीएण्डटी विभाग** से **अधिकृत कोरियर** के माध्यम से स्वीकार किया जावेगा।

प्राप्त निविदा दिनांक 06.06.2020 को दोपहर 1.00 बजे तक समिति के समक्ष खोली जावेगी जिसमें निविदादाता एवं उनके प्रतिनिधि उपस्थित हो सकते हैं।

निविदा प्रपत्र विक्रय करने की तिथि - निविदा प्रकाशन दिनांक से 03.06.2020 तक (कार्यालयीन समय शाम 5.00 बजे तक)
निविदा प्रपत्र प्राप्त होने की अंतिम तिथि - 04.06.2020 (शाम 5.00 बजे तक)
निविदा प्रपत्र खोले जाने की तिथि - 06.06.2020 (दोपहर 1.00 बजे)
जी-77092/1, जी-80213/1

जी-80928/3

संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक
डा. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय
रायपुर (छ.ग.)

OFFICE OF THE RAIPUR SMART CITY LIMITED
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT NO. : 259/RSCL/2020 RAIPUR DATED : 19/05/2020

Online bids are invited for the following of works up to 08/06/2020 at 17:30 hours.

Sl. No.	System Tender No.	Name of work/ Description of work	Tender amount	EMD Amount	Time Period	Tender Fee
1	64146	Renovation and Beautification work of Sheetla Talab Ramnagar	32.36 lakhs	25,000/-	06 Months (including monsoon season)	Nil

The details can be viewed and downloaded online directlt from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in From 19/05/2020 17:30 Hours (IST) on wards.
For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE :-

1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 1800 419 9140 or through Email ID helpdesk.eproc@ cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.

MANAGING DIRECTOR
RAIPUR SMART CITY LIMITED
RAIPUR (C.G)

राजीव गांधी किसान न्याय योजना से कोरिया जिले में 17,808 किसान होंगे लाभांवित

■ **मुख्यमंत्री बघेल ने राजीव गांधी किसान न्याय योजना का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए किया शुभारंभ**

बैकुंठपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी के पुण्यतिथि के अवसर पर किसान न्याय योजना का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए शुभारंभ किया इस अवसर पर सरगुजा विकास प्रधिकरण के उपाध्यक्ष एवं विधानसभा क्षेत्र भरतपुर-सोनहत के विधायक गुलाब कमरो, विधानसभा क्षेत्र बैकुण्ठपुर की विधायक श्रीमती अम्बिका सिंहदेव, कलेक्टर डोमन सिंह, सहित संबंधित अधिकारी सीजी स्वान कक्ष में उपस्थित रहे, जहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण योजना के शुभारंभ में शामिल हुए। कृषि में पर्याप्त निवेश एवं कास्त लागत में राहत देने के लिए राज्य शासन द्वारा कृषि आदान सहायता हेतु राजीव गांधी किसान न्याय योजना लागू की जा रही है। यह योजना देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी के शहादत दिवस को समर्पित की गई है। इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2019 20 में धान बेचने वाले कोरिया जिले के 17808 किसानों को 59.76 करोड़ की राशि उनके

बैंक खाते में प्राप्त होगी। इसमें सर्वप्रथम पहली किश्त के रूप में 17808 किसानों को डी.बी.टी. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से कृषक के खाते में 15.77 करोड़ की राशि प्रदान की जायेगी। वर्ष 2019-20 में जिले में धान खरीदी हेतु 19540 किसानों के 34356 हेक्टेयर रकबे का पंजीयन हुआ है जिसके तहत 17808 किसानों के द्वारा 29393 हेक्टेयर रकबे में 89868 मीट्रिक टन का विक्रय किया गया है।

मिली जानकारी अनुसार राजीव गांधी किसान न्याय योजना के अंतर्गत जिले के किसानों को कुल 59.76 करोडरूपये की राशि प्राप्त होगी जहां पहली किश्त के रूप में 15.77 करोड़ की राशि ट्रांसफर की जायेगी। इसके तहत विकासखंड बैकुंठपुर में 6749 किसानों को 6 करोड़ 14 लाख 57 हजार 524 रूपये प्राप्त होंगे विकासखंड सोनहत में 1463 किसानों को 1 करोड़ 18 लाख 34 हजार 49 रूपये, विकासखंड खडगवा में 4627 किसानों को 4 करोड़ 11 लाख 54 हजार 337 रूपये, विकासखंड मनेन्द्रगढ़ में 2818 किसानों को 2 करोड़ 31 लाख 46 हजार 547 रूपये, तथा विकासखंड भरतुपर में 2151 किसानों को 1 करोड़ 93 लाख 27 हजार 557 रूपये की राशि किसानों को प्रदाय की जायेगी। कोरिया जिले के किसानों को आगामी वर्ष 2020-21 में इस योजना का लाभ लेने हेतु जिले के कृषक कृषि विभाग में दिनांक 01 जून 2020 से 30 सितम्बर के मध्य पंजीयन कराना होगा।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर ली गई शपथ

डौंडी। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई को आतंकवाद विरोध दिवस पर प्रातः 11 बजे शांति एवं सामाजिक सद्भावना कायम करने की शपथ नगर पंचायत डोण्डी के कर्मचारियों-अधिकारियों ने ली। इस मौके पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने राष्ट्र की अहिंसा एवं सहनशीलता की परंपरा में दृढ़ विश्वास रखते हुए सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने, सभी वर्गों के लोगों के बीच शांति एवं सामाजिक सद्भावना कायम करने तथा मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से संघर्ष करने व अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखते हैं निष्ठापूर्वक शपथ लेते है कि हम सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करेंगे ।हम मानव जाति के सभी वर्गों बीच शांति ,सामाजिक सदभाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लिए जिसमें कन्हैया लाल निर्मलकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी, महिला व बाल विकास अधिकारी दीपा साहा ,रत्नभूषण वाहने राजस्व निरीक्षक, प्रदीप कुमार यादव सफाई दरोगा, पीताम्बर यादव कम्प्यूटर ऑपरेटर, दीपक साहू कम्प्यूटर ऑपरेटर, चन्द्रशेखर रावटे लिपिक,निलनाक्ष श्रीवास्तव, मोहन नागवंशी भृत्य,जयंती बाई भृत्य,उमा सफाई कर्मी,सन्दीप कुमार यादव कम्प्यूटर ऑपरेटर, शेखर नेताम आदि शामिल रहे।

डौंडी मे एक और कोरोना पाजिटिव बालोद जिले मे संख्या बढ़कर हुई 14

डौंडी। बालोद जिले के डौंडी मे फीर मीला 01 और कोरोना संक्रमित मरीज की हुई पुष्टि,बालोद जिले में एक्टिव कोरोना संक्रमितों की संख्या हुई 14सभी संक्रमितों की ट्रैवल हिस्ट्री मुम्बई , पोसिटिव युवक डौंडी के सल्हाईटोला के क्वारनटाईन सेंटर में था ,मरीज को एम्स भेजने की तैयारी में जुटा प्रशासन, कलेक्टर रानू साहू ने की पुष्टि ,संक्रमित युवक डौंडी लोहारा ब्लाक के गांव का है 13 मई को महाराष्ट्र के मुम्बई से लौटे थे पूर्व में आये कोरोना संक्रह्यह्यमित के संपर्क आये थे जिनके कांटेक्ट लिस्ट में आने के बाद इन्हें डौंडी के सल्हाइटोला में बने कवारेनटाइन सेंटर में रखा गया था जिसके बाद अब मरीज को रायपुर एम्स भेजने की तैयारी की जा रही है।

मुंबई से लौटा कांकेर जिले का मजदूर निकला कोरोना पॉजिटिव

■ **कांकेर जिले का पहला कोरोना पॉजिटिव दुर्गुकोंदल से प्रशाशनिक स्तर पर मचा हड़कंप**

कांकेर। गुरुवार को दुर्गूकोंदल विकासखण्ड के ग्राम कालागांव निवासी 23 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। जिसे ईलाज के लिए कोविड -19 अस्पताल माना भेजा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे.एल. उईके ने बताया कि उक्त युवक बांद्रा मुम्बई से ट्रक में बैठकर राजनांदगांव तथा वहां से डौण्डीलोहारा और कच्चे होते हुए 14 मई को अपने गांव पहुंचा था, जिसे पुजारीपारा में क्वारेंटाईन किया गया था। कोरोना टेस्ट जांच में उसे पॉजिटिव पाया गया जिसके कारण उसके साथ रह रहे आठ लोगों का भी सेम्पल लिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे गांव को सील कर कन्टेंनमेंट जोन घोषित किया गया है और एक्टिव सर्विलेंस टीम द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है। कन्टेंमेंट जोन में लोगों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है। स्वास्थ्य अमला चौकस एवं सतर्क है तथा निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है।

> पॉजिटिव मरीज को रायपुर रवाना कर दिया गया है और गाँव को पूरी तरह सील करने के आदेश दे दिया गया है ।और स्वास्थ्य विभाग गॉव के एक एक घर की जांच कर रही है।
>
> **के एल चौहान,**
> कलेक्टर

सरपंच संघ द्वारा मुख्यमंत्री सहायता कोष में 11 हजार दान

कांकेर। नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण तथा जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए जनपद पंचायत के सरपंच संघ द्वारा 11 हजार रूपये का दान किया गया। दान की गई राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा करने के लिए अपर कलेक्टर श्री सी.एल. मार्कण्डेय को नकद राशि सौंपा गया। इस अवसर पर सरपंच संघ के अध्यक्ष प्यारसिंह मण्डावी, सरपंच कोदागांव पंचूराम नायक, पूर्व सरपंच पीढ़ापाल हलालराम पडोटी, बृजलाल उयके, दशरथ कोरेटी, अशोक मिचामी, शक्ति राम नेताम एवं नन्दूराम उसेण्डी उपस्थित थे।

विधानसभा उपाध्यक्ष ने दिलाई आतंकवाद विरोधी शपथ

कांकेर। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी के शहादत दिवस 21 मई को प्रतिवर्ष आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस परिपेक्ष्य में छत्तीसगढ़ विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री मनोज सिंह मण्डावी ने आज जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों को अपने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास रखने, सभी प्रकार के आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने तथा मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव एवं सूझ-बूझ कायम करने और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विधायक कांकेर श्री शिशुपाल शोरी, विधायक विधायक अंतागढ़ श्री अनूप नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमंत कुमार ध्रुव, उपाध्यक्ष हेमनारायण गजबल्ला, नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष श्रीमती सरोज ठाकुर, बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य श्री बीरेश ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य नरोत्तम पडोटी, हेमलाल मरकाम, मीना मण्डावी, श्यामा पट्टावी, कलेक्टर श्री के.एल. चौहान, पुलिस अधीक्षक श्री एम.आर. आहीरे, सीईओ जिला पंचायत डॉ. संजय कन्नौजे सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मप्र-छग को जोड़ने...
मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क निर्माण कार्य फिर से शुरू कर दिया गया है। निर्माण कार्य के शुरू होने से स्थानीय लोगों को काम के साथ बड़ी राहत मिली है। निर्माण कार्य में लगे सभी श्रमिक मूलतः कबीरधाम जिले के निवासी है और यहां के वनांचल क्षेत्र में रहने वाले है। सड़क बन जाने से लोगों को आवागमन की सुचारू सुविधा भी मिलने लगेगी।

किसानों के खाते में...
इस योजना के तहत प्रदेश के 19 लाख किसानों को सीधे तौर पर बैंक खातों में राशि ट्रांसफर कर 5700 करोड़ रुपए की राहत दी जाएगी। कार्यक्रम में जिलों से सांसद, विधायक, अन्य जनप्रतिनिधि, किसान और विभिन्न योजनाओं के हितग्राही भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। छत्तीसगड़ सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने तथा कृषि के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित करने लिए यह महत्वाकांक्षी योजना लागू की गई है।

कांग्रेसी दिग्गज भी रहे मौजूद

इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए वरिष्ठ नेता मोतीलाल वोरा, सांसद पी.एल. पुनिया, रणदीप सिंह सुरजेवाला सहित प्रदेश के जिलों से सांसद, विधायक और हितग्राही कृषक शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत, कृषि मंत्री रविन्द्र चौबे, गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, स्वास्थ्य मंत्री टी.एस. सिंहदेव, वन मंत्री मोहम्मद अकबर, सहकारिता मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री श्री अमरजीत सिंह भगत, उच्च शिक्षा मंत्री श्री उमेश पटेल, महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया, श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, राजस्व मंत्री श्री जयसिंह अग्रवाल, उद्योग मंत्री श्री कवासी लखमा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरू रूद्रकुमार सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अब हम आसानी से खेती किसानी के काम पूरे कर पाएंगे

ग्राम बेंदकुरा के किसान सालिक राम, जोहन यादव और संजय चैहान ने बताया कि बोनस की पहली किस्त मिलने से आने वाले सीजन में हम आसानी से खेती किसानी का कार्य पूरा कर पायेंगे। ऐसे समय में जब लॉकडाउन है तब मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल सरकार का किया गया वादा हमारे लिए सहारा बन गया है। इसी तरह नागाबुड़ा के 9 एकड़ में खेती करने वाले किसान सीताराम यादव और ग्राम मरौदा के बिसेन ने भी संकट की इस घड़ी में खातों में पैसे आ जाने को लेकर खुशी जाहिर की है। नागाबुड़ा के ही चन्द्रभूषण चैहान ने बताया कि वे चार एकड़ में खेती करते है। बोनस की पहली किस्त मिलने से राहत मिली है। गरियाबंद के 9 एकड़ में खेती किसानी करने वाले रामजी साहू के पुत्र जीवन साहू ने बताया कि उन्होंने समर्थन मूल्य में लगभग 98 क्विंटल धान विक्रय किया था। इस तरह लगभग 67 हजार रूपये बोनस के रूप में मिलेगी। जिससे हम डबल फसल लेने और दलहन-तिलहन लगाने में उपयोग करेंगे। इसी तरह गरियाबंद के ही संतुराम विश्वकर्मा ने बताया कि 1 एकड़ के किसानी में 13 क्विंटल धान समर्थन मूल्य पर बेचा था, इससे बोनस की शेष राशि करीब 8 हजार रूपये प्राप्त होगी। यह वाकई सरकार का राहतभरा फैसला है।

योजना लोगों के जीवन में...

यह योजना, गरीब किसानों को मदद पहुंचाने की अनुकरणीय योजना है। इससे आदिवासियों, ग्रामीणों एवं गरीबों के जीवन में बदलाव आएगा, खुशहाली आएगी। ऐसी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू कर जन-जन तक लाभ पहुंचाना राजीव जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

छत्तीसगढ़ ने देश को...

में, लोगों की मदद कैसे की जा सकती है, इसका देश को रास्ता दिखाया है। चाहे कोरोना संकट हो और कोई भी विपत्ति हम गरीबों का हाथ कभी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हमें गरीबों की मदद करने के लिये उनके साथ खड़ा होना पड़ेगा। हमें मामूल है कि राज्य की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, इस हालत में भी छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों को राहत पहुंचाने हेतु लिया गया यह निर्णय, कोई छोटा काम नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों एवं गरीबों की मदद करने का निर्णय हमने सोच-समझकर लिया है। यह किसी व्यक्ति विशेष का निर्णय नहीं है। यह छत्तीसगढ़ की आवाज है।

दंतेवाड़ा: डीआरजी जवानों मार...

तब भी एक नक्सली मुठभेड़ में घायल हुआ था। गुरुवार को गुप्त सूचना के आधार पर जवानों का दस्ता वहां भेजा गया था, जहां नक्सलियों के जमावड़े की खबर थी। दोनों तरफ से एक से डेढ़ घंटे तक गोलीबारी हुई। उसके बाद नक्सली भाग खड़े हुए। सर्चिंग में जवानों ने 2 नक्सलियों के शव बरामद किये।

श्रमिकों की बस की...
बस और डम्पर की भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों के परखच्चे उड़ गए। दोनो वाहनों की भिड़ंत के बाद आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंच गए और राहत कार्य शुरू करने के साथ ही घटना की पुलिस को जानकारी दी। नांदघाट के थाना प्रभारी आनंद कोमरा ने बताया कि घायल श्रमिकों को नवागढ़ और बिलासपुर उपचार के लिए भेजा गया है। बाकी श्रमिकों को जल्द ही दूसरे वाहन से आगे गंतव्य के लिए रवाना किया जाएगा।

धमतरी: ट्रेलर-कार भिड़े...

में कार में सवार बेबी हलदर और अमित बनिक की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गये है। सभी घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह सभी लोग पश्चिम बंगाल के निवासी है।

कोरोना के और 17...
जो इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। इस युवक के पहले रायपुर से पॉजिटिव मरीज एम्स के नर्सिंग ऑफिसर थे। अब राज्य में कोरोना के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 126 हो गई है। इनमें से 59 डिस्चार्ज किए जा चुके हैं।
अंतिम पॉजिटिव के तौर पर एक युवक मिला था, जो इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। इस युवक के पहले रायपुर से पॉजिटिव मरीज एम्स के नर्सिंग ऑफिसर थे। अब राज्य में कोरोना के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 132 हो गई है। इनमें से 59 डिस्चार्ज किए जा चुके हैं।

भारत-चीन के सैनिकों के बीच...

बयान में कहा गया है, 'भारतीय सैन्य टुकड़ियों की सारी गतिविधियां भारतीय सीमा के अंदर हो रही हैं। भारतीय सैनिक सीमा की सुरक्षा के लिए निश्चित प्रक्रियाओं का कठोरता से पालन करते हैं।' बयान में आगे कहा गया है, 'भारत की सैन्य टुकड़ियां बॉर्डर से अच्छी तरह से परिचित हैं। चीनी सैनिकों ने भारतीय सुरक्षा बलों की ओर से की जा रही पेट्रोलिंग में बाधा पहुंचाई है।'

अम्फान से 72 की मौत...

गया है। अम्फान के बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ममता बनर्जी ने कहा, 'अभी तक पश्चिम बंगाल में 72 लोगों की मौत हो चुकी है। मैंने आज तक ऐसी तबाही नहीं देखी है। मैं प्रधानमंत्री से अपील करूंगी कि वह बंगाल आएं और हालात देखें। जिन लोगों की मौत हुई है, उनके परिवार को 2.5-2.5 लाख का मुआवजा देने का ऐलान करती हूं।

हवाई यात्रा करनी है तो...

विमान के अंदर किसी यात्री केबिन क्रू से कम से कम बात करने, बीच के गलियारे में कम आने और टॉयलेट के कम इस्तेमाल की सलाह दी गयी है। विमान के अंदर खाना, अखबार या किसी तरह की पत्रिका नहीं दी जायेगी।

हवाई अड्डा संचालकों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। अपरिहार्य मामलों को छोड़कर यात्रियों को ट्रॉली की सुविधा नहीं दी जायेगी। अपरिहार्य मामलों में भी मांगने पर ही ट्रॉली दी जायेगी। हर चेकइन बैगेज को विमान में लोड करने से पहले और उतारने के बाद विसंक्रमित करने की जिम्मेदारी हवाई अड्डा संचालक की होगी।

कर्मियों के लिए कुछ परिस्थितियों में पीपीई किट अनिवार्य : बुजुर्ग, विकलांग या अकेले यात्रा करने वाले छोटे बच्चों की मदद करने वाले हवाईअड्डा कर्मचारियों के लिए पीपीई किट का इस्तेमाल अनिवार्य होगा।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ

कांकेर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा आज रायपुर में राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ किया गया, इस योजना से कांकेर जिले के 66 हजार 913 किसान लाभान्वित होंगे। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत् उन्हें चार किस्तों में 01 अरब 87 करोड़ 18 लाख 86 हजार 813 रूपये की सहायता दी जाएगी तथा उनके खातों में सीधे राशि अंतरित की जाएगी। प्रथम किस्त के रूप में कांकेर जिले के किसानों के खातों में 49 करोड़ 41 लाख 50 हजार रूपये की राशि डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में ऑनलाईन अंतरित की गई।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, राजधानी परियोजना संभाग-1, नवा रायपुर अटल नगर
निविदा आमंत्रण सूचना
NIT No. 164 Date :-04.05.2020 विज्ञापन क्र. 02
निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 23/06/2020 तक प्रपत्र-ब पर आमंत्रित की जाती है :-
कार्य का नाम :- नवा रायपुर सेक्टर-27 एवं सेक्टर-29 में निर्मित आवासीय कॉलोनी के स्वतंत्र एवं प्रकोष्ठ भवनों में वाटर मीटर स्थापित किए जाने कार्य।
निविदा राशि :- रु. 225.73 लाख
अमानत राशि :- रु. 2,26,000.00 (डी.डी. के माध्यम से)
निविदा प्रपत्र का मूल्य :- रु. 15,000.00
समयावधि :- 18 माह (वर्षा ऋतु सहित)
निविदा संबंधी नियम, शर्तें एवं विवरण वेबसाईट www.eproc.cgstate.gov.in पर देखे जा सकते हैं। निविदा संबंधी अन्य जानकारी हेतु कार्यालय कार्यपालन अभियंता, छ.ग. गृह निर्माण मण्डल, राजधानी परियोजना संभाग-1, नवा रायपुर अटल नगर रायपुर दूरभाष क्रमांक 0771-2971300, मो. 94252-3889, 99267-52769 में कार्यालयीन समय में सम्पर्क कर सकते हैं।
नोट :- उपरोक्त ऑनलाईन निविदा में किसी भी प्रकार की संशोधन की सूचना/जानकारी उक्त वेबसाईट पर प्राप्त कर सकते हैं। पृथक से समाचार पत्रों के माध्यम से सूचना प्रकाशित नहीं की जायेगी।
सं. 25435/2 **कार्यपालन अभियंता**

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र. 03, रायपुर (छ.ग.)
:: निविदा प्रपत्र एवं निविदा प्राप्त की तिथि संशोधन :-
जोन क्रमांक 03, नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.) द्वारा जारी किए निविदा क्रमांक 12 दिनांक 11.05.2020 को निविदा प्रपत्र दिनांक 25.05.2020 एवं निविदा प्राप की दिनांक 26.05.2020 था। परंतु 25.05.2020 को शासकीय अवकाश होने के कारण संशोधित कर निविदा प्रपत्र दिनांक 26.05.2020 एवं निविदा प्राप्त दिनांक 27.05.2020 को संशोधित किया जाता है।
पेयजल, सड़कबत्ती, सफाई समस्या निराकरण संपर्क निदान-1100
कार्यपालन अभियंता
जोन क्रमांक-3,
नगर पालिक निगम, रायपुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, कबीरधाम (छ.ग.)
नि.सू.क्र. 17 त.शा./का.अ./लो.स्वा.यां. खंड/2020, कबीरधाम, दिनांक 15.05.2020
मैनुअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना
मुहरबंद निविदाएं नीचे उल्लेखित कार्य हेतु प्रपत्र ''ए'' प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में ई-पंजीयन प्रणाली की ''द'' एवं उच्च श्रेणी में पंजीबद्ध ठेकेदारों से स्पीड पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है।
निविदा प्रपत्र क्रय करने के लिए खण्ड कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 30.05.2020 समय 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 02.06.2020 समय 5.30 बजे तक
कार्य का विवरण :- वि.खं. कवर्धा, स. लोहारा अंतर्गत नल जल प्रदाय में राईजिंग मेन अंतर्गत यू.पी.व्ही.सी. पाईप प्रदाय कर जोड़ने बिछाने इत्यादि कार्य।

समूह क्र.	वि.खं./ ग्राम का नाम	कार्य की लागत (रु. लाख में)
1	वि.खं. कवर्धा के ग्राम मरका	रुपए 02.65 लाख
2	वि.खं. कवर्धा के ग्राम नेवारीगुड़ा	रुपए 02.96 लाख
3	वि.खं. स. लोहारा के ग्राम अचानकपुर	रुपए 04.30 लाख
4	वि.खं. स. लोहारा के ग्राम गगरिया	रुपए 04.58 लाख
5	वि.खं. स. लोहार के ग्राम गौरमाटी	रुपए 07.80 लाख
6	वि.खं. स. लोहारा के ग्राम रक्से	रुपए 04.58

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानाकरी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
कबीरधाम (छ.ग.)
जी-80959/3

छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल
(आवास एवं पर्यावरण विभाग)
जन सूचना
माननीय नेशनल ग्रीम ट्रिब्युनल, प्रिंसिपल बेंच, नई दिल्ली द्वारा प्रकरण ओ.ए. क्रमांक 46/2018 द्वारा नुग्गेहल्ली जयासिम्हा विरूद्ध अन्य में दिनांक 24/01/2020 को जारी आदेश में राज्य के समस्त नगरीय निकायों को राज्य में स्थित डेयरियों/ कैटल फार्मों/ गौशालाओं की इन्वेन्ट्री तैयार करने एवं संबंधितों को दो सप्ताह के भीतर आवश्यक जानकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही समस्त डेयरियों/ कैटल फर्मों/ गौशालाओं को पर्यावरण एवं लोक स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु समस्त आवश्यक उपाय अपनाए जाने हेतु भी निर्देशित किया गया है। अतः इस पब्लिक नोटिस द्वारा सभी संबंधितों को उपरोक्तानुसार जानकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल को प्रेषित करने तथा पर्यावरण एवं लोक स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु समस्त आवश्यक उपाय अपनाए जाने हेतु सूचित किया जाता है।
सदस्य सचिव
सं.-25449/4 छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,
नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

शक्ति कपूर ने प्रवासी मजूदरों को डेडिकेट किया गाना

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जाने माने चरित्र अभिनेता शक्ति कपूर ने लॉकडाउन के बीच अपने घर-परिवार से दूर फंसे प्रवासी मजदूरों की परेशानी को देखते हुए एक भावुक गाना गाया है। कोरोना वायरस के खतरे के चलते देशभर में लॉकडाउन लगा हुआ है। लॉकडाउन का सबसे ज्यादा असर प्रवासी कामगारों पर पड़ा है।शक्ति ने इन मजदूरों की परेशानी पर एक भावुक गाना गया है।

शक्ति कपूर के इस गाने के बोल हैं 'मुझे घर है जाना' शक्ति ने इस गाने का पूरा मुखड़ा गया। उन्होंने गाते हुए कहा कि 'आया तो था धन कमाने लेकिन इस शहर में मुझे दुख ही दुख मिले अब मुझे इस शहर में नहीं है रहना मुझे घर है जाना' गाने के अंत में वे कहते हैं कि सरकार से मेरी गुजारिश है कि मुझे घर है जाना। शक्ति कपूर ने सरकार से कहा कि किसी भी तरह से इनका पैदल जाना बंद करवाइए। इनको खाना दीजिए जिससे ये सुकून से सो सकें। उन्होंने कहा कि ये लोग घर पहुंचने के चक्कर में जान दे रहे हैं , हम सब लोग इन्हें समझाएंगे लेकिन अभी इनको आप खाना दीजिए।रहने की जगह दीजिए।

रमजान में जरूरतमंदों की मदद करेंगे सलमान

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने रमजान पर जरूरतमंद लोगों की मदद करने का निर्णय किया है जिससे उनकी ईद फीकी नहीं पड़े। सलमान खान लॉकडाउन पीरियड में ज्याद से ज्यादा प्रभावित लोगों को मदद पहुंचा रहे हैं। अब रमजान के महीने में सलमान ने और ज्यादा लोगों को मदद पहुंचाने का फैसला किया है। इसके लिए सलमान ने अपनी टीम से भी बात की है और मदद पर अपनी नजर बनाए हुए हैं।रमजान के महीने में सलमान ज्यादा से ज्यादा लोगों तक मदद पहुंचाना चाहते हैं। सलमान इन दिनों अपने पनवेल फार्म हाउस पर हैं।मुंबई में सलमान की गैरमौजूदगी में उनके पिता सलीम खान गरीबों तक खाना पहुंचाने के काम की देखरेख कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सलमान ने अपनी टीम से कहा है कि रमजान के महीने में जहां तक संभव हो, हर जरूरतमंद को खाना पहुंचाया जाए। सलमान ने अपने फार्महाउस के आसपास के गावों में भी खाने-पीने की व्यवस्था की है जिससे लगभग 2500 परिवारों की जरूरतें पूरी हुई हैं।

लॉकडाउन में किसानों की मदद के लिये आगे आयीं जूही चावला

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की चुलबुली अभिनेत्री जूही चावला कोरोना वायरस महामारी के कारण जारी लॉकडाउन में किसानों की मदद के लिए आगे आयी हैं। जूही की मुंबई से कुछ दूरी पर एक कृषि भूमि है, जहां विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा जैविक खेती का अभ्यास किया जाता है। जूही ने अब इस मौसम में धान की खेती करने के लिए इसे भूमिहीन किसानों के लिए खोल दिया है। जूही चावला ने कहा ,चूंकि हम अभी लॉकडाउन में हैं, ऐसे में मैंने भूमिहीन किसानों को खेती करने के लिए अपनी जमीन देने का फैसला लिया है। वे यहां इस मौसम में धान की खेती कर सकते हैं और बदले में उत्पाद का एक छोटा सा हिस्सा अपने लिए रख सकते हैं।यह कोई नई बात नहीं है। पुराने जमाने में लोग इसी तरह से खेती करते थे। यह एक अच्छी बात है। हमारे किसानों को मिट्टी, हवा, जमीन के बारे में शहर में रहने वाले लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा पता है। जूही ने अपने लोगों से धान की इस खेती पर नजर रखने को कहा है, जिससे इन्हें उगाने के लिए केवल जैविक पद्धतियों का ही उपयोग किया जाए और किसी भी तरह का कोई भी रसायन फॉर्म में न घुसने पाए। जूही ने कहा ,÷यह हम सभी के लिए बेहतर है। हमारे लिए भी और हमारे किसानों के लिए भी। हम कठिन नहीं बल्कि स्मार्ट तरीके से काम कर रहे हैं।

हर दिन ऋषि कपूर को मिस कर रहे हैं रणधीर कपूर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता और फिल्मकार रणधीर कपूर का कहना है कि उनका परिवार हर दिन ऋषि कपूर को मिस कर रहा है। ऋषि कपूर के निधन के काफी दिन बीत चुके हैं लेकिन उनका परिवार उन्हें अब भी रोज़ याद करता है। ऋषि का निधन 30 अप्रैल को हुआ था। ऋषि के भाई रणधीर कपूर ने बताया है कि ऋषि के जाने के बाद उनका परिवार खुद को कैसे संभाल रहा है। रणधीर कपूर ने बताया कि, ÷परिवार ऋषि कपूर के जाने के ग़म से उबर रहा है। भगवान की हम पर कृपा है वो हमे इस दुख से लड़ने की ताक़त दे रहा है। हम उसे हर रोज़ मिस करते हैं। दोस्तों के मामले में, खाने के मामले में, फिल्मों के मामले में, परिवार के मामले में हम दोनों एक ही जैसे थे।

रणधीर कपूर ने लोगों का शुक्रियाअदा करते हुए कहा, यहां से लेकर विदेश तक के लोगों ने हमें खूब प्यार दिया। हमारे पास मैसेजों की बाढ़ आ गई थी। कुछ लोगों ने तो ऋषि कपूर के साथ अपना एक्सपीरियंस भी शेयर किया। सबको रिप्लाई करना हमारे लिए मुमकिन नहीं था, लेकिन मैं अब सबका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, और उनके फैंस से कहना चाहता हूं कि ऋषि को उनकी फिल्मों के लिए, उनकी मुस्कान के लिए और उनकी जिंदादिली के लिए याद रखें।

गेंद पर मुंह की लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश जारी

गेंद को संक्रमण मुक्त रखना भी एक विकल्प : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

मेलबोर्न (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए गेंद पर मुंह की लार के इस्तेमाल पर रोक के बीच क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) का कहना है कि मैच के दौरान गेंद को संक्रमण मुक्त रखना भी एक विकल्प हो सकता है। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले के नेतृत्व वाली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तकनीकी समिति ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए गेंदबाजों के गेंद पर मुंह की लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के स्पोटर्स साइंस और मेडिसिन मैनेजर एलेक्स कोंटोरिस का कहना है कि गेंद को संक्रमित मुक्त रखना भी एक विकल्प हो सकता है। कोंटारिस ने कहा, ÷हमें अभी तक यह नहीं पाता कि इसका गेंद पर क्या असर होगा क्योंकि हमने अभी इसका टेस्ट नहीं किया है। हमें पहले इसे टेस्ट करना होगा और उसके बाद हमें आईसीसी से बात कर इजाजत लेनी होगी। इसमें कई चीजें है जिस पर विचार किया जाना है। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि यह कितना प्रभावी होगा, हम नहीं जानते कि गेंद कैसे संक्रमित होगी और हमें यह भी नहीं पता कि हमें इसकी इजाजत दी जाएगी या नहीं। लेकिन यह एक विकल्प हो सकता है। अभी सभी मुद्दों पर चर्चा की जा रही है और सभी विकल्पों पर ध्यान दिया जा रहा है। कोंटोरिस ने कहा, कुछ खिलाड़ियों की आदत है कि वे गेंद को हाथ में लेते समय उंगली में मुंह की लार लगाकर उसे चमकाते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि आदत छोड़ने के लिए अभ्यास का समय मिले लेकिन कभी-कभी गलती हो सकती है और हमने इस बारे में चर्चा नहीं की है कि हम इससे कैसे पार पाएंगे।

गेंद लैदर की होती है और इसे संक्रमण रहित रखना मुश्किल है तथा गेंद का आकार भी बदल सकता है। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि यह कितना प्रभावी होगा, हम नहीं जानते कि गेंद कैसे संक्रमित होगी और हमें यह भी नहीं पता कि हमें इसकी इजाजत दी जाएगी या नहीं। लेकिन यह एक विकल्प हो सकता है।

दर्शक सीट पर 'डॉल' बैठाने पर एफसी सोल क्लब पर लगा जुर्माना

सोल (वार्ता)। दक्षिण कोरिया में एक फुटबॉल मैच के दौरान दर्शकों की खाली जगह भरने के लिए दर्शक सीटों पर सेक्स डॉल बैठाने को लेकर वहां के एक क्लब पर जुर्माना लगाया गया है।

दक्षिण कोरिया की के लीग ने बुधवार को कहा कि उसकी अनुशासन समिति ने एफसी सोल पर 10 करोड़ वोन (81,454 डॉलर) का जुर्माना लगाया है क्योंकि क्लब ने रविवार के मैच में दर्शक सीटों पर पुतले बैठाने के बजाये सेक्स डॉल बैठा दी थीं। कोरोना के कारण दुनिया में कई जगह फुटबॉल मुकाबले शुरू हुए हैं लेकिन दर्शकों का प्रवेश प्रतिबंधित है।

के लीग ने एक बयान में कहा कि क्लब की इस हरकत से महिला प्रशंसकों और परिवारों की भावनाएं आहत हुई हैं। इस तरह की हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और आगे इस तरह की घटना को रोकने लिए क्लब पर जुर्माना लगाया जाता है। क्लब ने इस हरकत के लिए सोमवार को माफी मांग ली थी लेकिन कहा था कि उसे पता नहीं था कि उसने जो पुतले लगाए हैं वे सेक्स डॉल हैं।

गेंद को चमकाने के लिए अन्य विकल्प जरूरी : पैट कमिंस

मेलबोर्न (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के गेंद पर मुंह की लार के इस्तेमाल पर रोक लगाने के फैसले पर कहा है कि गेंद को चमकाने के लिए अन्य विकल्प पर चर्चा होनी चाहिए।

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले के नेतृत्व वाली आईसीसी की तकनीकी समिति ने कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए गेंदबाजों के गेंद पर मुंह की लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। हालांकि पसीने के इस्तेमाल की इजाजत दी गयी है। कमिंस ने कहा, अगर हम मुंह की लार का इस्तेमाल नहीं करेंगे तो हमें अन्य विकल्प की जरुरत है। चाहे वो वैक्स हो या कुछ और, मुझे नहीं पता। अगर मुंह की लार के इस्तेमाल से खतरे हैं तो हमें अन्य विकल्प सोचने होंगे चाहे वो पसीना हो या अन्य पदार्थ। उन्होंने कहा कि पसीने का इस्तेमाल सुरक्षित है लेकिन ठंड में खेलने में परेशानी का सामना करना होगा।

नाइजीरिया की पैरा पावरलिफ्टर ओयेमा पर चार साल का प्रतिबंध

बोन (वार्ता)। नाइजीरिया की पैरा पावरलिफ्टर और पैरालम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता इस्थर ओयेमा पर डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन करने पर चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय पैरालम्पिक समिति (आईपीसी) ने इसकी जानकारी दी है। पिछले साल लागोस अंतरराष्ट्रीय पैरा पॉवरलिफ्टिंग टूर्नामेंट के बाद 28 जनवरी 2019 को उनका यूरीन सैंपल लिया गया था जिसमें प्रतिबंधित पदार्थ मिला। ओयेमा ने 2012 लंदन पैरालम्पिक में महिला 48 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन डोपिंग के कारण उन पर चार वर्ष का प्रतिबंध लगाया गया है जो तीन मई 2019 से दो मई 2023 तक रहेगा। इसके कारण वह अगले वर्ष होने वाले टोक्यो पैरालम्पिक में भाग नहीं ले पाएंगी।

पाकिस्तान अपनी संयुक्त टीम इंग्लैंड भेजेगा

इस्लामाबाद (वार्ता)। पाकिस्तान अपनी संयुक्त टीम इंग्लैंड दौरे पर भेजेगा ताकि पूरा दौरा सुरक्षित माहौल में हो सके। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की जुलाई में अपने 25 सदस्यीय संयुक्त टीम इंग्लैंड भेजने की योजना है। पाकिस्तान को अगस्त में इंग्लैंड से तीन टेस्ट और तीन टी-20 मैच खेलने हैं। पीसीबी के अनुसार टेस्ट और टी-20 टीमें एक साथ जाएंगी जिससे टीम प्रबंधन के पास अतिरिक्त विकल्प रहेंगे।

2021 में टोक्यो ओलम्पिक नहीं हुए तो रद्द हो जाएंगे: आईओसी

लंदन (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने कहा है कि यदि टोक्यो ओलम्पिक 2021 में नहीं हुए तो रद्द कर दिए जाएंगे।

टोक्यो ओलम्पिक इस साल 24 जुलाई से होने थे लेकिन कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए इन्हेंअगले साल के लिए स्थगित कर दिया गया। टोक्यो ओलम्पिक अब 23 जुलाई से आठ अगस्त 2021 तक होंगे।

अप्रैल में टोक्यो 2020 के सीईओ तोशिरो मुतो ने ओलम्पिक खेलों को और स्थगित किये जाने से इंकार किया था जबकि जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने बाद में स्पष्ट किया था कि कोरोना पर काबू पाए जाने तक ओलम्पिक का आयोजन नहीं होगा। बाक ने बीबीसी स्पोर्ट से कहा कि आप हमेशा तीन हजार से पांच हजार कर्मियों को आयोजन समिति में नहीं रख सकते, आप हर साल सभी बड़े खेल महासंघों के दुनिया भर में खेल कार्यक्रमों को नहीं बदल सकते और आप खिलाड़ियों को अनिश्चितता के माहौल में नहीं रख सकते। टोक्यो ओलम्पिक को 23 जुलाई 2021 से रखे जाने के कारण उस समय आयोजित कई खेल आयोजनों का कार्यक्रम पहले ही बदला जा चुका है।

आईओसी के अध्यक्ष ने कहा कि कई विकल्प हैं लेकिन उनका अभी कोई हल नहीं निकाला जा सकता। उन्होंने कहा कि कोई भी फैसला तभी लिया जा सकता है जब आगे की तस्वीर स्पष्ट हो। ओलम्पिक को दर्शकों के बिना कराने की संभावना पर बाक ने कहा कि आईओसी ऐसी स्थिति नहीं चाहता। इस तरह का कोई भी फैसला खिलाड़ियों, विश्व स्वास्थ्य संगठन और जापान सरकार के साथ विचार-विमर्श करने के बाद ही लिया जाएगा।

बाक ने हालांकि यह प्रतिबद्धता जताई कि अगले वर्ष जुलाई में ओलम्पिक का आयोजन किया जाएगा लेकिन उन्होंने साथ ही स्वीकार किया कि उन्हें स्वास्थ्य उपायों पर भी विचार करना होगा जिसमें एथलीटों और अन्य भागीदारों के लिए क्वारंटीन शामिल हो सकता है।

आईओसी के अध्यक्ष ने कहा कि कई विकल्प हैं लेकिन उनका अभी कोई हल नहीं निकाला जा सकता। उन्होंने कहा कि कोई भी फैसला तभी लिया जा सकता है जब आगे की तस्वीर स्पष्ट हो।

ओलम्पिक को दर्शकों के बिना कराने की संभावना पर बाक ने कहा कि आईओसी ऐसी स्थिति नहीं चाहता। इस तरह का कोई भी फैसला खिलाड़ियों, विश्व स्वास्थ्य संगठन और जापान सरकार के साथ विचार-विमर्श करने के बाद ही लिया जाएगा।

जापान सरकार ने पिछले गुरूवार को देश में आपात स्थिति हटा ली थी लेकिन टोक्यो में आपात स्थिति जारी है। जापान में बुधवार रात तक कोरोना के 16433 मामले थे और मरने वालों की संख्या 797 थी।

विदेशी खिलाड़ियों के बिना आईपीएल संभव नहीं : जौहरी

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल जौहरी ने कहा है कि विदेशी खिलाड़ियों के बिना आईपीएल कराना संभव नहीं है। कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने लॉकडाउन की घोषणा की थी और यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था जिसके बाद बीसीसीआई ने अप्रैल में आईपीएल के 13वें सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। हालांकि ऐसी भी चर्चा थी कि आईपीएल को दर्शकों और विदेशी खिलाड़ियों के बिना आयोजित कराया जाए लेकिन जौहरी ने विदेशी खिलाड़ियों के बिना टूर्नामेंट कराने की संभावना को खारिज कर दिया। जौहरी ने कहा, आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है जहां दुनियाभर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आकर खेलते हैं और सभी लोग इसे बरकरार रखना चाहते हैं। जाहिर है कि हालात धीरे-धीरे सामान्य होंगे, आप यह नहीं सोच सकते कि एकदम से चीजें सामान्य हो जाएंगी।

भोरमदेव अभ्यारण्य क्षेत्र में 40 से अधिक जगहों पर वन्यजीवों के लिए पानी की व्यवस्था

■ वन्य प्राणियों के लिए पानी की व्यवस्था को लेकर जुटा वन विभाग

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। वर्तमान समय में जंगलों में मानव दबाव कम होने के कारण वन्य प्राणी बस्तियों की ओर रूख कर रहे हैं जिसे लेकर वन विभाग कवर्धा ने लोगों को अपील करते हुए वन्य प्राणियों की खबर मिलने पर इसकी सूचना तत्काल कवर्धा वन विभाग या संबंधित थाने सहित, रेंज ऑफिस में देने के लिए अपील किया है। वहीं भोरमदेव अभ्यारण क्षेत्र में 40 से अधिक जगह वन्य प्राणियों के लिए अस्थाई रूप से पानी की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही प्रा.तिक रूप से बह रहे पानी की भी साफ सफाई की जा रही है। जिससे वन्य प्राणियों को स्वच्छ पानी उपलब्ध हो सके तथा सीमेंट से बने टंकियों में भी पानी भरकर रखा जा रहा है, इसके साथ ही समय-समय पर इस पानी टंकी की सफाई भी विभाग के द्वारा कराई जा रही हैं। जिससे वन्यप्राणियों को पानी के लिए न भटकना पडे और उन्हें वनांचल क्षेत्रों में ही पानी की उपलब्धता हो सके। वन विभाग के द्वारा वन्य प्राणियों की देखभाल के लिए विशेष पहल भी किया गया है। इसके साथ ही ऐसे जगह को चिन्हाकिंत कर पानी की व्यवस्था की गई है जहां ज्यादातर वन्य जीवो की चहलकदमी बनी रहती है। वनांचल क्षेत्रों में जहां गश्तियां बढ़ा दी गई है। वहीं ट्रैप कैमरे का भी उपयोग कर वन्य प्राणियों पर नजर रखा जा रहा है तथा वन्य प्राणियों के लिए पानी की व्यवस्था बनाए रखने पानी टैंकर का भी उपयोग किया जा रहा है। भोरमदेव अभ्यारण क्षेत्र में अनेक प्रकार के वन्य जीव विचरण करते देखे जा सकते हैं। इस क्षेत्र में बाघ, तेंदुआ, मोर, कोयल, खरगोश, हिरण, मैना, तोता, भालू, जंगली सूअर, बायसन, हाथी, वनभैंसा सहित अनेक प्रकार के वन्यजीव यहां निवास करते हैं। कबीरधाम जिले में सौं से अधिक प्रकार की पक्षियों की प्रजातियां भी पाई जाती है। तो इसके साथ ही वनांचल क्षेत्रो में ऐसे स्थानो को चयन कर वन्यप्राणियों की सुरक्षा को लेकर ट्रैप कैमरे लगाए गए है। जहां वन्यप्राणियों की मौजूदगी ज्यादातर बनी रहती है।

> वर्तमान समय में वनांचल क्षेत्रो में मानव दबाव कम होने के कारण वन्यप्राणी अगर कही बस्तियों की ओर रूख करते है तो इसकी जानकारी तत्काल ही वनविभाग, रेंज ऑफिस या फिर तत्काल संबंधित थाने को दी जाए जिससें होने वाली हानि से बचा जा सकता है। वहीं वन्यप्राणियों के लिए वनांचल क्षेत्रो में प्राकृतिक स्रोत से मिलने वाले जलो को जहां स्वच्छ किया जा रहा है वहीं अस्थाई रूप से भी पानी की व्यवस्था वन्यप्राणियों के लिए की गई है।
>
> **दिलराज प्रभाकर,** वनमंडलाधिकारी कबीरधाम
>
> भोरमदेव अभ्यारण्य क्षेत्र में लगभग 40 जगह अस्थाई रूप से वन्यप्राणियों के लिए पानी की व्यवस्था की गई है। तो इसके साथ ही प्राकृतिक जल स्रोतो को भी स्वच्छ किया जा रहा है। जिससे वन्यप्राणियों को वनांचल क्षेत्रो में ही पानी की उपलब्धता हो सके।
>
> **डी.के गोंड़ ,** भोरमदेव अभ्यारण्य क्षेत्र अधिकारी

■ न्यूज गैलरी

उद्यानिकी विभाग द्वारा मनाया गया विश्व हनी-बी दिवस

राजनांदगांव। नेशनल बी-बोर्ड कृषि, सहकारिता एवं कृषक कल्याण विभाग द्वारा किसानों को मधुमक्खी पालन के बारे में जानकारी देने जिले के विभिन्न विकासखंडों में विश्व हनी-बी दिवस मनाया गया। उद्यानिकी विभाग द्वारा जिले के राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मोहड़, छुईखदान विकासखंड के गौठान ग्राम कोड़का, अंबागढ़ चौकी विकासखंड के शासकीय उद्यान रोपणी केकतीटोला, डोंगरगढ़ विकासखंड के गौठान ग्राम मानिकपुर, मोहला विकासखंड के गौठान ग्राम बोदाला और छुरिया विकासखंड के गौठान ग्राम हालेकोसा में कोविड-19 के लिए गाईडलाईन के अनुसार सभी निर्देशों का पालन करते हुए विश्व हनी-बी दिवस मनाया गया। इसमें उपस्थित सभी किसानों को उद्यानिकी विभाग की टीम द्वारा मधुमक्खी पालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। किसानों को इसके लाभ और हानि के बारे में भी बताया गया। ताकि महिला समूह प्रेरित होकर मधुमक्खी पालन के लिए उत्साहित हो सके।

जिला भाजपा ने किया प्रवासी मजदूरों को खाद्यान्न सामग्री का वितरण

राजनांदगांव। करोना संक्रमण काल के इस वैश्विक संकट में मजदूर साथियों को अपने कार्य क्षेत्र को छोड़कर घर आने की आपाधापी में भूखे-प्यासे मजदूरों की सेवा करने के लिए जिला भाजपा द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह एवं सांसद संतोष पांडे के आवाहन पर जिला भाजपा अध्यक्ष मधुसूदन यादव के नेतृत्व में जिला भाजपा द्वारा खाद्यान्न सामग्री के पैकेट प्रवासी मजदूरों को बांटे गए। महाराष्ट्र सीमा एवं अन्य राज्यों से आने वाले कई मजदूर बसों के द्वारा अन्य जिलों की ओर जा रहे थे, उन्हें रोककर रायपुर नाका के पास राम दरबार के समीप तथा ठाकुरटोला टोल प्लाजा के पास 600 पैकेट का वितरण किया गया। वितरण कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता खूबचंद पारख, संतोष अग्रवाल, सचिन बघेल, रमेश पटेल, भरत वर्मा, रेखा मेश्राम, शोभा सोनी, सावन वर्मा, हीरेन्द्र साहू, रविन्द्र सिंह, शिव वर्मा, राजेश श्यामकर, तरूण लहरबानी, किशुन यदु, सुमित भाटिया, दिनेश गुप्ता, योगेश खत्री, प्रखर श्रीवास्तव, रघुवीर वाधवा, दिनेश गुप्ता, बंटी भाटिया, सुनील साहू, नागेश यादव, चंद्रभान जंघेल, आकाश चोपड़ा, आशुतोष सिंह, जय शर्मा, अरुण शुक्ला, बलवंत साहू, शेखर यादव, मनीष जैन, सरस्वती यादव, अकरम कुरैशी, हकीम खान आदि प्रमुख रुप से उपस्थित थे।

कुसुम दुबे महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव नियुक्त

राजनांदगांव। प्रदेश महिला कांग्रेस छग की अध्यक्ष राज्य सभा सांसद श्रीमति फूलोदेवी नेताम ने प्रदेश महिला कांग्रेस की विस्तारित कार्यकारिणी घोषित की है, जिसमें ननि राजनांदगांव की महापौर हेमा देशमुख की अनुशंसा पर अधिवक्ता श्रीमति कुसुम दुबे को प्रदेश सचिव नियुक्त की है श्रीमति कुसुम दुबे शहर महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष का दायित्व निभाते हुए भाजपा की नीतियों पर तथ्य परक प्रहार करती रही है। श्रीमीत कुसुम दुबे की नियुक्ति पर पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, विधायक दलेश्वर साहू, भुनेश्वर बघेल, छन्नी साहू, इन्द्रशाह मंडावी, प्रदेश महामंत्री शाहिद भाई, जिला अध्यक्ष ग्रामीण पदम कोठारी, शहर अध्यक्ष कुलबीर छाबड़ा, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री किशन खंडेलवाल, अलाली राम यादव, नवाज भाई, रमेश राठौर, जितेन्द्र मुदलियार, दिनेश शर्मा, महिला कांग्रेस प्रदेश महामंत्री प्रभा सोनछत्रा, संध्या देशपाण्डे, किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष महेन्द्र यादव, नगर निगम चेयरमैन सुनीता फड़नवीस, पूर्व पार्षद प्रज्ञा गुप्ता, चंद्रकला देवांगन, साबित्री श्रीवास्तव, शहर महामंत्री महेन्द्र शर्मा, प्रवीण मेश्राम, सूर्यकांत जैन, राजा त्रिपाठी, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल, महिला कांग्रेस, पदाधिकारी सहित जिले के कांग्रेसजनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

गन्ना उत्पादक 19537 किसानों को 42.86 करोड़ का सीधा लाभ मिलेगा

जिले के धान उत्पादक 78508 किसानों को 21 हजार 5 सौ 21 लाख होगा फायदा

■ प्रथम किश्त 56 लाख 64 हजार रुपए किसानों के खाते में हुई जमा

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी के शहादत दिवस पर श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी की विशेष उपस्थिति पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ किया। श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए शामिल हुए। न्याय योजना के तहत कबीरधाम जिले के एनआईसी कक्ष में धान, गन्ना उत्पादक और मक्का उत्पादक किसान शामिल हुए।

न्याय योजना किसानों को खेती-किसानी के लिए प्रोत्साहित करने की देश में अपने तरह की एक बडी योजना है। प्रदेश के किसानों के लिए शुरू की गई इस योजना के तहत कबीरधाम जिले के धान उत्पादक किसान 78 हजार 508 किसानों को 21 हजार 5 सौ 21 लाख रूपए और गन्ना उत्पादक किसान 19 हजार किसानों को 49 करोड़ रूपए की राशि चार किश्तों में सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की जाएगी। योजना का शुभारंभ होते ही धान उत्पादक किसानों को इस योजना के तहत प्रथम किस्त 56 लाख 64 हजार रूपए डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में पहुंच जाएगी।

मक्का उत्पादक किसानों को भी मिलेगा लाभ

राज्य सरकार ने इस योजना के तहत खरीफ2019 में सहकारी समिति लैम्पस के माध्यम से उपार्जित मक्का फसल के किसानों को भी लाभ देने का निर्णय लिया है। मक्का फसल के आकड़े लिए जा रहे है। जिसके आधार पर आगामी किश्त में उनको भुगतान किया जाएगा। इस योजना में राज्य सरकार ने खरीफ 2020 से इसमें धान, मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, तिल, अरहर, मूंग, उड़द, कुल्थी, रामतिल, कोदो, कोटकी तथा रबी में गन्ना फसल को शामिल किया है। सरकार ने यह भी कहा है कि अनुदान लेने वाला किसान यदि गत वर्ष धान की फसल लेता है और इस साल धान के स्थान पर योजना में शामिल अन्य फसल लेता हैं तो ऐसी स्थिति में उन्हें प्रति एकड़ अतिरिक्त सहायता दी जायेगी।

गन्ना उत्पादक 19537 किसानों को 42.86 करोड़ का सीधा लाभ मिलेगा

राजीव गांधी न्याय योजना का आज शुभारंभ किया गया। इस योजना के तहत कबीरधाम जिले के गन्ना उत्पादक 19537 किसानों को 42.86 करोड़ का सीधा लाभ मिला मिलेगा। जिले के भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित कवर्धा और सरदार वल्लभ भाई पटेल शक्कर कारखाना पंडरिया में कुल 20182 पंजी.त किसान तथा 19537 शेयरधारी किसान है। दोनो शक्कर कारखाना में कुल 457214.52 मीटरिक टन गन्ना समर्थन मूल्य 261.25 प्रति क्विंटल की दर पर किसानों द्वारा बेचा गया है, जिसकी कुल राशि 124.44 करोड़ रूपए है, जिसके तहत 37.80 करोड़ गन्ना खरीदी का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। राजीव गांधी न्याय योजना के तहत 19537 किसानों को 42.86 करोड़ का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे किसान बेहतर आजीविका के साथ उन्नत खेती कर सकेंगे। गन्ना उत्पादन अधिक होने के कारण यहां दोनो कारखाने में प्रत्यक्ष रोजगार के रूप में दो हजार लोगों को रोजगार मिल रहा है तथा गन्ना कटाई एवं विविध कार्य से अप्रत्यक्ष रूप से 15 से 20 हजार कृषक को रोजगार मिलता है।

कचरा मुक्त शहरों की रैंकिंग में नगर को मिला थ्री स्टार

नवप्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। केन्द्रीय आवास एवं शहरी मंत्रालय द्वारा पूरे देश भर के शहरों की स्वच्छता का आकलन करने के लिये स्वच्छता सर्वेक्षण किया गया था। जिसके आधार पर सभी शहरों को अलग अलग केटेगरी में बाटा गया और केटेगरी के आधार पर राजनांदगांव शहर को कचरा मुक्त शहरों की रैकिंग में थ्री स्टार रैकिंग प्राप्त हुआ एवं ओडीएफप्लस प्लस होने का गौरव हासिल हुआ है। थ्री स्टार रैकिंग प्राप्त होने एवं ओडीएफप्लस प्लस होने पर महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख एवं नगर निगम आयुक्त चंद्रकांत कौशिक ने सभी सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदीयों, नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों सहित शहर के नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, पत्रकार बंधुओं को बधाई देते हुये सहयोग करने पर आभार व्यक्त किया है।

महापौर श्रीमती देशमुख ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2020 के तहत सरकार द्वारा नियुक्त एजेंसी के माध्यम से शहर में ओडीएफएवं स्वच्छता सर्वेक्षण कराया गया। सर्वेक्षण में राजनांदगांव को ओ.डी.एफ प्लस प्लस के साथ साथ स्वच्छता सर्वेक्षण में कचरा मुक्त शहरों की जारी सूची में थ्री स्टार रैकिंग प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि इसका सबसे बड़ा श्रेय हमारे स्वच्छता दीदीयों व सफाई मित्रों को जाता है। जिन्होंने दिन रात मेहनत कर शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी सहित निगम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग के साथ साथ शहर के नागरिकों सामाजसेवी संस्था, पत्रकार बंधुओं का भी सहयोग प्राप्त हुआ। जिसके कारण स्वच्छता में उच्च रैकिंग को प्राप्त करने के साथ साथ हमारा शहर ओ.डी.एफ प्लस प्लस हुआ। इसके लिये मैं सभी का आभार व्यक्त करती हूॅ। इसके अलावा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय भूपेश बघेल जी, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री माननीय डॉ शिव डहरिया जी का भी मैं आभार व्यक्त करती हूॅ, जिनके नेतृत्व में प्रदेश ओ.डी.एफ प्लस प्लस होने के साथ साथ स्टार रैकिंग में भी प्रदेश का दबदबा रहा है।

थके-प्यासे मजदूरों की मदद के लिए आईटीबीपी ने बढ़ाया हाथ

■ बाघनदी इलाके में तैनात आईटीबीपी के 38वीं वाहिनी का दिखा सेवाभाव

राजनांदगांव। लॉकडाउन में अप्रवासी मजदूरों की बदहाल हालत को दुरूस्त करने के लिए बाघनदी बार्डर में तैनात आईटीबीपी की 38वीं वाहिनी ने सेवाभाव दिखाते हुए मजदूरों की सुध ली है। बार्डर में बड़े पैमाने पर थके-प्यासे पहुंच रहे मजदूरों के प्रति उदारता का परिचय देते हुए आईटीबीपी के जवान पूरी शिद्दत के साथ मदद के लिए सामने आ रहे हैं। आईटीबीपी के मददगार रूख ने मजदूरों की भूख और प्यास को दूर करने का काम किया है। सिविक एक्शन प्लान के तहत 38वीं वाहिनी की ओर से भोजन के पैकेट के साथ-साथ मठा भी मजदूरों को दिया जा रहा है। आईटीबीपी की ओर से मजदूरों को बार्डर में प्रवेश करते ही भोजन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा शारीरिक परेशानी से त्रस्त मजदूरों को चिकित्सकों की सलाह के पश्चात दवाई भी दी जा रही है। इस संबंध में डिप्टी कमांडेंट रंजन कुमार ने कहा कि कमांडेंट नरेन्द्र सिंह के दिशा-निर्देश पर सिविक एक्शन प्लान के तहत मजदूरों को मदद की जा रही है। आईटीबीपी सामाजिक सरोकार से जुड़ते हुए यह प्रयास कर रहा है। इधर बाघनदी बार्डर में आईटीबीपी की ओर से सूखे खाद्य पदार्थ भी दिए जा रहे हैं। मजदूरों की तकलीफको दूर करने की कोशिश में जुटे आईटीबीपी के आलाधिकारी और अन्य जवान हरसंभव मजदूरों की दशा को सुधारने में मदद कर रहे हैं। आईटीबीपी के इस प्रयास की जमकर सराहना हो रही है। आईटीबीपी 24 घंटे बार्डर में मजदूरों की देखभाल के लिए डटा हुआ है।

मनाया गया पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्य तिथि

बोड़ला। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्य तिथि नगर पंचायत बोड़ला में मनाया गया। जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सावित्री देवी साहू, नगर पंचायत उपाध्यक्ष संतोष अवस्थी, पार्षद गण एवं सभापति जिनमें शमशाद बेगम, पर्यटन, शशि खरे, ओम प्रकाश शर्मा, विसर्जन धुर्वे, दयाराम खुसरो, भरत गुप्ता, अर्जुन पटेल के अलावा अध्यक्ष प्रतिनिधि रामचरण साहू ब्लॉक कांग्रेस कमेटी व सेवादल के दीपक माग्रे, युवा कांग्रेसी बंटी खान, पूरन मानिकपुरी, डोगेन्द्र वर्मा,नारायण साहू, अनुज वर्मा सहित नगर पंचायत के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे कार्यक्रम में सबसे पहले राजीव गांधी के तैल चित्र पर गुलाल हुआ फूल माला चढ़ाकर 2 मिनट मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया गया अपने उद्बोधन में वक्ताओं जिनमें नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री साहू उपाध्यक्ष संतोष अवस्थी पार्षद सभापति ओम प्रकाश शर्मा एवं सेवादल के दीपक माग्रे आदि ने बारी बारी से स्वप्न .ष्टा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के जीवन वृत्त पर प्रकाश डालते हुए देश को उनके योगदान को याद करते हुए मुख्य रूप से संचार क्रांति, पंचायती राज शसक्तीकरण, व्यस्क मताधिकार पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

पुलिस अधीक्षक ने आंतकवाद विरोधी दिवस पर कराया शपथ ग्रहण

कवर्धा। गुरूवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आतंकवाद विरोधी दिवस पर पुलिस अधीक्षक के.एल.ध्रुव के द्वारा कार्यालयीन पुलिस अधिकारी-कर्मचारी को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुये शपथ दिलाया गया। आंतकवादी विरोधी दिवस के अवसर पर आंतक और हिंसा का डटकर विरोध करने की शपथ पुलिस अधीक्षक के द्वारा दिलाया गया और कहा गया कि हमें अपने आसपास के लोगो को भी आंतकवाद नक्सलवाद और समाज में हो रहे अन्याय से अवगत कराना चाहिये। लोगो को जागरूक करने की दिशा में हमेशा कार्य कराते रहना चाहिये कहा गया।

आतंकवाद विरोधी दिवस पर अधिकारियों व कर्ममचारियों ने ली शपथ

कवर्धा। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में गुरुवार को आतंकवाद विरोधी दिवस पर अधिकारियों व कर्ममचारियों ने शपथ ली। जिला शिक्षा अधिकारी के.एल.महिलांगे द्वारा सोशल डिस्टेन्सिग व मास्क का उपयोग सुनिश्चित करते हुए कार्यालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने एवं मानव जाति मे शान्ति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने व मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुँचाने वाली और विघटनकारी शक्तियों से लड़ने संबंधी शपथ दिलाई गई। इस दौरान सहायक संचालक एमके गुप्ता, यूआर चंद्राकर, एमआईएस प्रशासक सतीश यदु सहित कर्मचारीगण मौजूद थे।

अपना पक्ष | कलेक्टर सहित मंत्रियों के नाम सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई नहीं हुई तो होगा उग्र आंदोलन

सरदार वल्लभ भाई पटेल शक्कर कारखाना के एमडी पर श्रमिकों ने लगाया मनमानी का आरोप

कवर्धा। श्शक्कर कारखाना के श्रमिकों ने अपनी मांगो को लेकर जहां कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है वहीं सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना के एमडी के ऊपर मनमानी का आरोप भी लगाया है। ज्ञापन सौंपने वालो में रमाशंकर विश्वकर्मा, अशोक बंजारे, मेलनदास, सत्यप्रकाश उपस्थित थे वहीं ज्ञापन में यह उल्लेखित किया गया कि लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना पंडरिया के हम श्रमिकों को पहले 14.03.2020 को (पेड-ऑफ) काम से निकालना उसके बाद हम श्रमिकों का दिसबंर का भी वेतन कटौती किया गया हैं और छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग के द्वारा हम श्रमिकों को अवकाश युक्त वेतन देने का आदेश का निकाला गया है जिसको देखते हुए हमें अवकाश युक्त वेतन चाहिए था वह भी नही दिया गया।

शक्कर कारखाना पंडरिया एमडी द्वारा छत्तीसगढ़ शासन श्रम विभाग आदेश का एमडी द्वारा धज्जियां उड़ाई जा रही है। श्रम विभाग आदेश का पालन नही किया जा रहा है। और श्रमिकों को काम से निकाला गया हैं और अवकाश युक्त वेतन भी नही दिया जा रहा हैं और दिसम्बर का 14.12.2019 से 31.12.2019 का वेतन भी अभी तक नही दिया गया है।

पंडरिया शक्कर कारखाना के एमडी अपनी मनमानी तानाशाही रवैया कर रहा है,जिसको लेकर हम श्रमिक सोसल डिस्टेंसिंग, मास्क और लॉक डाउन का पालन करते हुए कुछ श्रमिक कलेक्टर कार्यालय में ज्ञापन दिए।

समस्त मजदूर श्रमिकों का और हमारे सभी के परिवार का जीवकोपार्जन का मात्र एक ही सहारा शक्कर कारखाना पंडरिया ही हैं। जिसमे समस्त मजदूर श्रमिक काम करके अपने व परिवार का जीवन यापन कर रहे थे।

जिससे हमें काम से निकालने से और हमारे वेतन कटौती व इस कोरोना वायरस(कोविड-19) की इस महामारी संक्रमण बीमारी को देखते हुए श्रम विभाग (छ,ग)शासन द्वारा अवकाश युक्त वेतन देने का आदेश दिये हैं कोरोना वायरस महामारी के संकट के समय मे हमारे एवं हमारे परिवार का सहायता करते हुए, हमें हमारे अवकाश युक्त पारिश्रमिक भुगतान वेतन देवे।

यदि दोषी के खिलाफकार्यवाही और मांग जल्द से जल्द पूरी नही किया जाता है तो समस्त श्रमिक 390, लॉक डाउन, सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क, सेनेटाइजर का उपयोग करते हुए लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल सहकारी शक्कर कारखाना श्रमिक कल्याण संघ के बेनर तले उग्र से उग्र आंदोलन करेंगे।

न्यूज गैलरी

मोटोरोला ने लांच किया नया स्मार्टफोन मोटो जी8 पावर लाइट

नई दिल्ली (वार्ता)। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला ने आज भारतीय बाजार में अपना नया स्मार्टफोन मोटझे जी 8 पावर लाइट लॉंच करने की घोषणा की जिसकी कीमत 8999 रुपये है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि एंड्रायड 9 ऑपरेटिंग सिस्टम और मीडियाटेक हेलियो पी 35 प्रोसेसर आधारित इस स्मार्टफोन में 5000 एमएएच की बैटरी है। इस स्मार्टफोन में 16 एमपी, दो एमपी और दो एमपी का त्रिपल रियर कैमरा है जबकि आठ एमपी का फ्रंट कैमरा है। इसमें 4 जीबी रॉम और 64 जीबी रैम है जिसे 256 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। इस मोबाइल फोन की 29 मई को फ्लिपकार्ट पर बिक्री होगी।

रुपया 19 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रा पर बने दबाव और घरेलू स्तर पर शेयर बाजार में जारी तेजी से मिले समर्थन के बल पर बुधवार को अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में आज रुपया 19 पैसे चढ़कर 75.61 रुपये प्रति डॉलर पर रहा। पिछले दिवस रुपया 75.80 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपया आज 10 पैसे की मजबूती लेकर 75.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान यह 75.82 रुपये प्रति डॉलर के निचले और 75.61 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर के बीच रहा। अंत में यह पिछले दिवस की तुलना में 19 पैसे मजबूत होकर 75.61 रुपये प्रति डॉलर पर रहा।

सिएट टायर 30 हजार कामगारों तक पहुंचा

नई दिल्ली (वार्ता)। कर्मचारियों के हित को बनाए रखने में सहायता करने के लिए टायर बनाने वाली कंपनी सिएट टायर ने कॉफ्टि -20 पहल के बाद ऑटोमोटिव पारिस्थितिकी तंत्र के असंगठित सदस्यों के बीच कोरोना वायरस से उत्पन्न स्थिति में जागरूकता पैदा करने का काम शुरू किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि मुंबई, दिल्ली, पुणे, कोल्हापुर, नागपुर, नासिक, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, लखनऊ, कानपुर, मेरठ, आगरा, वाराणसी, अहमदाबाद, कोलकाता, पटना और रांची शहरों में ऑटो और छोटे वाणिज्यिक वाहन के लगभग 15000 ड्राइवरों तक पहुंच गया है। सिएट टीम ने अपने मुख्य फिटनेस अधिकारी डॉ. आठवले के साथ मैकेनिकों की बातचीत का आयोजन किया। उसने जागरूकता बढ़ाई और मैकेनिकों के कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब दिए। डॉ. आठवले ने सवालों के जवाब दिए और कोरोना से बचाव के उपाय बताये। कंपनी की योजना अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ, पुणे, पटना और रांची के डीलरों और उप-डीलरों के साथ-साथ 15000 से अधिक ऑटो चालकों तक पहुंचने की है।

कोरोना वायरय के संकट से पूरी दुनिया प्रभावित

भारत, चीन और इंडोनिशिया पर कम असर

वाशिंगटन। कोरोना महामारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था पुरी तरह चरमरा गई है। हालांकि, इसका सबसे कम असर भारत,चीन और इंडोनिशिया पर होगा। वहीं भारत की आर्थिक संभावनाओं को लेकर 'सतर्कतापूर्ण आशावाद व्यक्ति करते हुए वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में कहा गया कि 2020- 21 की वास्तविक जीडीपी वृद्धि कोविड- 19 महामारी की तीव्रता, अवधि और प्रसार पर निर्भर करेगी।

अमेरिकी कांग्रेस के स्वतंत्र शोध केंद्र ने कोविड-19 के वैश्विक आर्थिक प्रभावों के बारे में अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि दुनिया की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं कोरोना वायरस के प्रकोप से नुकसान में हैं, लेकिन केवल तीन देशों चीन, भारत और इंडोनेशिया की विकास दर 2020 में सकारात्मक रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूरोप में जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, स्पेन और इटली में तीन करोड़ से अधिक लोगों ने सरकारी सहायता के लिए आवेदन किया है। वर्ष 2020 की पहली तिमाही के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि यूरोक्षेत्र की अर्थव्यवस्था में 3.8 प्रतिशत की कमी हुई है, 1995 से अब तक की सबसे बड़ी गिरावट है।

आर्थिक वृद्धि कोविड-19 की स्थिति पर निर्भर करेगी: वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामले विभाग द्वारा तैयार इस रिपोर्ट में हालांकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के उस नोट का जिक्र किया गया है जिसमें भारत की आर्थिक वृद्धि चालू वित्त वर्ष के दौरान 1.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अभी शुरुआती दिन हैं और कोविड- 19 अभी कम नहीं हुआ है। वर्ष 2020- 21 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि कोविड- 19 के देश की सीमाओं के भीतर इसके प्रसार, तीव्रता और समय पर निर्भर करेगी।

> कोविड- 19 में तीव्र प्रसार और विभिन्न देशों में जारी लॉकडाउन से यह जोखिम खड़ा हुआ है। इसमें कहा गया है कि भारत कोविड-19 महामारी से सामने आए स्वास्थ्य संकट से निपट रहा है और अब अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की तरफध्यान दिया जा रहा है। सरकार और रिजर्व बैंक मिलकर अर्थव्यवस्था के प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिये राजकोषीय और मौद्रिक उपाय कर रहे हैं।

अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की कवायद

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि भारत की आर्थिक वृद्धि में गिरावट का जोखिम वैश्विक सुस्ती के गहराने और आपूर्ति श्रृंखला के गड़बड़ाने से है। कोविड- 19 में तीव्र प्रसार और विभिन्न देशों में जारी लॉकडाउन से यह जोखिम खड़ा हुआ है। इसमें कहा गया है कि भारत कोविड-19 महामारी से सामने आए स्वास्थ्य संकट से निपट रहा है और अब अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने की तरफ ध्यान दिया जा रहा है। सरकार और रिजर्व बैंक मिलकर अर्थव्यवस्था के प्रभावित क्षेत्रों को समर्थन देने के लिये राजकोषीय और मौद्रिक उपाय कर रहे हैं।

रिलायंस के राइट इश्यू को निवेशकों ने हाथों हाथ लपका

मुंबई (वार्ता)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के राइट्स इश्यू ने बुधवार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) राइट्स इनटाइटलमेंट (आरई) प्लेटफॉर्म पर धमाकेदार एंट्री की और पहले दिन ही 40 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

राइट इश्यू आज खुला और नेशनल स्टाक एक्सचेंज(एनएसई) में कारोबार के पहले दिन आरई 39.53 फीसदी ऊपर 212 रुपये पर पर बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत में यह 158.05 रुपए पर खुला और इसके बाद पीछे नहीं हटा और निवेशकों ने इसे हाथों-हाथ लपका और समाप्ति पर 212 रुपये पर बंद हुआ।

रिलायंस के आरई की डिमांड इतनी थी कि कारोबार के दौरान इसकी मांग काफी अधिक रही। एनएसई में आज रिलायंस के 2.91 करोड़ आरई शेयरों का कारोबार हुआ। वहीं रिलायंस के 2.55 करोड़ शेयरों में ही लेनदेन हुआ।

अब तक शेयरधारक जो राइट्स इश्यू में आवेदन नहीं करते थे उनका आरई खत्म हो जाता था या किसी और को मुफ्त में हस्तांतरण करना होता था। देश के इतिहास में पहली बार स्टॉक एक्सचेंज पर आरई ट्रेडिंग शुरू हुई। इसकी शुरुआत रिलायंस के आरई से हुई है। आज कारोबार के लिए आरई ट्रेडिंग प्राइस बैंड नीचे 91.15 रुपए और ऊंचे स्तर पर 212.65 रुपए था।

ऑफिस ने अपने नये उत्पाद के माध्यम से 'वर्क फ्रॉम होम' में मचाई धूम

नई दिल्ली (वार्ता)। देश के सबसे बड़े घरेलू को-वर्किंग स्पेस प्रोवाइडर ऑफिस ने अपनी नई अभिनव पेशकश 'ऑफिस होम' को लॉन्च कर अपने वर्क प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को और विविधतापूर्ण बनाया है।

ऑफिस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं संस्थापक अमित रमानी ने कहा, ''वर्क फ्रॉम होम ने वर्तमान स्थिति ने काम करने की नई शैली को जन्म दिया है। कंपनियां और लोग इस नये नियम के अनुसार चलने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं और अभी को एक ऐसे समाधान की जरूरत है, जो उन्हें घर बैठे, सुरक्षित तरीके से उत्पादनशीलता और क्षमता बनाये रखने और निर्मित करने में मदद दे। ऑफिसञ्होम एक क्रांतिकारी समाधान है, जो दूर से काम करने की लोचशीलता के साथ कार्यालय जैसी उत्पादनशीलता देता है। इसकी पेशकशों में स्मार्ट फर्नीचर से लेकर बाधारहित संपर्कशीलता शामिल हैं।

उन्होंने कहा वर्तमान के पूर्णबंदी में घर से काम करना विकल्प की बजाए जरूरत बन गया है और लोगों तथा कंपनियों को काम करने की नई शैली की चुनौतियों को तुरंत अपनाने की जरूरत है। घर से काम करना (वर्क फ्रॉम होम) को कंपनियां लंबी अवधि की व्यवसाय निरंतरता के लिये इसे एक अच्छे विकल्प के तौर पर देख रही हैं और यह कर्मचारियों की पसंद बन रहा है। वर्क फ्रॉम होम से कंपनियों का खर्च बचेगा और कर्मचारियों को अधिक लचीलापन मिलेगा। कंपनियों की तैयारी का मूल्यांकन करने और घर से काम करने के लिये कर्मचारी को पर्याप्त अवसंरचना देने वाले समाधान की जरूरत ने

छोटे दुकानदारों को ऑनलाइन प्लेटफार्म देगा फेसबुक का शॉप्स

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की मार झेल रहे छोटे किराना दुकानदारों और कारोबारियों को मदद देने के लिए फेसबुक 'शॉप्स' नाम से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म शुरू करने जा रहा है। इसके जरिए वह ऑनलाइन शॉपिंग में घुसने की तैयारी कर रहा है। अब फेसबुक अपनी फेसबुक शॉप के जरिए ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन को टक्कर देने की सोच रहा है। ग्राहक इन स्टोर को फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए देख सकते हैं। इस प्लेटफॉर्म पर दुकानदार अपनी दुकान लगा पाएंगे और उसमें अपने तरीके से सामानों को बेच पाएंगे। यह प्लेटाफॉर्म, फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सअप पर उपलब्ध होगा।

सिम्पली लोकल स्टार्टअप का इस्तेमाल पांच सौ प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली (वार्ता)। वैश्विक महामारी कोविड-19 के संकटकाल में स्वयं को वायरस से बचाने के साथ.साथ रोजाना के कार्यों के लिए बाहर नहीं निकलना पड़े और काम भी सहजता से हो जाये इसमें स्टार्टअप बहुत मददगार साबित हो रहे हैं और ऐसे ही एक स्टार्टअप सिम्पली लोकल ने खासी जगह बनाई है। समुदाय आधारित ऐप सिम्पली लोकल लाकडाउन में काफी लोकप्रिय हो रहा है। यह देश का पहला विकेंद्रीकृत सामुदायिक ऐप है जो बड़ी संख्या में लोगों को जियो फेंसिग प्रौद्योगिकी से डिजिटल के माध्यम से जोड़ने में काफी कारगर साबित हो रहा है और लाकडाउन में इसका इस्तेमाल पांच सौ प्रतिशत बढ़ा है।

सिम्पली लोकल के संस्थापक निखिल बापना ने गुरुवार को कहा कि इस ऐप को हाल में उतारा गया था और कोविड-19 की चुनौती से निपटने के लिए देश में लगाए गए लॉकडाडन के दौरान सामने आई चुनौतियों को ध्यान में रखकर इसे उन्नत बनाया गया। अब यह ऐप सरकारी संस्थानों और आरडब्ल्यूए को वायरस के सामुदायिक नियंत्रण में काफी मददगार साबित हो रहा है। बापना ने कहा कि कोरोना वायरस का फैलाव बहुत बड़ी चिंता है और सामुदायिक प्रबंध नितांत जरुरी हो गया है। देश के शहरी क्षेत्रों में अत्यंत घनी आबादी और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में ऐप के जरिये सूचनाओं का आदान-प्रदान बड़ी आसानी से किया जा सकता है जो संक्रमण के फैलाव को सामुदायिक स्तर पर रोकने में मददगार साबित हो सकता है । उन्होंने कहा कि सिम्पली लोकल के इस ऐप के जरिये निवासी इलेक्ट्रिशियन और प्लम्बर से घर से बाहर निकले आसानी से संपर्क कर सकते हैं।

शेयर बाजार में उथल-पुथल | बैंक निफ्टी, फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक और रियलटी नुकसान के साथ बंद

सेंसेक्स 31000 अंक नीचे, निफ्टी 9100 के ऊपर बंद

नई दिल्ली। बुधवार की तरह आज यानी गुरुवार को भी शेयर बाजार में दिन भर उथल-पुथल रही। सुबह सपाट शुरुआत करने वाला बाजार अंततः हरे निशान के साथ बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 114.29 अंक की बढ़त के बाद 30,932.90 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 9,100 के ऊपर बंद होने में कामयाब रहा। आज निफ्टी में केवल 39.70 (0.44%) अंकों की बढ़त दर्ज की गई। अगर सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो आज बैंक निफ्टी, फाइनेंशियल सर्विसेज, प्राइवेट बैंक और रियलटी नुकसान के साथ बंद हुए। वहीं आज निफ्टी ऑटो 2.61 फीसद, एफएमसीजी 2.19त्न, आईटी 0.97 फीसद, मीडिया 1.76 फीसद, मेटल 1.83, फार्मा 0.67 और पीएसयू बैंक 0.66 फीसद ऊपर बंद हुए। वहीं बीएसई पर सेंसेक्स के स्टॉक की बात करें तो ITC के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.48 त्न की तेजी देखी गई। एशियन पेंट के शेयरों में रौनक दिखी और यह 4.97 त्न उछल कर 1575 रुपये पर बंद हुआ। वहीं हीरो मोटर भी करीब 4 फीसद ऊपर बंद हुआ। मारुति के शेयर 3.14 % और BAJAJ-AUTO 2.57 % ऊपर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजार की आज हरे निशान के साथ शुरुआत हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स गुरुवार को 85 अंक ऊपर 30904 के स्तर पर खुला तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 9,079 के स्तर से आज दिन के कारोबार की शुरुआत की। वहीं रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की तेजी के साथ 75.61 (अनंतिम) पर बंद हुआ। मजबूत वैश्विक संकेतों के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को कच्चे तेल की कीमत 58 रुपये की तेजी के साथ 2,578 रुपये प्रति बैरल हो गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून माह में डिलिवरी वाले कच्चे तेल की कीमत 58 रुपये यानी 2.3 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,578 रुपये प्रति बैरल हो गई। इसमें 6,391 लॉट के लिए कारोबार हुआ।

कच्चा तेल के जुलाई माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 61 रुपये यानी 2.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,643 रुपये प्रति बैरल हो गई। इसमें 238 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों के आकार को बढ़ाने से यहां वायदा कारोबार में कच्चातेल कीमतों में तेजी आई। वैश्विक स्तर पर न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चातेल की कीमत 2.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 34.22 डालर प्रति बैरल हो गया जबकि ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.79 प्रतिशत की तेजी के साथ 36.39 डॉलर प्रति बैरल हो गई। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे की तेजी के साथ 75.61 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख से

बीएमडब्ल्यू ने लॉन्च की नई बाइक

कीमत 9.9 लाख से 11.5 लाख रुपये के बीच

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू मोटररैड ने भारतीय बाजार में अपनी एफ900 आर और एफ900 एक्सआर के नए संस्करण उतारे हैं। इनकी शोरूम कीमत 9.9 लाख रुपये से 11.5 लाख रुपये के बीच है। बीएमडब्ल्यू मोटररैड लक्जरी कार बनाने वाली जर्मनी की कंपनी बीएमडब्ल्यू की दोपहिया वाहन इकाई है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि दोनों मोटरसाइकिल पूरी तरह से बनकर आयात होंगी। इससे आशय है कि कंपनी इन्हें असेंबल नहीं करेगी। यह कंपनी के डीलर नेटवर्क पर उपलब्ध होगी। बीएमडब्ल्यू एफ 900 आर की कीमत 9.9 लाख रुपये है। जबकि एफ900 एक्सआर के स्टैंडर्ड मॉडल की कीमत 10.5 लाख रुपये और प्रो मॉडल की कीमत 11.5 लाख रुपये है। Bikedekho के मुताबिक दोनों बाइक के फीचर्स नीचे दिए गए टेबल में हैं।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने गुरुवार को कहा कि वह देश में अपने सभी चार संयंत्रों को दो चरणों में शुरू करेगी। कंपनी के कर्नाटक स्थित संयंत्र में विनिर्माण गतिविधियां अगले सप्ताह शुरू होंगी। एचएमएसआई ने एक बयान में कहा कि 25 मई से उत्पादन चरणबद्ध तरीके से शुरू होगा। सबसे पहले कर्नाटक के नरसापुर स्थित उसके सबसे बड़े संयंत्र को शुरू किया जाएगा।

आज का भविष्यफल

मेषः आज का दिन मेष राशि वालों के लिए राहत एवं सुख सुविधाओं से भरा रहेगा। मानसिक उलझनों से छुटकारा मिलेगा। नई ऊर्जा का संचार मन को प्रसन्न रखेगा। जिससे घर परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

वृषभः आज आपको विशेष सावधानी रखनी होगी। कोई वस्तु के गुम होने की आशंका है अथवा प्रियजन से वाद-विवाद टकराव हो सकता है। खर्च आज अधिक रहेगा।

मिथुनः मिथुन राशि वालों के लिए आज का दिन बेहद खास होने वाला है। कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा जिसके कारण मन में उल्लास रहेगा। नई योजनाएं सफलता दिलाएंगी और मित्रों का सहयोग एवं बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद कार्य सिद्ध करवाएगा।

कर्कः कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन सामान्य है। जितना आप कर्म करेंगे उसी अनुपात में लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। परिवार में शांति का माहौल रहेगा।

सिंहः आज सिंह राशि वालों का भाग्य उनका साथ देगा। कई दिनों से चली आ रही मानसिक उलझनों से आज राहत मिलेगी। स्वादिष्ट भोजन की प्राप्ति होगी और साथ में अधिकारियों का सहयोग भी मिलेगा।

कन्याः कन्या राशि वालों को आज वाहन धीमी गति से चलाना चाहिए। अनावश्यक कार्य के लिए बाहर ना निकलें। आज शत्रु प्रबल रहेंगे, इसलिए परिवार के साथ ही समय व्यतीत करें।

तुलाः तुला राशि वालों के लिए आज का दिन नई ऊर्जा एवं नई संभावनाएं लेकर आया है। प्रियजनों से मुलाकात के कारण मन प्रसन्न रहेगा। व्यापार में उन्नति के अवसर आज आपको मिलेंगे।

वृश्चिकः आज धन प्राप्ति का योग है कोई शुभ समाचार आपको प्राप्त होगा। शत्रु आज निर्बल रहेंगे और नई योजनाओं को अति शीघ्र क्रियान्वित करें।

धनुः आज का दिन धनु राशि वालों के लिए मिश्रित शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। एक तरफ मन में उदासी रहेगी तो दूसरी तरफ भविष्य की रणनीति मन में चल रही होगी।

मकरः आज मकर राशि वालों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता है। अनावश्यक वाद विवाद से बचें। अगर बहुत महत्वपूर्ण न हो तो नया कार्य आज प्रारंभ न करें।

कुंभः आज का दिन आपके लिए मंगलमय है जितना आप कर्म करेंगे भाग्य उसे दोगुना करके शुभ फल के रूप में आपको प्रदान करेगा। पराक्रम में सफलता के कारण मन में असीम ऊर्जा का संचार होगा।

मीनः मीन राशि वालों के लिए आज का दिन मिश्रित प्रभाव वाला है। ना काहू से दोस्ती ना काहू से बैर आज आपको यह कहावत चरितार्थ करनी होगी। बिना चिंता किए दिन व्यतीत करना होगा।

सू- दोकू क्र.029

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिनमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 28 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

शब्द सामर्थ्य -029

बाएं से दाएं
1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे
1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो ऊबड़ खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंतःकरण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

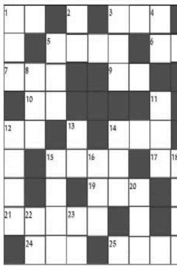

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 28 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

आपात सुविधा के लिए 30 वाहन अधिग्रहित, पर इनका पता नही!

यशवंत राजवाड़े

जिले के 5 ब्लॉक में 30 वाहन को किया गया अधिगृहित

बैकुंठपुर। कोरोना जैसे महामारी में किसी भी बिमारी में शासकीय वाहन के एक स्थान से दूसरे स्थान पर मरीज को पहुचान के लिए नही मिलने पर जिला प्रशासन द्वारा 30 निजी वाहन का अधिग्रहण किया गया। ताकि जिले वासियो को सुविधा मिल सके। किन्तु इन वाहनों का कहा उपयोग हो रहा इससे क्षेत्र की जनता भी अंजान हैं। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य अधिकारियों को कोरोना से पिड़ितों की चिंता कम पैसा कमाने की चिंता ज्यादा है। यही वजह है कि जिला मुख्य चिकित्सा विभाग द्वारा जिले में कोरोना पिड़ितों के सुविधा के लिये एम्बूलेंस की कमी होना बताकर श्री साईं टूर एण्ड ट्रेवल्स को वाहन के लिये अधिकृत कर जिले के 5 ब्लाकों में 30 वाहनों को अधिगृहित किया गया है। जो वाहन सिर्फ इनके कागजी आदेशो में दिख रही है, जमीनी स्तर पर वाहन कहां है यह सिर्फ अधिकारीयों को पता है।

मिली जानकारी के अनुसार जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोरिया द्वारा 11 अप्रैल को श्री साईं टूर एण्ड ट्रेवल्स को निविदा निकाले बिना 30 वाहन उपलब्ध कराने के लिये अधिकृत कर लिया गया और यह सभी वाहन जिला हॉस्पिटल सहित सभी 5 ब्लाक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मिलाकर कुल 30 वाहन अधिकृत किये हुये है। इन वाहनों को अधिगृहित करने के लिये विभाग ने आदेश में यह कहा है कि प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण के खतरे को कम करने की दृश्टि से परिवहन विभाग द्वारा बस सेवाऐं, ट्रक, टेक्सी, आटो बंद है जिसे देखते हुये वाहन अधिकृत करना पड़ रहा है क्योंकि एम्बूलेंस भी सीमित है ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के ईलाज के लिये शासकीय अस्पतालों में आने वाले गंभीर मरीजों को लाने की व्यवस्था इन वाहनों से की जायेगी। पर हकीकत यह है कि इन 30 वाहनों को अधिकृत तो कर लिया गया पर यह वाहन किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नहीं दिख रहे है जिसे लेकर कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सवाल के घेरे में दिखायी दे रहे है। लोंगो का यह भी आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गलत तरीके से वाहनों को अधिकृत किया गया है और अधिग्रहित किये गये वाहन के आदेश में यह वाहन कब तक के लिये अधिकृत है इसका कोई जिक्र नहीं है। जिससे यह मामला भी जिले भी सुर्खियों का विषय बना हुआ है ।

यह है जिले में एम्बूलेंस की स्थिति

जबकि कोरिया जिले में 108 की 7 एम्बूलेंस है वहीं महतारी एक्सप्रेस की भी लगभग 12 वाहन जिले में मौजुद है इसके बावजुद इतनी मात्रा में वाहनों को अधिकृत करना अधिकारी संदेह के घेरे में आ रहे है। जब कि पूर्व कलेक्टर नरेन्द्र दुग्गा के कार्यकाल में जिला खनिज न्यास से सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रो को मिलाकर 6 नयी वाहन एम्बुलेंस के रूप में उपलब्ध कराया गया था ताकि जरूरत पढ़ने पर मरीजों के काम आये पर इन वाहन का उपयोग मरीजों के लिये न होकर ब्लाक अधिकारियों के क्षेत्र भ्रमण में करने की चर्चाएं हैं।

गाड़ी लगाने के नाम पर हेराफेरी

स्वास्थ्य विभाग में वाहन अधिकृत करने के नाम पर जमकर हेराफेरी हो रहा है, बिना चले ही बिल बन रहा है और इन सब में अधिकृत ट्रेव्लस के साथ अधिकारियों के मिलीभगत की भी संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

> आपातकाल में जो पुरानी निविदा थी उसी निविदा के आधार पर वाहन अधिकृत की गयी है। सभी वाहन अपने-अपने ब्लाको में है।
>
> **डॉ. आर शर्मा, मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी कोरिया**

ढनढन, करनकापा, मस्तूरी, निमतरा गांव और उसके चारों ओर के क्षेत्र को कंटोनमेंट जोन घोषित किया

नव प्रदेश संवाददाता

बिना मेडिकल जांच के कोई आ-जा नही सकेगा

बिलासपुर। तखतपुर तहसील के ढनढन एवं करनकापा और मस्तूरी के निमतरा गांव और उसके चारों ओर के क्षेत्र को कंटोनमेंट जोन घोषित कर सभी प्रकार की पाबंदियां लागू की गई है।

इन तीनों ही गांव और उसके आसपास किसी प्रकार की दुकानें व्यावसायिक गतिविधियां मोटर गाड़ियों की आवाजाही पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया , वही इस क्षेत्र में बिना मेडिकल इमरजेंसी के कोई कहीं आना जाना नहीं कर सकेंगे।

जिला प्रशासन ने आज तखतपुर तहसील के ढनढन और करनकापा तथा मस्तूरी के निमतरा गांव को कंटोनमेंट जोन घोषित करते हुए उसके चारों ओर की परिधि में किसी भी प्रकार की दुकानें, मोटर गाड़ियों की आवाजाही के साथ ही सभी प्रकार की गतिविधियां प्रतिबंधित कर दी गई हैं। इसके साथ ही तखतपुर शहर के जेएमपी कॉलेज परिसर और मोहन वाटिकाके चारों ओर के 3 किलोमीटर परिधि क्षेत्र को भी बफर जोन घोषित करते हुए वहां सभी प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधियां एवं मोटर गाड़ियों की आवाजाही तथा बिना मेडिकल इमरजेंसी के लोगों की आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। दरअसल तखतपुर के ढनढन एवं करनकापा में और मस्तूरी के निमतरा में कोरोनावायरस कोविड-19 के संक्रमित मिलने के बाद प्रशासन ने फौरी तौर पर उक्त गांवों तथा उनके चारों ओर के क्षेत्र को कंटोनमेंट जोन घोषित करते हुए वहां किसी भी प्रकार की गतिविधियों पर पूर्ण पाबंदी घोषित कर दी है। इसका उल्लंघन करने पर धारा 188 समेत अन्य अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकती है। जिला प्रशासन ने इसके साथ ही करनकापा, ढन-ढन तथा मस्तूरी तहसील के निमतरा गांव में कंटोनमेंट जोन घोषित कर एकमुश्त पाबंदियां लागू कर दी गई है। वही तखतपुर के मोहन वाटिका एवं जी एमपी कॉलेज परिसर के चारों ओर के 3 किलोमीटर क्षेत्र को बफर जोन घोषित किया गया है।

तखतपुर में कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद 21 मई को तखतपुर में पूर्णत लॉक डाउन घोषित कर दिया गया है सुबह से ही तहसीलदार और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी नगर में भ्रमण कर सभी व्यवसायियों को दुकान बंद करने का निर्देश देते रहे वहीं अन्य आवश्यक व्यवस्था बनाने में लगे रहे बीते रात्रि में तखतपुर के चार मरीजों को क्रोना संक्रमित पाए जाने की जानकारी स्थानीय प्रशासन को मिली इसके बाद नगर सहित पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और अधिकारी भी सकते में आ गए क्योंकि अभी तक नगर सुरक्षित था परंतु प्रवासी मजदूरों के आ जाने से नगर सहित पूरा क्षेत्र वायरस के प्रकोप से सुरक्षित नहीं रहा वहीं लोगों में इस बात का भी आक्रोश है कि बीच शहर में क्वॉरेंटाइन सेंटर बनाया गया है जबकि इसे नगर से बाहर बनाया जाना चाहिए तहसीलदार और पुलिस मिलकर इसके बाद पूरे नगर के मार्केट में घूम घूम कर सभी दुकान को बंद करा दिया गया अब लोगों को लग रहा है कि तखतपुर पूर्णतः लॉक डाउन हो जाएगा और शायद तभी इस प्रकोप से सुरक्षित रह सकेंगे।

मालगाड़ी से आ रहे व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ा

■ पुलिस की पूछताछ के दौरान व्यक्ति निकला मानसिक रोगी

नव प्रदेश संवाददाता

बचेली। पुलिस की सतर्कता÷ इस वैश्विक महामारी से जहां प्रशासन,पुलिस,स्वास्थ्य विभाग दिन रात एड़ी चोटी का जोर लगाकर नगर में संक्रमण ना हो इसके लिए प्रयास कर रहा है। वही रेलवे विभाग की एक बहुत बड़ी लापरवाही सामने आई है।

गुरुवार को तड़के 6 बजे पुलिस को सूचना मिली की विशाखापत्तनम से मालगाड़ी में एक व्यक्ति छिपकर बचेली किरन्दुल की ओर आ रहा है उक्त मालगाडी को चेक किया गया। चेकिंग के पश्चात एक व्यक्ति मालगाड़ी में पाया गया व्यक्ति से पूछताछ की गई जिसमें पता चला कि व्यक्ति पागलपन का शिकार है। अब सबसे अहम बात की व्यक्ति पागल ही सही किस प्रकार मालगाड़ी से सफर करके यहां तक पहुंचा है। क्या सुरक्षा को लेकर बड़े बड़े दावे करने वाला रेलवे विभाग इन सब चीजों को लेकर सतर्कता बरत रहा है? यदि बचेली पुलिस चौकन्नी ना होती तो निश्चित तौर पर उपरोक्त व्यक्ति नगर में दाखिल हो जाता साथ ही नगरवासियो के लिए आफत बन जाता। रेलवे किरंदुल आरपीएफ अखिलेश कुमार से दूरभाष में चर्चा की गई तो उन्होंने बताया की रास्ते मे कई जगह चेकिंग की जाती है। इंजन,गार्ड डिब्बे की चेकिंग तो पूरी तरह से की जाती है परंतु कोई माल डिब्बे में यदि छुपकर आ रहा हो तो उसका पता चलना मुमकिन नही है। इसके लिए स्टेशनों पर पुल से निगरानी करनी होती है जो शायद नही की गई है। उनके मुताबिक कही ना कही सुरक्षा में चूक हुई है।

थाना प्रभारी के मुताबिक सूचना मिली थी जिसके बाद पाया गया कि व्यक्ति विशाखापटनम से मालगाड़ी में छिपकर बचेली किरंदुल की ओर आ रहा है। पूछताछ करने के पश्चात व्यक्ति की मानसिक स्थिति सही प्रतीत नही हो रही थी जिसके बाद व्यक्ति को कोरिनटीन सेंटर में रखा गया है। अब वो विशाखपट्नम से किस प्रकार मालगाड़ी में बैठकर यहां पहुंचा इसकी जांच की जा रही है। रेलवे के सम्बंधित अधिकारियों से पूछताछ की जा रही है।

किराना स्टोर्स की लगातार मिल रही थी शिकायत, सील

नव प्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। कोरिया जिले में कोरोना संक्रमण को लेकर धारा 144 लागू है जिसे देखते हुये कोरिया कलेक्टर द्वारा सभी दुकानों के खुलने व बंद होने को लेकर दिन व समय निर्धारित किया गया है। निर्धारित समय के बाद दुकान नही खोलने पर निर्देश दिये गये थे। इसके बावजुद पटना थाना के अंतर्गत ग्राम पंचायत डकईपारा स्थित मेन रोड पर किराना स्टोर्स खुलेने की लगातार शिकायत मिल रही थी। जिस पर बुधवार को निर्धारित समय के बाद दुकान खुले पाये जाने पर तहसीलदार अंकिता पटेल व पटना थाना प्रभारी सत्यप्रकाश तिवारी ने दुकान को सील कर दिया।

नायब तहसीलदार अंकिता पटेल व पटना थाना प्रभारी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा दुकान खोलने का समय निर्धारित किया गया है निर्धारित समय के बाद दुकान खोलना धारा 144 का उल्लंघन है। इस दुकान की लगातार शिकायत मिल रही थी और दुकानदार को समझाईश भी दी गयी थी इसके बावजुद बार-बार नियत समय के बाद भी दुकान खुला रहता था। यहां तक कि शनिवार व रविवार को पूर्ण बंदी के दिन भी दुकान खुली रहती है बुधवार को भी शाम 6 बजे जानकारी मिली की मेन रोड़ स्थित दुकान खुली हुई है जिस पर ग्राहक आ जा रहे है। जिसकी सूचना पर तहसीलदार अंकिता पटेल व थाना प्रभारी सत्यप्रकाश तिवारी पहुंचे तो दुकान खुली मिली। जिस पर उन्होंने दुकान को सील करने की कार्यवाही की।

न्याय योजना : बिलासपुर जिले के एक लाख से अधिक किसानों को फायदा हुआ

85 करोड़ 66 लाख रुपये से अधिक की राशि अंतरित की गई सीधे उनके खाते में

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व.श्री राजीव गांधी के शहादत दिवस पर श्रीमती सोनिया गांधी और श्री राहुल गांधी की विशेष उपस्थिति में छत्तीसगढ़ सरकार की - राजीव गांधी किसान न्याय योजना का शुभारंभ वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से हुआ। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस योजना के तहत प्रदेश के किसानों को दी जाने वाली 5750 करोड़ रुपए की राशि में से प्रथम किश्त के रूप में 1500 करोड़ रुपए की राशि अंतरित की। इस अंतरित राशि में बिलासपुर जिले के एक लाख से अधिक धान उत्पादक किसानों को फायदा हुआ, जिनके खाते में 85 करोड़ 66 लाख 82 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में पहुंचे।

इस अवसर पर बिलासपुर जिले के एनआईसी केन्द्र में संभागायुक्त बी.एल. बंजारे, कलेक्टर डॉ. संजय अलंग, बिलासपुर विधायक शैलेष पांडेय, तखतपुर विधायक श्रीमती रश्मि सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान, महापौर श्री रामशरण यादव सहित जिले के अधिकारी व किसान उपस्थित थे।

राज्य शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2019-20 में समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने वाले किसानों को 2500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान के भुगतान हेतु यह महत्वाकांक्षी योजना प्रारंभ की गई है। जिसके अंतर्गत समर्थन मूल्य पर उपार्जन के दौरान भुगतान के पश्चात् अंतर की राशि को चार किश्तों में किसानों को भुगतान किया जायेगा। जिले के किसानों को राजीव गांधी न्याय योजना के अंतर्गत 326 करोड़ 35 लाख 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि कुल चार किश्तों में प्रदान की जायेगी, जिसमें से प्रथम किश्त के रूप में कुल राशि का 26.25 प्रतिशत अर्थात् 85 करोड़ 66 लाख 82 हजार रुपये उनके खाते में अंतरित किये गये।

उल्लेखनीय है कि जिले में एक लाख एक हजार 490 किसानों से समर्थन मूल्य पर 47 लाख 7 हजार क्विंटल से अधिक धान खरीफविपणन वर्ष 2019-20 में किया गया था। इस खरीद पर किसानों के खाते में 856 करोड़ 50 लाख रुपये से अधिक राशि का भुगतान किया गया था। यह खरीदी उसके गत वर्ष के मुकाबले 6.49 प्रतिशत ज्यादा की गई थी। शासन द्वारा किसानों को प्रति क्विंटल 2500 रुपये धान का मूल्य देने और गत वर्ष किये गये ऋण माफी के फलस्वरूप किसानों में धान बेचने के लिये उत्साह था। जिले में 1 लाख 7 हजार से अधिक किसान पंजीकृत किये गये थे, जो उसके पूर्व वर्ष के मुकाबले 16.64 प्रतिशत ज्यादा था। इनमें वे किसान भी शामिल थे, जो डिफाल्टर थे और जिनका ऋण सरकार द्वारा माफकिया गया था।

कार्ययोजना तैयार करने एसडीएम, एसडीओपी और स्थानीय अधिकारी उतरे सड़क पर

■ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण हटवाने एसडीएम तथा एसडीओपी ने किया नगर का पैदल भ्रमण

■ बगैर मास्क बेवजह घूमने फिरने वालों से वसूला गया जुर्माना, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने की अपील

नव प्रदेश संवाददाता

मैनपुर। पिछले एक सप्ताह से मैनपुर नगर में नेशनल हाईवे 130 सी किनारे अवैध अतिक्रमण करने वाले लोगो को नोटिस मिलने के बाद स्वयं लोगो ने अपना अवैध अतिक्रमण हटाना शुरू कर दिया है, आज मैनपुर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अंकिता सोम ,एसडीओपी पुलिस रूपेश कुमार डांडे, नायब तहसीलदार कृष्णमुर्ति दीवान, मुख्यकार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मैनपुर नरसिंह ध्रुव एंव राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग सहित विभिन्न विभागो के पुरा प्रशासनिक अमला मैनपुर नगर का पैदल भ्रमण कर शासकीय भुमि पर अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटवाने का निर्देश दिया वही दुसरी ओर नगर में मोटर सायकल से बेवजह बगैर मास्क पहने घुम रहे लोगो से पुछताछ किया गया और उनके द्वारा टालमटोल जवाब देने पर तत्काल बगैर मास्क पहने के कारण जुर्माना वसुला गया जिससे भारी हडकम्प मची रही, बडी संख्या में आज नगर में बगैर मास्क पहने बेवजह घुम रहे लोगो से जुर्माना वसूलने का सिलसिला जारी रहा तो वही दुसरी ओर उम्र दराज बुजूर्ग लोगो से बकायदा नरमी से पेश आते हुए आला अधिकारियों ने उन्हे मास्क पहनने की अपील की और कई लोगो को एसडीएम अंकिता सोम एंव एसडीओपी पुलिस रूपेश कुमार डांडे मास्क भी वितरण किया, साथ ही नेशनल हाईवे मार्ग से बकायदा टेप लेकर अवैध अतिक्रमण को अपने सामने नपवाया और तीन दिनों के भीतर नेशनल हाईवे के किनारे के सभी अवैध अतिक्रमणों को हटाने का निर्देश दिया है अन्यथा अब सख्त कार्यवाही करने की बात कही गई है।

बजबजाती गंदी नालियों का पानी की समुचित व्यवस्था करने पंचायत को दिया निर्देश

मैनपुर नगर के विकास के लिए आज एसडीएम और नगर के अधिकारियो ने पैदल नगर भ्रमण के दौरान मुख्य मार्ग के किनारे पक्की नाली नही होने के कारण बजबजाती कच्ची नाली का गंदा पानी जो सडक के उपर बह रहा है, जिससे आने जाने वाले लोग बेहद परेशानी हो रही है साथ ही जगह जगह कचरों का ढेर लगा हुआ है ग्राम पंचायत मैनपुर के सरपंच बलदेव राज ठाकुर को मैनपुर नगर के सभी नालियों की साफसफाई करवाने को कहा है साथ ही नगर को साफ सुथरा सुन्दर बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की गई है और अनुभाग मुख्यालय के अनुसार नगर के विकास कार्य के लिए कार्ययोजना तैयार किए जाने की तैयारी अधिकारियों द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है, साथ ही ग्राम पंचायत मैनपुर के सामने अजादी के 50 वी वर्षगाठ के अवसर पर निर्माण किए गए शहीद स्मारक चौक भी अवैध अतिक्रमण के भेंट चढ गया है जिसे देखकर नराजगी जताते हुए तत्काल अवैध अतिक्रमण को हटाने कहा गया है आज अधिकारियों ने नगर के साप्ताहिक बाजार, बस स्टैण्ड, व अनेक प्रमुख गलियों का निरीक्षण किया जिसके बाद नगर के सभी शासकीय भुमि चाहे वह तालाब हो, बस स्टैण्ड,साप्ताहिक बाजार ,शमशान घाट या सरकारी मकानों पर अवैध कब्जा की शिकायत पर सभी अवैध कब्जा को जल्द ही हटवाने की बात कही जा रही है जिससे यह उम्मीद लगाई जा रही है, कि आने वाले कुछ दिनों के भीतर मैनपुर नगर अवैध कब्जा व अतिक्रमण से मुक्त हो जाऐगा क्योंकि नगर के साप्ताहिक बाजार के भीतर अवैध कब्जा होने के कारण बाजार में जगह की कमी के चलते साप्ताहिक बाजार नेशनल हाईवे के उपर लगने और व्यापारियों को सडक किनारे व्यवसाय करने मजबूर होना पडता है जिसके कारण हमेशा दुर्घटना की अंदेशा बनी रहती है।

बैंको में सोशल डिस्टेसिंग का पालन नही होने पर जमकर नराजगी जताई एसडीएम ने

मैनपुर के सभी बैंको में भारी भीड़ और सोशल डिस्टेंसिग का पालन नही होने पर एसडीएम और एसडीओपी ने बैंको का अचानक निरीक्षण कर बैंक के शाखा प्रबंधको को सबसे पहले बैंक के सामने पार्किंग की व्यवस्था को दुरूस्थ करने का निर्देश दिया और बैंको में घेरा लगाकर सोशल डिस्टेसिंग का पालन करवाते हुए लेन देन करने का निर्देश दिया है, बैंको के सामने भारी भींड और बेतरबी से रखे वाहनों को देखकर अधिकारियों ने जमकर नराजगी जताई।

मैनपुर को स्वच्छ सुन्दर बनाने नागरिकों की सहयोग की जरूरत

मैनपुर एसडीएम श्रीमती अंकिता सोम ने बताया कि मैनपुर को स्वच्छ सुन्दर बनाने के लिए तथा नगर के विकास के लिए प्रत्येक नागरिकों की सहयोग की जरूरत है, आज सभी विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से नगर का भ्रमण कर नगर के विकास के लिए और बेहतर कार्य करने कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है, सभी शासकीय भुमि से अवैध अतिक्रमण को जल्द हटाया जाऐगा और नाली निर्माण, पेयजल व्यवस्था, व अन्य सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है और सभी के सहयोग से नगर व क्षेत्र का विकास लोगो के मंशानुसार किया जाऐगा।